राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 257
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 30 मार्च 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 पैसिफिक मॉल, एनएसपी पीतमपुरा में महिलाओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए कार्यक्रम आयोजित | पेज 5 चार दिन से लापता केंद्रीय विद्यालय के 11वीं के छात्र की ट्रैक पर मिली लाश, दोस्तों पर हत्या का आरोप | पेज 7 नेशनल पोकर सीरीज के फाइनल टेबल्स पर राजस्थान और गोवा के बाज़ीगरों ने बिखेरा रंग

मध्यप्रदेश के 5.21 लाख परिवारों को मिली पक्की छत

पीएम बोले- पिछली सरकारों ने राशन लूटा

मध्यप्रदेश। मध्यप्रदेश में आज 5 लाख से ज्यादा परिवारों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पक्की छत दी। प्रधानमंत्री ने 5 लाख 21 हजार परिवारों को गृह प्रवेश कराया। पीएम मोदी आवास योजना (ग्रामीण) के तहत बनाए गए घरों को वर्चुअल कार्यक्रम के जरिए लाभार्थियों को दिया गया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान छतरपुर से वर्चुअली जुड़े। पीएम ने कहा- जब इन लोगों की सरकार थी, तो इन्होंने गरीबों के राशन को लूटने के लिए अपने 4 करोड़ फर्जी लोग कागजों में तैनात कर दिए थे। इन 4 करोड़ फर्जी लोगों के नाम से राशन उठाया जाता था। बाजार में बेचा जाता था और इसके पैसे इन लोगों के काले खातों में पहुंचते थे। 2014 में सरकार में आने के बाद से ही हमारी सरकार ने इन फर्जी नामों को खोजना शुरू किया और इन्हें राशन की लिस्ट से हटाया। हमने राशन की दुकानों में आधुनिक मशीनें (ई-पॉस मशीन) लगाकर यह सुनिश्चित किया कि राशन की चोरी न हो पाए। मशीनों को लगाने का अभियान शुरू किया तो उसका भी मजाक बनाया। उनको मालूम था कि इससे सच पता चल जाएगा। इसीलिए अफवाह तक फैला दी कि राशन लेने जाएंगे और अंगूठा लगाएंगे तो कोरोना हो जाएगा।

पिछली सरकारों ने गरीबी दूर करने के सिर्फ नारे ही लगाए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- हमारे देश में कुछ दलों ने गरीबी दूर करने के लिए नारे बहुत लगाए, लेकिन गरीबों को सशक्त करने के लिए काम नहीं किया। पिछली सरकारों ने जहां केवल कुछ लाख मकान बनाकर दिए थे, वहीं हमारी सरकार अब तक 2.5 करोड़ से अधिक मकान बनाकर दे चुकी है। पिछली सरकारों ने लंबे समय तक गांव की अर्थव्यवस्था को सिर्फ खेती तक ही सीमित रखा, लेकिन हम खेती, किसान, पशुपालक को ड्रोन जैसी आधुनिक सुविधाओं से जोड़कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री शिवराज को बधाई देते हुए कहा- मध्यप्रदेश ने खाद्यान्न खरीदी में देश के कई राज्यों को पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्ड बनाया। 90 लाख किसानों को 13 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना क्या है?

1 अप्रैल, 2016 में प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत हुई थी। मध्यप्रदेश में अभी तक इस योजना में 24 लाख से अधिक घर बनाए जा चुके हैं। योजना का लक्ष्य 2024 तक सभी पात्र बेघर परिवारों एवं कच्चे और टूटे मकानों में रह रहे परिवारों के लिए पक्के घर बनवाना है।

मतुआ धर्म महा मेला में पीएम मोदी की अपील

हिंसा के खिलाफ आवाज उठाना जरूरी है, हमारा हर काम राष्ट्रहित में हो

कोलकत्ता। पीएम मोदी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के श्रीधाम ठाकुरनगर में आयोजित मतुआ धर्म महा मेला 2022 को संबोधित किया। पीएम का यह संबोधन वर्चुअल तरीके हुआ। संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि आज मैं मतुआ समाज के सभी साथियों से भी कुछ आग्रह करना चाहूंगा। सिस्टम से करप्शन को मिटाने के लिए समाज के स्तर पर आपको जागरूकता को और बढ़ाना है।

अगर कहीं भी किसी का उत्पीड़न हो रहा हो, हिंसा हो रही हो तो उसके खिलाफ आवाज जरूर उठाएं, ये हमारा समाज के प्रति भी और राष्ट्र के प्रति भी कर्तव्य है। पीएम ने कहा कि आप जब भी कोई काम करने जाएं तो एक बार यह जरूर सोच लें कि क्या यह राष्ट्रहित में है क्योंकि देश के हर नागरिक के लिए राष्ट्रहित सबसे ऊपर होना चाहिए।

पीएम ने श्री श्री हरिचांद ठाकुर को याद किया

पीएम मोदी ने अपना संबोधन शुरू करते हुए श्री श्री हरिचांद ठाकुर को याद किया। उन्होंने कहा कि ये मतुआ धर्मियो महामेला, मतुआ परंपरा को नमन करने का अवसर है। ये उन मूल्यों के प्रति आस्था व्यक्त करने का अवसर है, जिनकी नींव श्री श्री हरिचांद ठाकुर जी ने रखी थी। इसे गुरुचांद ठाकुर जी और बोरो मां ने सशक्त किया। आज शांतनु जी के सहयोग से ये परंपरा इस समय और समृद्ध हो रही है।

बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ का जिक्र किया

प्रधानमंत्री ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब सबका प्रयास, राष्ट्र के विकास की शक्ति बनता है, तब हम सर्वसमावेशी समाज के निर्माण की तरफ बढ़ते हैं।

श्री श्री हरिचांद ठाकुर जी ने एक और संदेश दिया है जो आजादी के अमृतकाल में भारत के हर भारतवासी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने ईश्वरीय प्रेम के साथ-साथ हमारे कर्तव्यों का भी हमें बोध कराया है।

कौन हैं श्री श्री हरिचांद ठाकुर

श्री श्री हरिचांद ठाकुर को देश की आजादी से पहले के दौर में अविभाजित बंगाल में उत्पीड़न, समाज के दबे-कुचले और बुनियादी सुविधाओं से वंचित लोगों की भलाई के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। उनके द्वारा शुरू किया गया सामाजिक एवं धार्मिक आंदोलन वर्ष 1860 में ओरकांडी (अब बांग्लादेश में) से शुरू हुआ था।

इसके बाद ही मतुआ धर्म की स्थापना हुई थी। इस मेले में असम, कर्नाटक और उत्तराखंड से लोग शामिल होते हैं। असम और उत्तर पूर्व राज्यों में भी मतुआ समुदाय के काफी लोग रहते हैं। कार्यक्रम को देखते हुए रेलवे ने पहले ही विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की थी।

बिहार और झारखंड में ठप्प हो सकती हैं मोबाइल सेवाएं

टावर फर्मों ने राज्य सरकारों से की हस्तक्षेप की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार और झारखंड राज्य में मोबाइल सेवाओं पर खतरे की घंटी मंडरा रही है। कुछ कथित यूनियनों ने बिहार और झारखंड क्षेत्र में दूरसंचार सेवाओं को बाधित करने की धमकी दी है।

इसको लेकर भारत में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाताओं की एक शीर्ष प्रतिनिधि संस्था डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोवाइडर्स एसोसिएशन (डीआईपीए), ने मंगलवार को बिहार और झारखंड की सरकारों से स्व-घोषित यूनियनों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोवाइडर्स एसोसिएशन (डीआईपीए) के महानिदेशक टीआर दुआ ने अपने बयान में कहा, एक स्व-घोषित यूनियन ने विशेष रूप से मौद्रिक लाभ के संबंध में उनकी कथित अवैध मांगों को पूरा नहीं करने पर दोनों राज्यों - बिहार और झारखंड में दूरसंचार सेवाओं को बाधित करने के लिए एक अवैध धमकी दी है।

दुआ ने अपने बयान में कहा, हमने झारखंड के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह और बिहार के मुख्य सचिव, अमीर सुभानी से अनुरोध किया है कि वे सभी जिलों में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्बाध दूरसंचार कनेक्टिविटी और दूरसंचार कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने में तत्काल हस्तक्षेप करें।

डीआईपीए के सदस्यों में इंडस टावर्स, अमेरिकन टावर कॉर्पोरेशन, समिट डिजीटेल (रिलायंस जियो इंफ्राटेल) और टावर विजन शामिल हैं। DIPA द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, डीजल पर निर्भरता कम करने की टावर कंपनियों की पहल यूनियनों को रास नहीं आ रही है। DIPA ने कहा, डीजल की कमी यूनियनों को रास नहीं आ रही है, और अगर डीजल की सप्लाई में एक लीटर भी कटौती की जाती है, तो वे जबरदस्ती कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं।

टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाताओं ने समर्थन के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों और पुलिस अधिकारियों से भी संपर्क किया है। डीआईपीए ने कहा, शिकायत दर्ज की गई है लेकिन उपद्रवियों के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई है और यूनियनों द्वारा दूरसंचार टावरों को बंद कर दिया गया है।

दुआ ने आगे कहा, हमारे टेलीकॉम फील्ड इंजीनियरों और उनके परिवारों को भी धमकियां मिली हैं। इसके अलावा, हमें गंभीर आशंकाएं हैं जो ग्राउंड पर यूनियनों के कार्यों से आकर्षित हो सकती हैं, और यह कि बड़े पैमाने पर व्यवधान का एक गंभीर और ठोस खतरा है। आने वाले दिनों में हमारे सदस्यों के दूरसंचार टावरों पर, जो बिहार और झारखंड में दूरसंचार सेवाओं को गंभीर रूप से बाधित और बाधित करेगा और बीएसएनएल, एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और रिलायंस जियो के नेटवर्क को बुरी तरह प्रभावित करेगा।

समझौता ज्ञापन

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री, अमित शाह मंगलवार को नई दिल्ली में असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों के बीच अंतर-राज्य सीमा विवाद के समाधान के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए।

देश में कोरोना के 1,259 नये मामले

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के लगातार घटते मामलों के बीच मंगलवार को 1,259 नये मामले सामने आए और इसके साथ ही 35 मरीजों की इस बीमारी से मौत हुई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों की संख्या 481 घटकर 15378 रह गई है। इस दौरान एक हजार 259 नये मामले आने के साथ कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 43,021,982 हो गई, वहीं 1705 मरीजों के स्वस्थ होने से कोविड मुक्त होने वालों की संख्या कुल 4,24,85534 हो गई है। इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या 521070 हो गई है। देश में कोरोना मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत, रिकवरी दर 98.75 प्रतिशत और संक्रमण दर 0.04 प्रतिशत है। केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों में 150 की कमी आने के बाद इनकी संख्या घटकर 4513 रह गई।

दिल्ली में 1 अप्रैल से बदलने जा रहे ड्राइविंग के नियम

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में 01 अप्रैल 2022 से वाहन चालकों के लिए ड्राइविंग के नियम बदलने जा रहे हैं। इनमें पहली बार नियम तोड़ने पर जुर्माना, दूसरी बार के लिए एफआईआर और तीसरी बार सजा का प्रावधान होगा।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा में घोषणा की कि आगामी 01 अप्रैल से निजी बसों, मालवाहक वाहनों के लिए सख्त लेन नियमों को लागू किया जाएगा।

कैलाश गहलोत ने कहा कि अगर कोई बस चालक बस लेन में ड्राइव नहीं करता है तो पहली बार अपराध करने के लिए उस पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। अगर वह दूसरी बार ऐसा ही करता है तो बस चालक के खिलाफ खतरनाक तरीके से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया जाएगा।

परिवहन मंत्री ने बस चालक द्वारा तेज गति से वाहन चलाने के तीसरे और चौथे प्रयास के लिए सजा की भी घोषणा की।

उन्होंने कहा कि अगर तीसरी बार कानून तोड़ा गया तो अपराधी का ड्राइविंग लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा, जबकि चौथे उल्लंघन के परिणामस्वरूप निजी बस का परमिट रद्द किया जा सकता है।

गहलोत ने कहा कि हम एक वॉट्सऐप नंबर जारी करेंगे, जहां कोई भी बस चालक को नियमों का उल्लंघन करते हुए देखेगा तो वह हमें एक वीडियो भेज सकता है। हम उपलब्ध कराए गए सबूतों के अनुसार कार्रवाई करेंगे।

देश के कई हिस्सों में देखा गया श्रमिक हड़ताल का मामूली असर

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय श्रमिक संघों (सीटू) की दो दिन की हड़ताल का असर देश के कई हिस्सों में देखा गया जबकि कई हिस्से इससे पूरी तरह से अप्रभावित रहे।

प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलंगाना, कर्नाटक, असम और त्रिपुरा 24 घंटे की हड़ताल से प्रभावित रहे जबकि दिल्ली, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, पंजाब, बिहार, झारखंड, गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, जम्मू कश्मीर तथा लददाख पर कोई असर नहीं हुआ। सीटू ने कहा है कि हड़ताल मे करोड़ों श्रमिकों ने भागीदारी की और केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के प्रति रोष जताया। बीमा एवं बैंकिंग क्षेत्र के कर्मी हड़ताल में पूरी तरह से सक्रिय रहे। इसके अलावा सड़क परिवहन, बिजली, खनन, रेल और बाजारों में कामकाज प्रभावित रहा।

भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार की कथित मजदूर विरोधी नीतियों, सार्वजनिक उपक्रमों में विनिवेश, निजीकरण और महंगाई के विरुद्ध आहूत की गयी सीटू की इस हड़ताल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध भारतीय मजदूर संघ शामिल नहीं हुआ।

श्रमिकों के समर्थन में वामपंथियों और द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने संसद परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने श्रमिक हड़ताल को पूरी तरह से सफल बताया।

सीटू के महासचिव तपन सेन ने कहा कि हड़ताल को दो दिन जबरदस्त प्रतिदान मिला। हड़ताल के सफल होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि करोड़ों श्रमिक अपनी मांगों के समर्थन में ही नहीं बल्कि केंद्र सरकार की 'राष्ट्र विरोधी विध्वंसक' नीतियों के विरुद्ध सड़क पर उतरे हैं।

बीएसएनएल के कर्मचाारियों ने भी हड़ताल में भागीदारी की। बेंगलुरु में निजी औद्योगिक इकाइयों भी कामकाज नहीं हुआ।

सीटू ने बैंकिंग और बीमा क्षेत्र में हड़ताल का सफल बताया है। केंद्र और राज्य सरकारों के संबंधित संस्थानों के कर्मचारी भी हड़ताल पर हैं। इसके अलावा दूरसंचार, बंदरगाह, पेट्रोलियम, इस्पात, सीमेंट, कोयला और बिजली में पूर्ण हड़ताल रही और कोई कामकाज नहीं हुआ। कपड़ा और परिधान क्षेत्र में भी कामकाज नहीं हुआ। पश्चिम बंगाल में कई स्थानों से छिटपुट हिंसा और पुलिस के साथ झड़प की खबरें मिली हैं। कुछ स्थानों पर श्रमिक नेताओं को हिरासत लेने के समाचार भी मिले हैं।

सीटू ने कहा कि लगभग 80 लाख आंगनवाडी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं और मिड-डे मील कार्यकर्ताओं ने भी हड़ताल का समर्थन किया है। इसके अलावा निर्माण मजदूरों, बीड़ी श्रमिकों, रेहड़ी पटरी दुकानदारों, घरेलू कामगारों और सफाई कर्मियों ने भी हड़ताल में भाग लिया। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतिहर मजदूरों और मनरेगा मजदूरों ने भी हड़ताल का समर्थन किया।

केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने बिजली ग्रिड का कामकाज सुचारु रखने के लिए राज्यों और विद्युत क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों को जरूरी निर्देश दिए हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी सभी शाखाओं और कार्यालयों में सामान्य कामकाज सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रबंध किए हैं।

पिछड़ों को राजनीतिक आरक्षण की मांग को लेकर जंतर मंतर पर प्रदर्शन

नयी दिल्ली। पिछड़ों के लिए राजनीतिक आरक्षण की मांग को लेकर मंगलवार को यहां जंतर मंतर पर नेशनल बेकवर्ड क्लासेस वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से बड़े स्तर पर प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शन में दिल्ली विधानसभा और संसद चुनावों में 50 फीसदी आरक्षण प्रदान करने के लिए संसद में बेकवर्ड क्लासेस (बीसी) बिल पेश करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। सभा को संबोधित करते हुए, एसोसिएशन के अध्यक्ष आर कृष्णैय्याह ने अपनी बीसी विरोधी नीतियों के लिए केंद्र सरकार पर खुलकर हमला किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूरे देश में अगर बीसी को विधानसभा और संसद के चुनाव में कोटा नहीं दिया जाता है तो हम क्रांति शुरू करेंगे। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश दासु ने कहा कि संसद में बीसी बिल पास होने तक पीछे नहीं हटेंगे यदि शीर्ष अधिकारियों, उद्योगपतियों, व्यापार और उद्योग द्वारा 39.85 लाख करोड़ रुपये के शीर्ष बजट को बर्बाद कर दिया जाता है।

लाठीचार्ज

6 किसानों की हालत गंभीर; मुआवजे की मांग पर नायब तहसीलदार और कर्मचारी को बनाया बंधक

'आप' सरकार में किसानों पर पहली बार लाठीचार्ज

अमृतसर। पंजाब में कांग्रेस को हराकर आई आम आदमी पार्टी की सरकार में पहली बार किसानों पर लाठीचार्ज हुआ है। इस दौरान 6 किसान घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये किसान तबाह हो चुकी कपास की फसल के मुआवजे की मांग कर रहे थे। भारतीय किसान यूनियन (एकता उग्राहां) की अगुआई में किसानों ने लंबी के नायब तहसीलदार समेत अन्य स्टाफ को दफ्तर में बंधक बना लिया। इसके बाद पुलिस ने सोमवार देर रात 12 बजे किसानों पर लाठीचार्ज कर नायब तहसीलदार और स्टाफ को छुड़ाया।

पुलिस की ओर से किए गए लाठीचार्ज में 6 किसान घायल हो गए, जिन्हें लंबी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, नायब तहसीलदार अरजिंदर सिंह और स्टाफ के बाहर आने के बाद अब पूरे प्रदेश के तहसीलदार हड़ताल पर चले गए हैं। किसानों का आरोप है कि गुलाबी सुंडी से खराब हुई नरमा की फसल के मुआवजे के मामले में मुक्तसर जिले को नजरअंदाज किया गया है। मुक्तसर जिले में अधिकतर नरमा की खेती लंबी ब्लॉक में ही होती है। गिरदावरी में लंबी ब्लॉक के केवल छह गांवों को ही शामिल किया गया और उन्हें भी अभी तक मुआवजा नहीं दिया गया, अन्य करीब 30 गांवों को गिरदावरी में शामिल ही नहीं किया गया।

वहीं, दूसरी तरफ पुलिस के लाठीचार्ज में 6 किसान जख्मी हो गए, जिन्हें पास के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल किसानों में हरपाल सिंह किल्लियांवाली, निशान सिंह कख्खांवाली, जगदीप सिंह खुड्डियां, दविंदर सिंह मानावाला, एमपी सिंह भुल्लरवाला, गुरलाभ सिंह कख्खांवाली, काला सिंह खुन्नण खुर्द आदि शामिल हैं।

पुलिस ने बंधक नायब तहसीलदार व किसानों को तो छुड़ा लिया, लेकिन किसानों का धरना अभी भी जारी है। बीकेयू ने अब तहसील दफ्तर के बाहर धरना लगाया हुआ है। वे अपनी बात पर अड़े हुए हैं और मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

रात हाईवे कर दिया जाम

वहीं दूसरी तरफ किसानों की ओर से बंधक बनाए गए पटवारियों ने देर रात बाहर आने के बाद नेशनल हाईवे पर धरना देकर प्रदर्शन किया। अब बंधक बनाने वाले किसानों पर कार्रवाई करने की मांग को लेकर जिले के सभी एसडीएम व तहसील दफ्तरों के कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी है। राज्य के तहसीलदार और नायब तहसीलदार भी गांव बादल स्थित गेस्ट हाउस में इकट्ठा हुए और अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा कर दी है।

शार्ट न्यूज

ब्रिगेडियर संजीव ने जम्मू कश्मीर, लद्दाख के एनसीसी के डीडीजी का पदभार संभाला

जम्मू। ब्रिगेडियर संजीव कुमार ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर और लददाख के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के निदेशालय में उप महानिदेशक का पदभार संभाल लिया। कुमार जम्मू-कश्मीर में रियासी जिला के कटरा शहर के निवासी हैं। ब्रिगेडियर कुमार नागरोटा के सैनिक स्कूल तथा भारतीय सैनिक अकादमी के छात्र रहे हैं। वर्ष 1988 में उन्होंने भारतीय सेना के इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियर्स (ईएमआई) कोर में कमीशंड किया। ब्रिगेडियर कुमार के पास विभिन्न रेजिमेंटल, कमांड और स्टाफ नियुक्तियों काम करने का लंबा अनुभव है। इनके पास रक्षा और सामरिक अध्ययन में मास्टर ऑफ साइंस (डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज), मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम) और मास्टर ऑफ फिलॉसफी (नेशनल डिफेंस कॉलेज) की उपाधि है। ब्रिगेडियर कुमार अपनी विशिष्ठ सेवा के लिए दो बार चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ प्रशस्ति पत्र से सम्मानित हो चुके हैं।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में भूकंप के झटके

श्रीनगर। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख में मंगलवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किये गए। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तिव्रता 4.3 मापी गयी।भूकंप का केंद्र लद्दाख में लेह के उत्तरी अलची से 186 किलोमिटर की दूरी पर स्थित था। भूकंप से किसी तरह की क्षति की रिपोर्ट नहीं है।

हड़ताल के दौरान झड़प में विधायक राजा घायल

इडुक्की। केरल के इडुक्की जिले में देवीकुलम विधानसभा क्षेत्र के मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के विधायक ए. राजा हड़ताल के दौरान पुलिस के साथ झड़प में घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब माकपा विधायक केंद्रीय श्रमिक संघों द्वारा दो दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का समर्थन करने के लिए एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उसी दौरान प्रदर्शनकारियों ने मुन्नार कस्बे में एक वाहन को रोकने की कोशिश की। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने जब माकपा कार्यकर्ताओं को वाहन पर हमला करने से रोकने की कोशिश की, उसी दौरान पुलिस और भीड़ की झड़प में विधायक घायल हो गए।

तमिलनाडु मंत्रिमंडल में मामूली फेरबदल

चेन्नई। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को अपने मंत्रिमंडल के पहले मामूली फेरबदल में परिवहन मंत्री आरएस राजकन्नप्पन और पिछड़ा वर्ग मंत्री एसएस शिवशंकर विभागों की अदला-बदली की। श्री स्टालिन द्वारा पिछले साल मई में मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के बाद मंत्रिमंडल में यह पहला परिवर्तन है। राजभवन की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक मुख्यमंत्री की सिफारिशों के आधार पर परिवहन, राष्ट्रीयकृत परिवहन और मोटर वाहन अधिनियम मंत्रालय श्री राजकन्नप्पन से लेकर श्री शिवशंकर को दे दिया गया है और उन्हें फिर से परिवहन मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार श्री शिवशंकर के पास मौजूद पिछड़ा वर्ग कल्याण, अति पिछड़ा वर्ग कल्याण और विमुक्त समुदाय कल्याण विभाग को श्री राजकन्नप्पन को आवंटित किया गया है तथा उन्हें पिछड़ा वर्ग कल्याण के मंत्री के रूप में फिर से नामित किया गया है। माना जा रहा है कि श्री राजकनप्पन से परिवहन विभाग को अलग करने के पीछे उनकी ओर से मुदुकुलथुर क्षेत्रीय विकास अधिकारी को 27 मार्च को उनकी जाति के नाम से अपमानित करना बताया जाता है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। वीडियो में पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि मंत्री ने उसे दूसरी जगह स्थानांतरित करने की धमकी भी दी थी।

उत्तराखंड में बुजुर्ग महिला को तेंदुए ने बनाया शिकार

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल जिले के भद्यूनी गांव में मंगलवार को एक बुजुर्ग महिला को तेंदुए ने अपना शिकार बना लिया। घटना के बाद ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों ने तेंदुए को मारने की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार भदयूनी गांव की रहने वाली धनुली देवी (60) अपनी बहू लीला के साथ घर के पास ही जंगल में घास लेने गई थी। बहू पेड़ पर चढ़कर घास के पत्ते तोड़ रही थी, जिन्हें उसकी सास इकट्ठा कर रही थी। इसी दौरान पास ही घात लगाए बैठे तेंदुए ने धनुली देवी पर हमला कर दिया। बहू के शोर मचाने पर ग्रामीण एकत्र हुए। वन विभाग के फतेहपुर रेंज के क्षेत्राधिकारी केएल आर्य की अगुवाई में वन विभाग की एक टीम और ज्योलीकोट पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इसके बाद खोज अभियान चलाया गया। कुछ ही दूरी पर बुजुर्ग महिला का क्षत-विक्षत शव बरामद कर लिया गया। इस घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत और रोष व्याप्त है। फतेहपुर रेंज के गांवों में पिछले कुछ समय से बाघ व तेंदुए का आतंक है। यहाँ अभी तक तेंदुआ चार लोगों को अपना शिकार बना चुका है।

हरियाणा में हड़ताल: रोडवेज डिपो महाप्रबंधकों पर गिरेगी गाज

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री मूल चंद शर्मा ने आज कहा कि हरियाणा रोडवेज के उन डिपो महाप्रबंधकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी, जो ट्रेड यूनियनों की दो दिवसीय हड़ताल में लापरवाह रहे और बस सेवाएं प्रभावित हुईं। श्री शर्मा ने कहा कि हड़ताल के कारण कुछ जिलों में रोडवेज बसें न चलने की रिपोर्ट है जिससे आम लोगों को काफी असुविधा हुई है और सरकार यह बर्दाश्त नहीं करेगी और उन महाप्रबंधकों के खिलाफ कार्रवाई करेगी जिनके जिलों में बस सेवा प्रभावित हुई। उन्होंने दावा किया कि सरकार रोडवेज कर्मचारियों की मांगों पर 'सहानुभूतिपूर्वक' विचार कर रही है। बसों की संख्या बढ़ाई जा रही है और जल्द ही 2000 बसें रोडवेज़ बेड़े में शामिल की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा किलोमीटर स्कीम बसें भी चल रही हैं और सरकार इलेक्ट्रिक बसें चलाने पर भी विचार कर रही है।

केन्द्र की श्रम नीतियों के विरोध में बैंक कर्मचारी दूसरे दिन भी हड़ताल पर

जालंधर। केंद्र सरकार की कथित जन विरोधी आर्थिक नीतियों और मजदूर विरोधी श्रम नीतियों के खिलाफ केंद्रीय श्रमिक संगठनों और कई ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर बैंक कर्मचारी मंगलवार को दूसरे दिन भी हड़ताल पर रहे। नेशनल कन्वेंशन ऑफ वर्कर्स के निर्णय के समर्थन में और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र क्षेत्रीय अखिल भारतीय संघों और संघों के संयुक्त मंच के आह्वान पर 28 और 29 मार्च को दो दिवसीय अखिल भारतीय हड़ताल शुरू की गई है। बैंक, एलआईसी, जीआईसी, रोडवेज, बिजली, बीएसएनएल और शहर के औद्योगिक कर्मचारियों के हजारों कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में आज यहां पूर्ण हड़ताल की। पंजाब नेशनल बैंक, सिविल लाइंस, जालंधर के सामने एलआईसी, जीआईसी, बैंकों की विशाल संयुक्त रैली निकाली गई। पंजाब नेशनल बैंक कर्मचारी महासंघ ने दावा किया कि 20 करोड़ कर्मचारी और अधिकारी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को मजबूत करने, बैंकों के निजीकरण को रोकने की मांग को लेकर हड़ताल पर चले गए।

नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म मामले में दोषी को 20 साल की सजा

पटना। बिहार में पटना स्थित बच्चों का लैंगिक अपराध से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की विशेष अदालत ने शादी के नाम पर बहला-फुसलाकर अपहरण और उसके बाद दुष्कर्म करने के अपराध में दोषी को आज 20 वर्ष के सश्रम कारावास के साथ ही डेढ़ लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश धनंजय मिश्रा ने मामले में सुनवाई के बाद पटना जिला के विक्रम थाना क्षेत्र निवासी राजू राम को भारतीय दंड विधान एवं पॉक्सो अधिनियम की अलग-अलग धाराओं में दोषी करार देने के बाद यह सजा सुनाई है। जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर दोषी को एक वर्ष छह महीने के कारावास की सजा अलग से भुगतनी होगी। जुर्माना वसूल होने पर पीड़िता को दिया जाएगा।

राज्य के 60 प्रबुद्ध नागरिकों का सीएम बोम्मई को पत्र

कर्नाटक में नफरत और सांप्रदायिक राजनीति पर लगे लगाम : बोम्मई

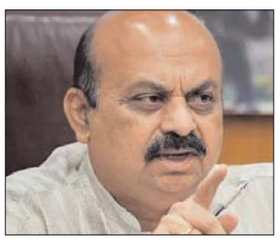

नई दिल्ली। कर्नाटक में हिजाब विवाद और मुस्लिम दुकानदारों को मेले में प्रतिबंधित होने की रिपोर्ट के बीच राज्य के 60 प्रबुद्ध नागरिकों ने मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को पत्र लिखा है।

इन नागरिकों ने मुख्यमंत्री से राज्य में नफरत और सांप्रदायिक राजनीति की बढ़ती घटनाओं पर रोक लगाने का आग्रह किया है। प्रबुद्ध नागरिकों ने कहा है कि मौजूदा घटनाएं राज्य में बिगड़ती स्थिति का संकेत देती है। कर्नाटक में हिजाब का मुद्दा जोरसोर से तुल पकड़ा था। मामले पर हाई कोर्ट फैसला भी सुना चुका है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि हिजाब एक आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है और सभी को स्कूल यूनिफॉर्म के नियमों का पालन करना चाहिए। फैसले के बाद, राज्य सरकार ने कहा था कि कोर्ट के फैसले का पालन नहीं करने वालों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। राज्य में सोमवार से शुरू हुए बोर्ड एग्जाम में कुछ छात्र हिजाब पहनकर पहुंची थी, जिन्हें स्कूल में प्रवेश से वंचित कर दिया गया।

दूसरी ओर से राज्य के मुस्लिम व्यापारियों और दुकानदारों को हिंदू त्योहारों और मंदिरों में लगने वाले मेलों के दौरान विरोध का भी सामना करना पड़ा है। कई संगठनों ने मुस्लिम व्यापारियों की भागीदारी पर आपत्ति जताई थी। वहीं, कई संगठनों ने हाई कोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताई थी। राज्य के विभिन्य मंदिरों के चारों ओर मुसलमानों को लेकर पोस्टर भी लगाए गए थे।

वहीं, कर्नाटक सरकार जोर देकर कहती रही है कि वो प्रतिबंध को प्रोत्साहित नहीं करती है और उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। कुछ समूहों ने मुस्लिम व्यापारियों का बहिष्कार करने वाले हिंदुओं का समर्थन भी किया है।

रोडवेज सरकारी कर्मचारियों ने हड़ताल में लिया भाग

हिसार। निजीकरण, ठेका भर्तियों जैसी नीतियों के खिलाफ केंद्रीय ट्रेड यूनियनों एवं कर्मचारी संगठनों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दूसरे दिन भी हरियाणा के हिसार, फतेहाबाद और हांसी में खासा असर देखने को मिला। परिवहन, सफाई व्यवस्था, जलापूर्ति जैसी सेवाएं जहां प्रभावित हुईं, वहीं सरकारी कार्यालयों, बैंकों तथा अन्य विभागों में कामकाज भी प्रभावित हुआ।

हिसार में आज रोडवेज कर्मचारियों एवं अन्य कर्मचारी संगठनों ने रोष मार्च भी निकाला।

भारतीय जीवन बीमा निगम की अर्बन इस्टेट स्थित दोनों शाखाओं के कर्मचारियों ने पूर्ण रूप से कार्यालय का कामकाज ठप रखा। इस दौरान कर्मचारियों ने केन्द्र सरकार के प्रस्तावित भारतीय जीवन बीमा निगम के आईपीओ के विरोध में नारेबाजी की। रोष प्रदर्शन की अध्यक्षता संयुक्त रूप से प्रधान त्रिलोक बंसल एवं कृष्ण कुमार ने की तथा संचालन सचिव सुरेन्द्र पुनिया और मुकेश कुमार ने किया।

ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन की हिसार शाखा के प्रधान सतबीर सुरलिया की अध्यक्षता में कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का संचालन पब्लिक हेल्थ क्लेरिकल एसोसिएशन, शाखा हिसार के सचिव कुलदीप जांगड़ा ने किया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों को हरियाणा कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री राहत कोष में विभिन्न बोर्ड-निगम ने किया 117.5 करोड़ का अंशदान

पटना। बिहार के अलग-अलग बोर्ड और निगम ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 117.5 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मंगलवार को यहां एक, अणे मार्ग स्थित लोक संवाद में बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने 25 करोड़, बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड ने 12 करोड़, बिहार राज्य इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम ने 11 करोड़, बिहार राज्य पथ विकास निगम ने 10 करोड़, बिहार राज्य औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार ने 10 करोड़, बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड ने 10 करोड़, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम ने 10 करोड़, बिहार राज्य शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम ने नौ करोड़, बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम ने पांच करोड़ रुपए का चेक सौंपा।

अमित शाह ने खत्म कराया असम और मेघालय का 50 साल पुराना सीमा विवाद

नई दिल्ली। असम और मेघालय की सरकारों ने अपने 50 साल पुराने सीमा विवाद को दूर करने के लिए मंगलवार को यहां राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। गृह मंत्रालय के कार्यालय में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों द्वारा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

12 में से 6 पर बनी सहमित

मेघालय और असम के मुख्यमंत्रियों ने पहले चरण में छह स्थानों ताराबाड़ी, गिजांग, हाकिम, बोकलापाड़ा, खानपाड़ा-पिलंगकाटा और रतचेरा में सीमा विवाद को हल करने के लिए 29 जनवरी को गुवाहाटी में समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद इसे 31 जनवरी को गृह मंत्रालय को भेजा गया था। मंगलवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनके मेघालय समकक्ष कोनराड के संगमा ने दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ-साथ इन राज्यों के अन्य अधिकारियों और गृह मंत्रालय के अधिकारियों की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए।

क्या निकला समझौते का नतीजा?

असम और मेघालय की सरकारें 884 किलोमीटर की सीमा के साथ लगते 12 मतभेद के क्षेत्रों में से छह में अपने सीमा विवादों को हल करने के लिए एक मसौदा प्रस्ताव लेकर आई थीं। 36.79 वर्ग किमी भूमि के लिए प्रस्तावित सिफारिशों के अनुसार, असम 18.51 वर्ग किमी रखेगा और शेष 18.28 वर्ग किमी मेघालय को देगा।

समझौते पर क्या बोले हिमंत बिस्वा सरमा?

ऐतिहासिक समझौते के बाद असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, यह हमारे लिए ऐतिहासिक दिन है। इस एमओयू के बाद अगले 6-7 महीनों में बाकी विवादित स्थलों की समस्या का समाधान करने का हमारा लक्ष्य है। हम पूर्वोत्तर क्षेत्र को देश में विकास का इंजन बनाने की दिशा में काम करेंगे। उन्होंने कहा, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सीमा विवादों को सुलझाने का अनुरोध किया। मैंने एपी सीएम के साथ बैठक की जहां हमने 122 विवादित बिंदुओं को निपटाने के लिए एक रोड मैप बनाया। मिजोरम और नागालैंड के सीएम के साथ शुरुआती चर्चा शुरू हो गई है।

क्या बोले अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, आज असम और मेघालय के बीच 50 साल पुराना लंबित सीमा विवाद सुलझ गया है। विवाद के 12 में से 6 बिंदुओं को सुलझा लिया गया है, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत सीमा शामिल है। शेष 6 बिंदुओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा, 2014 से, मोदी जी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए कई प्रयास किए हैं। आज, मैं असम के सीएम और मेघालय के सीएम और उनकी टीमों को उनके सीमा विवाद को सुलझाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने पर बधाई देता हूं।

क्या है 50 साल पुराना खूनी विवाद

सीमा विवाद के कारण अतीत में कई हिंसक घटनाएं हुई हैं, 2010 में इस तरह की एक बड़ी घटना भड़क उठी थी। 12 विवादित क्षेत्रों में से एक, लंगपीह में पुलिस फायरिंग में चार लोग मारे गए थे। असम और मेघालय के बीच समझौता महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद बहुत लंबे समय से लंबित है। गौरतलब है कि मेघालय 1972 में असम से अलग होकर एक राज्य बना था और इसने असम पुनर्गठन कानून, 1971 को चुनौती दी थी जिससे 884.9 किलोमीटर लंबी साझा सीमा के विभिन्न हिस्सों में 12 इलाकों को लेकर विवाद पैदा हुआ था।

श्रीनगर में कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर समन्वय समिति (जेकेसीसीटीयू) के बैनर तले अनेक कर्मचारियों ने यहां मंगलवार को अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन किया।

श्रीनगर में प्रेस एन्क्लेव में बैनर और तख्तियां लिए प्रदर्शनकारियों ने बकाया वेतन जारी करने और अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करने की मांग को लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी जम्मू कश्मीर के पेंशनभोगियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने तथा पिछले कई वर्षों से विभिन्न विभागों में खाली पड़े पदों को भरे जाने की मांग कर रहे थे।

जेकेसीसीटीयू के अध्यक्ष मोहम्मद मकबूल ने सरकार से सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ उत्पीड़न नीति को रोकने का आग्रह किया। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों की आउटसोर्सिंग पर रोक लगाने और संविदात्मक नौकरियों की नियुक्ति की भी मांग की। उन्होंने सार्वजनिक सेवाओं को 'पब्लिक यूटिलिटी सिस्टम' के तहत रखे जाने का भी

आग्रह किया। इस बीच, मूल्य वृद्धि, ईंधन की कीमत, बेरोजगारी, और चार नए श्रम संहिताओं को खत्म करने के लिए तत्काल उपायों सहित उनकी मांगों के समर्थन में प्रेस कॉलोनी श्रीनगर में सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) जम्मू कश्मीर के बैनर तले ऐसा ही प्रदर्शन किया गया। उन्होंने सभी श्रमिकों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवर, कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन 21,000 रुपये प्रति माह के अलावा पुरानी पेंशन की बहाली और अनुबंध व योजना श्रमिकों के नियमितीकरण की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों ने मजदूर वर्ग को हो रही समस्याओं पर भी चिंता व्यक्त की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार कारपोरेट समर्थक है और श्रमिक संघों के मेहनत से अर्जित अधिकारों को वापस ले रही है तथा सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को शिक्षा एवं अन्य सहायता जारी कर रही है।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने कहा कि मजदूर वर्ग को भाजपा सरकार के 'मजदूर विरोधी' एवं 'जनविरोधी' हमले के खिलाफ एकजुट संघर्ष के लिए तैयार रहना चाहिए।

सरिस्का जंगल में फैली आग बुझाने के लिए वायुसेना की ली मदद

अलवर। राजस्थान में अलवर के सरिस्का के जंगल में फैली आग पर काबू पाने के लिए वायुसेना की मदद ली गई है। वायुसेना के दो हेलीकॉप्टर सरिस्का के जंगल में आग बुझाने का काम कर रहे हैं। बेकाबू आग को नियंत्रण में लाने के लिए वन विभाग व जिला प्रशासन ने एयरफोर्स से मदद मांगी। इसके बाद एयरफोर्स ने दो हेलीकॉप्टर अलवर भेजें। इस पर वायु सेना के दो हैलीकॉप्टर मंगलवार सुबह अलवर के केंद्रीय स्कूल स्थित हेलीपेड पर पहुंचें और यहां से अलवर की सिलीसेढ़ झील से पानी लेकर दोनों हेलिकॉप्टर लगातार आग प्रभावित जंगल क्षेत्र में पानी छिड़काव करने का काम कर रहे हैं। सरिस्का के अकबरपुर रेंज के बालेटा व पृथ्वीपुरा नाके के आसपास क्षेत्र की सूखी घास एवं पौधों में अज्ञात कारणों से लगी आग सोमवार देर रात तक बेकाबू हो गई।

दक्षिणी राज्यों में कोविड मामलों का बढ़ना चिंताजनक : पुरोहित

हैदराबाद। राष्ट्रीय संक्रामक रोग नियंत्रण कार्यक्रम के सलाहकार डॉ नरेश पुरोहित ने मंगलवार को कहा कि पिछले कुछ दिनों में दक्षिणी राज्यों सहित अन्य राज्यों में भी कोविड-19 के मामलों में हो रही वृद्धि एक बार फिर चिंताजनक हो गई है।

अमेरिका के जॉन्स हॉपकिन्स यूनीवर्सिटी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 21 मार्च को 1581 मामले, 22 मार्च को 1778 मामले और 23 मार्च को 1938 मामले सामने दर्ज हुए हैं। वहीं दूसरी ओर आईएनएसएसीओजी (कोविड जेनेटिक्स कंसोर्टियम) और जीआईएसएआईडी (ग्लोबल इनिशिएटिव ऑन शेयरिंग ऑल इन्फ्लुएंजा डेटा) ने बताया कि 24 मार्च तक देश में कोविड-19 के 568 मामले हाइब्रिड डेल्टाक्रॉन वेरिएंट के लिए जांच की प्रक्रिया में थे।

उन्होंने कहा कि लोग घर पर स्व-परीक्षण किट के माध्यम से जांच कर रहे हैं और डेल्टाक्रॉन के सकारात्मक मामले सामने नहीं आ रहे हैं। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्व-परीक्षण किट से सकारात्मक मामले कम से कम स्थानीय नागरिक वार्डों में दर्ज किए जाएं, ताकि संक्रमण को रोकने के लिए समय पर कदम उठाए जा सकें।

उन्होंने कहा कि डेल्टाक्रॉन डेल्टा और ओमिक्रोन से मिलकर बना एक वैरिएंट है। डेल्टाक्रॉन में प्रसार की क्षमता काफी अधिक है और इससे मनुष्य और जानवर दोनों संक्रमित हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के राष्ट्रीय एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के प्रमुख जांच अधिकारी का हवाला देते हुए, डॉ पुरोहित ने कहा कि 24 मार्च तक दुनिया भर में 1.2 करोड़ नए कोविड-19 मामलों में वृद्धि हुई थी, जो काफी चिंताजनक है। इसलिए देश भर में तत्काल परीक्षण और जीनोमिक निगरानी को बढ़ाने की जरूरत है।

राजस्थान में गर्मी जोर पकड़ने लगी, बाड़मेर में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पास पहुंचा

जयपुर। राजस्थान में गर्मी जोर पकड़ने लगी है और सीमांत बाड़मेर जिले में आज अधिकत्तम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पास पहुंच गया।

राज्य की राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में दिन में हल्की लू चलने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार मौसम में आये बदलाव के कारण प्रदेश में दो-तीन दिन गर्मी के तेज होने से हल्की लू का असर रहेगा। एक अप्रैल के बाद फिर मौसम में थोड़ा बदलाव आने से तेज गर्मी एवं लू में कमी आने की संभावना है। विभाग के अनुसार राज्य में अधिकत्तम एवं न्यूनतम दोनों में सामान्य से अधिक तापमान दर्ज किया गया। जयपुर सहित कई शहरों में अधिकत्तम तापमान 40 और इससे ऊपर रहा। हालांकि केवल भीलवाड़ा में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहा जहां सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस कमी के साथ 17 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज किया गया जो सामान्य से छह डिग्री सेल्सियस अधिक रहा जबकि राज्य के गंगानगर में अधिकत्तम तापमान सामान्य से नौ डिग्री सेल्सियस अधिक रहा जो राज्य में सबसे अधिक है। गंगानगर में अधिकत्तम तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह जैसलमेर में अधिकत्तम तापमान सामान्य से छह डिग्री सेल्सियस अधिकता के साथ 42.4, चुरू में सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस अधिकता के साथ 42.2, बीकानेर में सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस अधिकता के साथ 41.8, चित्तौड़गढ़ में सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस अधिकता के साथ 40.4, जोधपुर में सामान्य से छह डिग्री सेल्सियस अधिकता के साथ 40.3 एवं जयपुर में सामान्य से छह डिग्री सेल्सियस अधिकता के साथ 40 डिग्री अधिकतम तापमान रहा। इसके अलावा अजमेर में अधिकत्तम तापमान सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस अधिकता के साथ 39.8, अलवर में सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस अधिकता के साथ 39.6, भीलवाड़ा में सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिकता के साथ 39.4, उदयपुर में सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिकता के साथ 38.4 डिग्री सेल्सियस अधिकत्तम तापमान दर्ज किया गया।

पेट्रोल, डीजल की कीमतों में वृद्धि के लिए ममता ने की केंद्र की आलोचना

एजेंसी

दार्जिलिंग। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार की जमकर आलोचना की।

केंद्र की आलोचना करते हुए सुश्री बनर्जी ने कहा, वे पेट्रोल, डीजल, गैस और मिट्टी तेल की कीमतें बढ़ा रहे हैं। कोई भी बंगाली से प्यार नहीं करता है। अशांति पैदा करके कीमतें बढ़ाना भूल जाओ। यह उनकी नीति है। दिल्ली में लड्डू मत खाओ। लड्डू दार्जिलिंग के लिए पर्याप्त है।

मुख्यमंत्री ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने हाल ही में चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के बाद ईंधन की कीमतों में वृद्धि की। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द दार्जिलिंग में गोरखालैंड प्रादेशिक प्रशासन (जीटीए) चुनाव होंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा शांति व्यवस्था भंग करने के लिए पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था बिगड़ाने के झूठे दावे कर रही है। उन्होंने कहा, भगवा पार्टी हमारे राज्य या उसके लोगों से प्यार नहीं करती है। उन्हें राज्य के विकास की चिंता भी नहीं है। वे चुनाव से पहले

आते हैं, बड़े वादे करते हैं फिर भूल जाते है और उन्हें कभी पूरा नहीं करते। यूक्रेन का जिक्र करते हुए सुश्री बनर्जी ने कहा, यूक्रेन से 16,000 छात्र स्वदेश लौट आए हैं। उनके लिए देश में पढ़ाई की व्यवस्था की जाए। राज्य को इसके लिए अनुमति दी जाए।

तृणमूल प्रमुख ने कहा, यूक्रेन से चार सौ छात्र बंगाल लौटे हैं। मैंने दिल्ली से कहा, इजाजत दो, हम उन्हें पढ़ाएंगे। केंद्र ने हाल ही में संसद में कहा है कि अनुमति नहीं दी जाएगी। अगर छात्रों के लिए कोई सहानुभूति है, तो यूक्रेन से लौटने वाले छात्रों को इस देश में अध्ययन करने की अनुमति दी जानी चाहिए। मैंने नहीं सोचा था कि युद्ध के बाद क्या होगा? मैंने कहा कि मैं कोई पैसा नहीं लूंगी। बस अनुमति दें।

बीरभूम जिले के रामपुरहाट के बोगतुई गांव में नौ लोगों की हत्या को राजनीतिक मुद्दा बनाये जाने की चर्चा करते हुए सुश्री बनर्जी ने कहा, भाजपा मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने और बंगाल को बदनाम करने के लिए इस तरह की घटनाओं पर जोर दे रही है।

मुख्यमंत्री ने यहां दार्जिलिंग में एक प्रशासनिक बैठक में कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, मैं दो-तीन महीने पहले कुर्सिओंग आयी थी और दार्जीलिंग दो साल बाद आई हूं।

बैठक में कई सड़कों और छात्रावासों का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, तीन लाख 70 हजार चाय बागानों कगे मजदूरों को नए घर मिले हैं। इसके अलावा 21 लाख विधवाओं को भत्ता दिया जा रहा है। दस लाख छात्रों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड दिए जाएंगे।

पर्वतीय इलाकों के लिए परियोजना के बारे में बात करते हुए सुश्री बनर्जी ने कहा, हमने पहाड़ियों में चाय बागानों के लिए एक सुंदर चाय परियोजना बनाई है। उन्होंने कहा, जिन चाय बागानों में घर नहीं हैं, मैं उनके लिए तीन लाख 60 हजार परिवारों के लिए घर बनाऊंगी। मैंने वह काम शुरू कर दिया है। जब मैं सत्ता में नहीं थी, तो चाय मजदूरों को रोजाना छह रुपये मिलते थे। अब यह बढ़कर 202 रुपये हो गया है। चाय बागान पहले बंद कर दिया जाता था, तो श्रमिकों को छह महीने बाद मदद मिलती थी। अब श्रमिकों को दो महीने में डेढ़ हजार रुपये मिलते हैं। उन्हें मुफ्त बिजली, पानी और स्वास्थ्य कार्ड मिलता है। चाय श्रमिकों को प्रति माह 35 किलो राशन दिया जाता है। यदि किसी को स्वास्थ्य भागीदार कार्ड नहीं मिला है, तो सरकार को आवेदन करें।

मुख्यमंत्री ने कहा, ढाई करोड़ लोगों को अब हेल्थ कार्ड का लाभ मिल रहा है। अब इलाज का खर्चा नहीं, ट्यूशन का भी खर्चा नहीं, 12वीं में मोबाइल है और नौवीं में छात्रों को साइकिलें दी जा रही हैं। दार्जिलिंग में पिछले 20 सालों में एक भी जमीन पट्टे पर नहीं दी गई है। कानूनी मुद्दे थे। हमने इसे सुलझा लिया। जो लोग पट्टे के लिए पात्र हैं उन्हें यह मिलेगा।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने पर्वतीय इलाकों में एक विश्वविद्यालय बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा, पर्वतीय क्षेत्र में एक पहाड़ी विश्वविद्यालय होगा। जादवपुर विश्वविद्यालय से इस संबंध में बातचीत चल रही है।

शार्ट न्यूज

दिल्ली में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

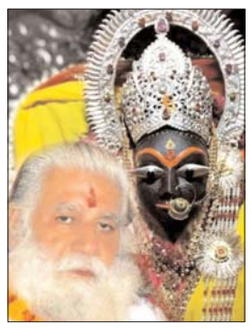

नई दिल्ली। माँ शारदा शक्ति पीठ मैंहर के प्रधान पुजारी परम पूज्य श्री श्री 108- से नौ देवी प्रसाद जी महाराज का दिल्ली आगमन पर भव्य भजन संध्या के कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर जय माँ शारदा के जीवन में महत्व को स्पष्ट करते हुए महाराज जी ने कहा कि जब मनुष्य के मन में गुस्सा अहंकार और लालच की भावना रहेगी तब तक ऐसे ज्ञानी व्यक्ति और मूर्ख व्यक्ति में कोई अंतर नहीं होगा ।उन्होंने आगे कहा कि किसी भी वस्तु पर विजय प्राप्त करने का सबसे उत्तम तरीक़ा ध्यान है ,इससे मन शांत और स्थिर होता है और केवल मन को ही पवित्रता का आभास होता है ।भक्तों को संबोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा कि इन्सान को अपने गुरु के प्रति भक्तिभाव होना चाहिए क्योंकि शिष्यको मुक्ति अपने गुरु पर अटूट विश्वास से ही मिलती है ।माँ शारदा के अवतार, महाराज जी के दर्शन पाने के लिए दूर दूर से श्रद्धालु आ रहे हैं !

नोएडा में सेना का अधिकारी बन महिला से ठगे 1.54 लाख रुपये

नोएडा। साइबर ठग ने खुद को सेना का अधिकारी बताकर एक महिला के खाते से 1.54 लाख रुपये निकाल लिये। जब महिला के मोबाइल पर मैसेज आया तो ठगी का पता चला। इस संबंध में पीड़िता ने सेक्टर 20 थाने में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। एडीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि कनिका गर्ग नाम की महिला ने शिकायत दी है कि वह सेक्टर 26 में परिवार के साथ रहती है। वह सेनेटरी की दुकान चलाती हैं। महिला का कहना है कि एक व्यक्ति ने उनके मोबाइल पर कॉल की। आरोपी ने खुद को सेना का अधिकारी बताया। उसने महिला की दुकान से सामान खरीदने की बात की। साथ ही आरोपी ने कहा कि वह सामान का भुगतान ऑनलाइन करेगा। इस पर आरोपी ने महिला के खाते में कुछ पैसे डाल दिए। फिर बाकी भुगतान करने के लिए एक लिंक भेजा। आरोपी ने महिला से कहा कि संबंधित लिंक पर क्लिक करते ही उनके खाते में पैसे आ जाएंगे। जैसे ही महिला ने संबंधित लिंक पर क्लिक किया तो उनका मोबाइल हैक हो गया। इसी बीच आरोपी ने उनके खाते से 1.54 लाख रुपये निकाल लिए। कुछ देर बाद महिला के मोबाइल पर मैसेज आया तो ठगी का पता चला। इसके बाद पुलिस को मामले की शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

निजी स्कूल पर कार्रवाई के लिए अभिभावकों ने किया विरोध प्रदर्शन

गुरुग्राम। डीएलएलएफ के फेस-2 में एक निजी स्कूल की मान्यता नहीं होने के विरोध में बच्चों के अभिभावकों ने विरोध प्रदर्शन किया। अभिभावकों का आरोप है कि जब स्कूल की मान्यता ही नहीं तो स्कूल संचालकों पर शिक्षा विभाग व जिला प्रशासन की तरफ से कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। अभिभावकों ने इसको लेकर जिला उपायुक्त से भी मुलाकात की। उपायुक्त ने जल्द ही मामले की जांच करवा स्कूल पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। अभिभावक प्रवीण गौड ने बताया कि डीएलएएफ सिटी फेस-2 में निजी स्कूल पिछले 13 साल से बिना अनुमति चल रहा है। आरटीआई की तहत मांगी गई सूचना के माध्यम से इस बात का खुलासा हुआ। इसको लेकर अभिभावकों ने काफी समय पहले जिला प्रशासन की इसकी शिकायता की थी मगर जिला प्रशाासन की तरफ से स्कूल पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस कारण उन्हें मजबूरन सड़कों पर उतरना पड़ा है।

8707 विद्यार्थी बोर्ड की देंगे परीक्षा, 144 धारा लागू

गुरुग्राम। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की बुधवार से बाहरवीं की परीक्षाएं शुरू हो रही है। परीक्षाओं के लिए सभी 66 केंद्रों पर मंगलवार को तैयारियां पूरी कर ली गई। बुधवार दोपहर साढ़े 12 बजे से परीक्षा शुरू होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र पर आधा घंटा पहले पहुंचना होगा। देरी से स्कूल में पहुंचने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं मिलेगा। वहीं जिला उपायुक्त ने मंगलवार को सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में धारा 144 लागू कर दी गई है। इसके अलावा केंद्र के आसपास फोटोस्टेट की दुकानें भी खोलने पर रोक रहेगी। बाहरवीं कक्षा में इस साल 8707 और दसवीं कक्षा के 12024 विद्यार्थी देगें। गुरुवार से दसवीं कक्षा की परीक्षा शुरू हो रही है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ.जगबीर सिंह ने बताया कि परीक्षा में नकल रोकने के लिए 372 फलाईंग स्कवैड परीक्षा केंद्रों पर लगातार निरीक्षण करेंगे। इनमें बोर्ड अध्यक्ष,बोर्ड उपाध्यक्ष, बोर्ड सचिव, संयुक्त सचिव, बोर्ड अध्यक्ष के विशेष उडऩदस्ते 69, बोर्ड उपाध्यक्ष के विशेष उडऩदस्ते-22, बोर्ड सचिव के विशेष उडऩदस्ते-22, जिला प्रश्न पत्र उडऩदस्ते-22, उप-मण्डल प्रश्न पत्न उडऩदस्ते-47 बनाए गए है। बोर्ड की तरफ से मुख्यालय,रोहतक,गुरुग्राम,अंबाला सहित अन्य जिलों में कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। परीक्षा के दौरान प्रतिदिन परीक्षार्थियों की गहनता से तलाशी ली जाएगी। परीक्षार्थियों के लिए विद्यालय यूनिफार्म के साथ विद्यालय पहचान-पत्र पहन कर आना अनिवार्य है। परीक्षार्थियों को प्रवेश-पत्र पर सत्यापित रंगीन फोटो लगानी अनिवार्य होगी। परीक्षा केंद्र में इलेक्ट्रोनिक सामान जैसे मोबाईल, केलकुलेटर आदि का प्रयोग वर्जित होगा। प्रवेश-पत्र पर प्रतिदिन परीक्षार्थी एवं पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर किये जाने अनिवार्य हैं, इसकी जांच भी उडऩदस्ते करेंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षाओं के दौरान केन्द्र अधीक्षक व ऑब्जर्वर को छोडक़र किसी भी परीक्षार्थी एवं केन्द्र पर नियुक्त स्टाफ के पास मोबाइल फोन वर्जित रहेगा।

कोरोना संक्रमित 35 नए मरीज मिले

गुरुग्राम। जिले में मंगलवार को कोरोना से संक्रमित 35 नए मरीज मिले। इसी के साथ संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 260817 पर पहुंच गई। राहत इस बात की रही कि बीते 24 घंटे में किसी भी संक्रमित मरीजों की मौत नहीं हुई। वहीं 18 मरीज मंगलवार को कोरोना को मात देकर स्वस्थ भी हो गए। इसी के साथ ठीक होने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 259579 हो गई। कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या जिले में अब 231 रह गई है। इनमें से 229 मरीज होम आइसोलेशन में हैं, जबकि दो का इलाज अस्पताल में चल रहा है। नए संक्रमित मरीजों की पहचान के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग का सघन जांच अभियान लगातार जारी है। कोरोना जांच के लिए मंगलवार को जिले में 3344 नमूने लिए गए। इनमें से 1141 नमूनों की जांच रैपिड एंटीजन टेस्ट से की गई। वहीं 2203 नमूने आरटीपीसीआर जांच के लिए एकत्रित किए गए। 1288 नमूनों की रिपोर्ट सरकारी लैब से आना अभी बाकी है।

ग्रीन कॉरिडोर बनाकर दिल्ली एयरपोर्ट तक पहुंचाया दिल और गुर्दा

गुरुग्राम। ट्रैफिक पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाकर दिल्ली एयरपोर्ट तक पहुंचाया दिल और गुर्दा। एयरपोर्ट से मानवीय अंग जयपुर और हैदराबाद भेजे गए। दोनों जगह के अस्पतालों में मानवीय अंगों का प्रत्यारोपण कर नई जिंदगी दी जाएगी। ग्रीन कॉरिडोर बनने से 19 किलोमीटर का सफर एंबुलेंस ने सिर्फ 13 मिनट में पूरा किया। जबकि आमतौर पर इस दूरी को पूरा करने 30 मिनट से ज्यादा का समय लगता है ।सेक्टर-51 स्थित आर्टेमिस अस्पताल ने मानवीय अंगों को दिल्ली एयरपोर्ट तक पहुंचाने के लिए गुरुग्राम पुलिस से संपर्क किया। उसके बाद पुलिस ने सोमवार दोपहर अस्पताल से लेकर गुरुग्राम-सरहौल बॉर्डर तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। अस्पताल से एक एंबुलेंस में मानवीय अंग गुर्दा और दूसरी एंबुलेंस में दिल को रखा गया। मानवीय अंगो को लेकर दोंनों एंबुलेंस बिना रूके अस्पताल से सरहोल बॉर्डर तक मात्र 13 मिनट में पहुंच गई। जबकि इस 19 किलोमीटर के सफर को तय करने में 30 मिनट से ज्यादा का समय लगता है। ग्रीन कॉरिडोर बनाने से पहले पूरे रूट पर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था,ताकि एंबुलेंस को रास्ते में रूकना नहीं पड़े। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मानवीय अंग एयरपोर्ट से जयपुर और हैदराबाद गए है। वहां पर दोनों लोगों को नई जिंदगी दी जाएगी।

देश को बेहतर बनाने के लिए अपनी आखिरी सांस तक मेहनत करता रहूंगा : केजरीवाल

आम आदमी पार्टी की विचारधारा के तीन स्तम्भ हैं, कट्टर देशभक्त, कट्टर ईमानदारी और इंसानियत

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में 'रोजगार बजट' पर आए प्रस्ताव पर सदन को संबोधित करते हुए कहा कि मेरे लिए मेरा भारत सबसे ऊपर है और अपने देश को बेहतर बनाने के लिए अपनी आखिरी सांस तक मेहनत करता रहूंगा। आम आदमी पार्टी की विचारधारा के तीन स्तम्भ हैं, कट्टर देशभक्त, कट्टर ईमानदारी और इंसानियत। इसीलिए हम रेडलाइट पर भीख मांगने वाले बच्चों के लिए 10 करोड़ रुपए में शानदार बोर्डिंग स्कूल बनाएंगे। हमने सरकारी अस्पतालों में सारा इलाज फ्री कर दिया। अब मेरी किसी बहन-बेटी को गरीबी की वजह से किसी का इलाज कराने के लिए अपने आपको बेचने की जरूरत नहीं पड़ेगी। 'घर-घर राशन योजना' को लागू करने के लिए मैं सबके पैर पड़ा, लेकिन इन लोगों ने करने नहीं दिया। उपर वाला है। एक खिड़की बंद करता है, तो दस खोल देता है। दिल्ली में न सही, पंजाब में लागू करके दिखाएंगे। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आजाद भारत के इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने 'रोजगार बजट' प्रस्तुत किया है। जब से 'रोजगार बजट' पेश हुआ, तब से दिल्ली ही नहीं, देश भर के युवा खुश हैं कि कम से कम देश की दिशा इस तरफ तो बढ़ी। अब पूरे देश को लग रहा है कि हो तो सकता है, 75 साल में इन्होंने किया नहीं। पंजाब के नतीजे आने के बाद से लोगों को लगने लगा है कि अब ईमानदारी और देशभक्ति की हवा धीरे-धीरे पूरे देश के अंदर बहेगी।

हर राजनीतिक पार्टी चुनाव के पहले रोजगार की बात करती हैं और जीतने के बाद कोई रोजगार की बात नहीं करता है

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में उपमुख्यमंत्री एवं वित्ती मंत्रीष सिसोदिया द्वारा लाए गए 'रोजगार बजट' के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदन को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा में जो बजट प्रस्तुत किया गया है, यह कोई मामूली डॉक्यूमेंट नहीं है। यह एक ऐतिहासिक बजट है। चाहे आप केंद्र सरकार ले लो या फिर कोई राज्य सरकार ले लो, आजाद भारत के इतिहास में पहली बार एक 'रोजगार बजट' प्रस्तुत किया गया। रोजगार की समस्या तो आजादी से ही है। 1947 में देश आजाद हुआ था। तभी से हमारे युवाओं की रोजगार की समस्या रही है। कभी कम, कभी ज्यादा रही है। लेकिन रोजगार एक ऐसा मुद्दा हुआ करता था, जिसकी चर्चा चुनावी सभाओं में होती थी। चुनाव के पहले होती थी। हर राजनीतिक पार्टी चुनाव के पहले कहती थी कि हम आएंगे, तो पांच लाख नौकरी दे देंगे, दस लाख नौकरी दे देंगे। चुनाव जीतने के बाद कोई रोजगार की बात नहीं करता है। उसके बाद फिर बंदरबांट होती है। आजाद भारत के इतिहास में पहली बार हो रहा है कि एक बजट केवल और केवल रोजगार के इर्द-गिर्द बनाया गया है और बच्चों को रोजगार देने और सबके घर में खुशहाली लाने के लिए बनाया गया है।

कुछ दिन पहले ही पंजाब में आम आदमी पार्टी की एक ईमानदार सरकार बनी और उसके नतीजे दस दिन में ही दिखने लगे

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले पंजाब में आम आदमी पार्टी की एक ईमानदार सरकार बनी और उनके नतीजे दस दिन में ही देखने को मिले कि पहली कुछ घोषणाओं में से एक घोषणा थी कि 25 हजार सरकारी नौकरियां निकाली गईं और एक महीने में उनकी भर्ती चालू हो जाएंगी। इसके बाद, पंजाब में 35 हजार कर्मचारियों को पक्का करने की घोषणा की गई। अब दिल्ली के अंदर आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा बजट लाया गया, जिसमें पांच साल में 20 लाख रोजगार देने का विधानसभा के अंदर हमारी प्रतिबद्धता है। 20 लाख नौकरियां देने का तो किसी ने चुनाव के पहले भी हिम्मत नहीं की थी। यहां तक कि बड़े राज्य उत्तर प्रदेश और बिहार, जहां पर बहुत ज्यादा जनसंख्या है, वहां पर भी राजनीतिक पार्टी चुनाव के पहले यह नहीं कहती हैं कि हमें वोट दो, हम 20 लाख नौकरियां दे देंगे। बजट जो प्रस्तुत किया गया है, उसमें पूरा विस्तार में खाका तैयार किया गया है कि किस तरह से अगले पांच साल के अंदर युवाओं के लिए 20 लाख रोजगार तैयार किए जाएंगे।

रोजगार बजट दिल्ली ही नहीं, पूरे देश के युवाओं को एक उम्मीद देता है कि अगर ईमानदारी से करें तो हो तो सकता है

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जबसे यह बजट प्रस्तुत किया गया है, तब से बहुत फोन आ रहे हैं और युवा बहुत खुश हैं। केवल दिल्ली ही नहीं, देश भर के युवा खुश हैं कि कम से कम देश की दिशा इस डायरेक्शन में तो आने लगी।

जैसे हम मोहल्ला क्लीनिक बनाते हैं, तो सारी राज्य सरकारें, चाहे वो अच्छे बनाएं या बुरे बनाएं, लेकिन मोहल्ला क्लीनिक की उनको बात करनी पड़ती है।

हम लोग स्कूल करते हैं, तो सारे लोग अच्छे करें या बुरे करें, लेकिन देश में चर्चा तो हो ही गई। हम बिजली मुफ्त करते हैं, तो अब देश में सारी पार्टियां जाकर चाहे हमकों कितनी भी गालियां दें, लेकिन उन्हें भी बिजली की बात तो करनी पड़ती है।

हर जगह कोई 100 यूनिट मुफ्त कर रहा है, तो कोई 50 यूनिट कर रहा है। अब जब हम लोगों ने दिल्ली के अंदर रोजगार की बात की है कि हम अगले पांच साल में 20 लाख रोजगार देंगे, तो दूसरी पार्टियों को भी देश भर में रोजगार की बात करनी पड़ेगी। यह बजट केवल दिल्ली के ही नहीं, पूरे देश के युवाओं को एक उम्मीद देता है कि हो तो सकता है। अगर ईमानदारी से करें तो कर सकते हैं।

दिल्ली विधानसभा पूरी तरह होगी पेपरलेसः सिसोदिया

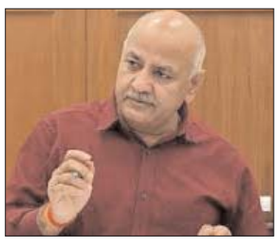

नयी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अब पूरी तरह पेपरलेस होगी और सदन में रखे जाने वाले सभी दस्तावेज केवल अब ई-पेपर के रूप में ही पटल पर रखे जायेंगे।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विधानसभा को पेपरलैस बनाना दिल्ली विधानसभा को स्मार्ट बनाने के दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही में रोजाना हजारों पेपर का इस्तेमाल होता है लेकिन हमारे इस प्रयास से सदन में न केवल पेपर की बचत होगी बल्कि सदन की दक्षता बढ़ने के साथ-साथ समय की भी बचत होगी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार के इस कदम से सालाना न केवल लाखों कागजों की बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी ये एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

दिल्ली विधानसभा को डिजिटल बनाने की इस मुहिम के तहत सभी 70 विधायकों को सरकार की ओर से टेबलेट दिए जाएंगे और विधायक सदन से जुड़े सभी दस्तावेजों को इस टेबलेट पर प्राप्त कर सकेंगे।

पैसिफिक मॉल, एनएसपी पीतमपुरा में महिलाओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली। पैसिफिक मॉल, एनएसपी पीतमपुरा में महिलाओं की स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ रूढ़ियों को दूर करने और पुरषों को संवेदनशील बनाने के लिए सचखंड फाउंडेशन और शेल्फईबुक के सहयोग से 'अज़िय्यत' नाम से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 600 से अधिक पुरुषों पर कृत्रिम रूप से मशीन का उपयोग कर त्वचा की सतह पर विद्युत आवेग भेजे गए जिससे पुरुषों को मासिक धर्म के दर्द का अनुभव हुआ। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं के दर्द के बारे में लोगो बताना था। और यह बी बताना था की किस तरह वो इस परेशानी के समय में कार्य स्थल पर एक पेशेवर के तौर पर कार्य करती हैं।

कृत्रिम अवधि दर्द सिम्युलेटर का अनुभव 10 सेकंड से 30 सेकंड तक चला। एहतियाती उद्देश्यों के लिए पुरुषों द्वारा हस्ताक्षरित सहमति प्रपत्रों के बाद पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित रूप से निष्पादित किया गया। इस कार्यक्रम ने मनोरंजन का भी ध्यान रखा, सभी प्रतिभागियों के लिए एक पारंपरिक नुक्कड़ नाटक, ऊर्जावान भांगड़ा फ्लैशमॉब, शानदार नृत्य और संगीतमय लाइव गायन का प्रदर्शन किया गया।

पैसिफिक ग्रुप के कार्यकारी निदेशक, अभिषेक बंसल ने कहा, अज़िय्यत एक सामाजिक जागरूकता विषय पर आधारित था, जो मासिक धर्म से सन्दर्भ में एक गंभीर सामाजिक रूढ़ीता और उसके दर्द को रेखांकित करता है। यह आयोजन सांस्कृतिक और सामाजिक रूढ़िवादिता को तोड़ने और लोगों को इस बात से अवगत कराने के लिए था कि मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को क्या सामना करना पड़ता है।

मैं इस आयोजन को सफल बनाने के लिए आयोजन टीम और प्रतिभागियों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

तीन लोन लेकर महिला ने बैंक को लगाई 50 लाख की चपत

गाजियाबाद। महिला ने विभिन्न कार्यों के लिए तीन लोन लेकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को 50 लाख की चपत लगा दी। महिला ने अलग-अलग अवधि में बैंक की नवयुग मार्केट शाखा से करीब 70 लाख के तीन लोन लिए थे। बाद में तीनों लोन अकाउंट एनपीए हो गए तथा महिला द्वारा लगाए गए दस्तावेजों में भी फर्जीवाड़ा निकला। जिसके बाद एसबीआई के जनरल मैनेजर ने महिला के खिलाफ नगर कोतवाली में धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के जीएम विवेक कुमार ने द्वारा दर्ज कराई शिकायत में कहा है कि किरन जैन नाम की महिला ने सितंबर 2011 में गाजियाबाद के रामपुरी में एक संपत्ति खरीदने के लिए बैंक से 20 लाख का लोन लिया था। इसके बाद महिला ने उसी अवधि में जनरेटर लगाने के लिए बैंक से पांच लाख का लोन लिया। महिला लोन की किश्तें भरती रहीं तथा दिसंबर 2013 में राजनगर एक्सटेंशन स्थित रेड एप्पल सोसाइटी में संपत्ति खरीदने के लिए 44.50 लाख का लोन लिया। जनरल मैनेजर का आरोप है कि किरन जैन ने जिस काम के लिए लोन लिया था, पैसा उस काम में नहीं लगाया। बीस लाख का लोन उन्होंने दुकान खरीदने के लिए लिया था, लेकिन मौके पर दुकान नहीं बनाई। महिला ने मौके पर जो निर्माण कराया था, उसे भी जीडीए ने सील कर दिया। आरोप है कि महिला के तीनों लोन का करीब 50 लाख रुपये अभी बकाया है, जिसे जमा नहीं कराया गया।

बैंक अधिकारियों से मिलीभगत का आरोप

बैंक के जीएम का आरोप है कि किरन जैन ने फर्जी इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करके बैंक से लोन लिया और उसे नहीं चुकाया। ऐसा बैंक अधिकारियों से मिलीभगत करके ही हो सकता है। महिला के दोनों खाते एनपीए होने तथा लोन के बकाया 50 लाख रुपये न मिलने पर जीएम ने नगर कोतवाली में तहरीर दी। नगर कोतवाल अमित कुमार खारी का कहना है कि किरन जैन के खिलाफ धोखाधड़ी व अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। विवेचना में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

जिले में 83 केंद्रों पर आज से शुरू होगी बोर्ड परीक्षा

फरीदाबाद। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की सीनियर सेकेंडरी कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं बुधवार से शुरू हो जाएंगी। परीक्षा में जिले के करीब 14 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। इसके लिए जिले में कुल 83 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा नकल रहित हो इसके लिए बोर्ड की ओर से जारी निर्देशानुसार जिला स्तर पर कड़ें इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर स्थानीय टीमों के साथ ही बोर्ड की ओर से भी विभिन्न उड़न दस्ते पैनी नजर रखेंगे ।बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. जगबीर सिंह ने कहा कि प्रदेश नें 30 मार्च से सीनियर सेकेंडरी और 31 मार्च से सेकेंडरी की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। जोकि 27 अप्रैल तक चलेंगी। इन परीक्षाओं में प्रदेशभर में 1547 परीक्षा केन्द्रों पर करीब 6,68,589 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

हिंदी विषय की होगी पहली परीक्षाजारी डेटशीट के मुताबिक सीनियर सेकेंडरी के छात्र पहली परीक्षा हिंदी विषय की देंगे। परीक्षा का आयोजनन दोपहर की पाली में 12:30 से तीन बजे तक किया जाएगा।

जमीन संबंधी मामले में यूपीसीडा के महानिदेशक को 3 साल कैद की सजा, 10 हजार रुपये जुर्माना

एजेंसी

नोएडा। जमीन संबंधी एक मामले की सुनवाई के बाद नोएडा जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के महानिदेशक को तीन साल के कारावास की सजा सुनाई है और उन पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

हालांकि, उपभोक्ता आयोग ने यूपीसीडा के महानिदेशक को 15 दिन का समय दिया है। इस अवधि में आदेश का पालन नहीं करने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल राजेश कुमार यूपीसीडा के महानिदेशक हैं। उपभोक्ता आयोग के मुताबिक, आदेश 23 मार्च से 15 दिन बाद लागू होगा। इस बीच, यूपीसीडा आवंटी को प्लॉट आवंटित किए जाने पर सजा का आदेश लागू नहीं होगा। यूपीसीडा को आदेश का पालन कर इसकी सूचना उपभोक्ता आयोग और संबंधित पुलिस थाना को देनी होगी। ऐसा नहीं करने पर आयोग की तरफ से संबंधित पुलिस थाना को गिरफ्तारी का वारंट जारी किया जाएगा।

उपभोक्ता आयोग ने 2008 में आवंटी को प्लॉट पर कब्जा देने का आदेश दिया था, जिसे यूपीसीडा की तरफ से अब तक लागू नहीं किया गया है।

दिल्ली के पीतमपुरा निवासी सुंदरपाल ने 1997 में यूपीसीडा के नोएडा सेक्टर साइट-5 में 450 वर्गमीटर का औद्योगिक प्लॉट खरीदा था। सुंदरपाल ने आयोग को बताया कि पूरा भुगतान करने के बाद उसी साल प्लॉट पर कब्जा ले लिया था, लेकिन बीमारी के कारण वह जमीन पर निर्माण नहीं करा सके। कुछ समय बाद सुंदरपाल ने यूपीसीडा में आवेदन कर समय विस्तार मांगा था, जिसका यूपीसीडा ने जवाब नहीं दिया। इसके बाद 2002 में यूपीसीडा ने इस प्लॉट के आवंटन को निरस्त कर दिया और सुनवाई का मौका भी नहीं दिया।

सुंदरपाल ने जिला उपभोक्ता आयोग से प्लॉट दिलवाने की अपील की। दोनों पक्ष की सुनवाई के बाद उपभोक्ता आयोग ने तीन जनवरी 2008 को आदेश जारी कर यूपीसीडा को दो माह के अंदर आवंटी के प्लॉट को फिर से आवंटित कर कब्जा देने को कहा। आदेश में कहा गया था कि अगर मूल प्लॉट किसी और को आवंटित कर दिया गया है तो वैकल्पिक प्लॉट पूर्व शर्तों पर देना होगा। इसके अलावा कब्जा देने तक जमा धनराशि का ब्याज भी देना होगा।

इस पर यूपीसीडा ने जिला उपभोक्ता आयोग के आदेश को राज्य उपभोक्ता आयोग में चुनौती दी। जून, 2008 में राज्य उपभोक्ता आयोग ने यूपीसीडा की अपील खारिज कर दी, जिसके बाद यूपीसीडा राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग पहुंचा। अप्रैल, 2009 में राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने भी अपील खारिज कर दी।

दिल्ली में 40 करोड़ रुपये से अधिक की हेरोइन पकड़ी

अंतर्राष्ट्रीय ड्रग कार्टेल के 2 सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स स्मगलिंग गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर करीब 10 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इस हेरोइन की कीमत 40 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। गिरफ्तार दोनों तस्करों से पूछताछ में पता चला है कि ये एक बड़े अंतर्राष्ट्रीय गैंग के सदस्य हैं और पिछले 5 साल से दिल्ली-एनसीआर और यूपी के कुछ हिस्सों में नशीली दवाओं की तस्करी में लिप्त थे। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जसमीत सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के रहने वाले नजीर उर्फ नाजिम और दिनेश सिंह के रूप में हुई है।

इनके कब्जे से बरामद हेरोइन को म्यांमार से मणिपुर के रास्ते भारत लाया गया था। इन तस्करों के पास से एक कार भी बरामद की गई है, जिसमें छुपाने और नशीले पदार्थों के लाने के लिए एक गुप्त जगह बनाई गई है।

डीसीपी ने कहा कि नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट की उपयुक्त धाराओं के तहत थाना स्पेशल सेल में मामला दर्ज किया गया था। सिंह के अनुसार, 24 मार्च, 2022 को स्पेशल सेल को विशेष सूचना मिली थी कि इस गैंग के दो सदस्य झारखंड से हेरोइन की एक बड़ी खेप लेकर आईएसबीटी सराय काले खां में अपने एक संपर्क को हेरोइन की सप्लाई करने के लिए दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे टी प्वाइंट पर आएंगे।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए ड्रग सप्लायर्स ने पूछताछ में खुलासा किया है कि ये एक बड़े अंतर्राष्ट्रीय नारकोटिक ड्रग कार्टेल के सदस्य हैं।

इन दोनों ने पिछले पांच सालों से दिल्ली-एनसीआर और यूपी के कुछ हिस्सों में नशीली दवाओं की आपूर्ति में लिप्त होने का खुलासा किया है।

उन्होंने झारखंड के चतरा जिले के एक व्यक्ति से यह हेरोइन खरीदी थी और उन्हें दिल्ली में एक व्यक्ति को छह किलोग्राम हेरोइन और उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक व्यक्ति को शेष चार किलोग्राम पहुंचानी थी। उन्होंने आगे खुलासा किया कि उनके हेरोइन सप्लायर्स के म्यांमार और मणिपुर में संबंध हैं।

डीसीपी सिंह ने कहा कि म्यांमार से मणिपुर में लाई गई अधिकांश हेरोइन को असम और अरुणाचल प्रदेश के आस-पास के राज्यों में भेजा जाता है और फिर वहां से दिल्ली सहित देश के अन्य हिस्सों में प्रतिबंधित पदार्थों का परिवहन किया जाता है।

डीसीपी ने कहा कि इस मामले की जांच के दौरान यह पता चला है कि झारखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और मणिपुर के उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में अवैध रूप से खेती की गई अफीम से हेरोइन बनाई जाती है।

गिरफ्तार किए गए नशीली दवाओं के तस्करों ने आगे खुलासा किया है कि वे झारखंड के दवा निर्माता और सप्लायर्स से भी हेरोइन खरीदते थे।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दूसरे दिन भी हरियाणा में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रभावित

चंडीगढ़। केन्द्रीय श्रमिक संगठनों के एक संयुक्त मंच द्वारा आहुत दो दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दूसरे दिन भी हरियाणा में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रभावित रहीं। हरियाणा रोडवेज के कई डिपो पर बस सेवाएं निलंबित रहीं। रोडवेज कर्मचारियों ने दूसरे दिन भी हड़ताल के तहत राज्य के कई डिपो पर प्रदर्शन किया।

गुरुग्राम में केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में दो दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दूसरे दिन मंगलवार को गुरुग्राम नगर निगम कर्मचारी काले झंडे लेकर सिविल लाइन स्थित पुराने नगर निगम कार्यालय से बस स्टैंड तक रैली निकाली। वहीं, फरीदाबाद के बल्लभगढ़ बस अड्डे पर हड़ताल के दौरान रोडवेज

कर्मचारी प्रदर्शन करते हुए नजर आए। रोडवेज कर्मचारियों के 10 संगठनों के संयुक्त मोर्चा के नेता सरबत सिंह पुनिया ने मंगलवार को कहा कि बस सेवाएं निलंबित हैं और हम पूरी तरह से हड़ताल पर हैं। सिरसा डिपो में रोडवेज कर्मचारियों के धरने में शामिल हुए पुनिया ने कहा कि बुधवार को सुबह से सेवाएं सामान्य हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और नगर निकायों सहित कुछ अन्य विभागों के कर्मचारी भी दूसरे दिन देशव्यापी हड़ताल में शामिल हुए हैं। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसी राज्य पंजाब में सार्वजनिक परिवहन की बसें सामान्य रूप से चल रही हैं। हालांकि, दोनों राज्यों में सार्वजनिक क्षेत्र की कुछ बैंक शाखाओं में सेवाएं प्रभावित हुईं।

गौरतलब है कि सरकार की जन विरोधी आर्थिक नीतियों तथा श्रमिक विरोधी नीतियों के विरोध में केन्द्रीय श्रमिक संगठनों के संयुक्त मंच और विभिन्न क्षेत्रों के स्वतंत्र श्रमिक संगठनों ने दो दिन की हड़ताल का आह्वान किया है।

संपादकीय

समान नागरिक संहिता की शुरुआत देवभूमि उत्तराखण्ड से होना सुखद संकेत

समान नागरिक आचार संहिता का मुद्दा आज एक बार फिर चर्चा में है। दरअसल यह मुद्दा आज का नहीं है, यह अंग्रेजों के जमाने से चला आ रहा है। इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी के नजरिये से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित में चिन्तन, निर्णय एवं क्रियान्वयन की अपेक्षा है। भले ही भाजपा के लिये यह चुनावी मुद्दा रहा हो, लेकिन इसको लागू करने की अपेक्षा सभी जाति, धर्म, वर्ग, भाषा के लोगों के हित में है। हां, इसे लागू करने का साहस एवं दूरदर्शिता भाजपा और उसके नेता प्रदर्शित कर रहे हैं, यह स्वागतयोग्य है। इसे मजहब या साम्प्रदायिकता की राजनीति से ऊपर उठ कर पूरे देश की सामाजिक समरसता के नजरिये से देखा जाना चाहिए। संवैधानिक दृष्टि से भी यह फैसला बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है क्योंकि भारत का संविधान धर्म या जाति-बिरादरी अथवा स्त्री-पुरुष या क्षेत्रीय पहचान की परवाह किये बिना प्रत्येक नागरिक को एक समान अधिकार देता है। उत्तराखंड के पुन: मुख्यमन्त्री बने पुष्कर सिंह धामी ने जिस तरह राज्य में एक समान नागरिक आचार संहिता को लागू करने के अपनी पार्टी भाजपा के चुनावी फैसले को लागू करने का इरादा जाहिर किया है उसका देश के सभी राज्यों में बिना आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के स्वागत किया जाना चाहिए।

भारत विविधताओं से भरा देश है। यहाँ विभिन्न पंथों व पूजा पद्धतियों को मानने वाले लोग रहते हैं। इन सबके शादी करने, बच्चा गोद लेने, जायदाद का बंटवारा करने, तलाक देने व तलाक उपरांत तलाकशुदा महिला के जीवनयापन हेतु गुजारा भत्ता देने आदि के लिए अपने-अपने धर्मानुसार नियम, कायदे व कानून हैं। इन्हीं नियमों, कायदे व कानूनों को पर्सनल लॉ कहते हैं। अंग्रेज जब भारत आए और उन्होंने यह विविधता देखी, तो उस समय उन्हें लगा पूरे देश को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक समान नागरिक आचार संहिता बनानी आवश्यक है। जब उन्होंने ऐसा करने की कोशिश की तो हर धर्मों के लोगों ने इसका विरोध किया। ऐसे में उन्होंने लम्बे समय तक यहाँ अपने पांव जमाये रखने के लिए किसी से उलझना ठीक नहीं समझा। इन परिस्थितियों में 1860 में उन्होंने इंडियन पैनल कोड तो लागू किया पर इंडियन सिविल कोड नहीं। यानि एक देश-एक दंड संहिता तो लागू की, लेकिन एक देश-एक नागरिक संहिता लागू करने का जिम्मेदारी एवं साहसपूर्ण काम नहीं किया। उसके बाद बनी सरकारों ने तो अंग्रेजों की सोच एवं नीतियों का ही अनुसरण किया, इसलिये उन्होंने भी अपने राजनीतिक हितों के लिये इसे लागू नहीं किया। जबसे नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं उन्होंने साहसिक निर्णय लेते हुए राष्ट्र को नया उजाला एवं सांसें दी हैं। भले ही वह कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने का साहसिक एवं सूझबूझ भरा निर्णय हो या तीन तलाक का मुद्दा।

कांग्रेस सरकारों ने हिन्दू एवं अन्य धर्मों को कमजोर करने एवं मुस्लिमों को संख्याबहुल बनाने के लिये अपने हित को सर्वोपरि माना। अपनी इन्हीं गलत नीतियों एवं संकीर्ण राजनीति के कारण कांग्रेस लगातार कमजोर होते होते अब एकदम रसातल में जा चुकी है। आजादी के बाद जिस तरह मुस्लिम सम्प्रदाय के लोगों को उनकी मजहब की पहचान के आधार पर उनके धार्मिक कानूनों को मान्यता देने का प्रावधान किया गया वह देश की आन्तरिक एकता व समरसता में व्यवधान पैदा करने वाला था। सभी मत-मजहब वालों के लिए तलाक, गुजारा भत्ता, उत्तराधिकार, विवाह की आयु, बच्चों को गोद लेने और विरासत संबंधी नियम एक समान बनाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यदि इन सभी मामलों में एक जैसे नियम बन जाते हैं तो समान नागरिक संहिता का उद्देश्य पूरा हो जाएगा। इसकी शुभ शुरुआत देवभूमि से हो रही है, यह सुखद संकेत है।

तथ्य यह भी है कि गोवा में समान नागरिक संहिता पहले से ही लागू है और वहां सभी समुदायों के लोग रहते हैं। आखिर जो व्यवस्था गोवा में बिना किसी बाधा के लागू है, वह शेष देश में क्यों नहीं लागू हो सकती ? प्रश्न यह भी है कि जब अन्य कई लोकतांत्रिक देशों में तुर्की, सूडान, इंडोनेशिया, मलेशिया, बांग्लादेश, इजिप्ट और पाकिस्तान में समान नागरिक संहिता लागू है तो भारत में उसका विरोध क्यों होता है ?

पश्चिम बंगाल विधानसभा में हिंसा के दाग

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच हाथापाई और नेता प्रतिपक्ष समेत पांच भाजपा विधायकों के निलंबन की घटना एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र को शर्मसार कर गई। भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, इसको सशक्त बनाने की बात सभी राजनैतिक दल करते हैं, सभी ऊंचे मूल्यों को स्थापित करने की, आदर्श की बातों के साथ आते हैं पर सत्ता-संचालन एवं विधायी कार्रवाही में सारी मर्यादाओं एवं लोकतांत्रिक मूल्यों पर ताक पर रखकर एक ही संस्कृति-हिंसा एवं अराजकता की संस्कृति को अपना लेते हैं। पश्चिम बंगाल के विधानसभा में हिंसा का जो तांडव हुआ उससे न केवल भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को गहरा आघात लगा है, बल्कि आमजनता को भी भारी हैरानी हुई है। पश्चिम बंगाल में न केवल सार्वजनिक जीवन में बल्कि सदन में हो रही हिंसा की घटनाएं गहन चिन्ता का विषय है। डर, भय, खौफ एवं हिंसा की बुनियाद पर शासन की पद्धति चिन्ताजनक है। यह सब लोकतांत्रिक एवं अभिव्यक्ति की सर्वोच्च प्रक्रिया की गरिमा और महत्ता को समाप्त करने का प्रयास है।

बीरभूम की हिंसा को लेकर नाराज विपक्ष मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी कर रहा था, क्योंकि उनके पास गृह मंत्रालय भी है। इसी दौरान सत्ता पक्ष के विधायक भी आक्रामक हो उठे और यह अशोभनीय घटना घट गई। यह सिर्फ पश्चिम बंगाल विधानसभा की बात नहीं है, देश की लगभग तमाम विधायी संस्थाओं में हर कुछ अंतराल पर ऐसे अशोभनीय दृश्य उपस्थित होने लगे हैं और इस तरह लोकतंत्र को तार-तार करने की घटनाओं को लेकर तमाम भारतीयों का चिन्तीत होना भी स्वाभाविक है। आखिर बीरभूम की जिस भयावह घटना ने सारे देश को झकझोर दिया हो, उस पर विधानसभा में चर्चा क्यों नहीं होनी चाहिए थी ? इससे विडम्बनापूर्ण बात और कोई नहीं कि सत्तापक्ष के सदस्यों ने न केवल चर्चा से इन्कार किया, बल्कि चर्चा की मांग कर रहे भाजपा विधायकों से मारपीट भी की, इन शर्मनाक दृश्यों को टीवी चैनलों पर समूचे देश ने देखा। आम तौर पर विधानसभाओं में हंगामा, धक्कामुक्की और मारपीट करने का आरोप विपक्ष पर लगता है, लेकिन बंगाल विधानसभा में इस आरोप के दायरे में सत्तापक्ष के सदस्य भी हैं। यह बात और है कि इस हिंसा के लिए केवल भाजपा विधायकों को जिम्मेदार माना गया और उनमें से पांच को साल भर के लिए निलंबित भी कर दिया गया। ऐसी घटनाएं केवल लोकतंत्र को शर्मिंदा ही नहीं करतीं बल्कि राजनीतिक दलों के बीच कटुता एवं द्वेष भी बढ़ाती हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि बंगाल का राजनीतिक वातावरण लगातार विषाक्त एवं विसंगतिपूर्ण होता जा रहा है। वास्तव में इसी कारण वहां राजनीतिक हिंसा का सिलसिला थम नहीं रहा है।

विधानसभा में जो अनहोनी घटी, उसका कारण ममता और उनके दल के विधायक हैं। क्योंकि ममता सरकार यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह इस घटना की सीबीआइ जांच भी नहीं चाह रही थी। जब कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह कहते हुए एक तरह से उसे धमकी दे दी कि अगर जांच सही तरीके से नहीं की गई तो वह सड़कों पर उतरेंगी। यह दादागिरी ही नहीं, बल्कि हिंसक मानसिकता है। प्रश्न है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय को बंगाल पुलिस पर भरोसा होता तो वह घटना की जांच सीबीआइ के हवाले करता ही क्यों ? उसका भरोसा टूटने का कारण विधानसभा चुनावों के बाद हुई भीषण हिंसा में बंगाल पुलिस ने उस दौरान हिंसक तत्वों की घोर अनदेखी एवं पक्षपात किया था। यह अनदेखी बीरभूम की घटना के मामले में भी देखने को मिल रही और कोई भी समझ सकता है कि इसी कारण तृणमूल कांग्रेस यह नहीं चाह रही थी कि विधानसभा में इस विषय पर चर्चा हो। अपने अक्षम्य अपराधों को ढ़कने की इन कुचेष्टाओं पर आखिर नियंत्रण कैसे स्थापित होगा।

सत्ता पक्ष की नाकामियों एवं त्रासद स्थितियों पर रचनात्मक आलोचना ही लोकतंत्र की जीवंतता का द्योतक है। यह किसी भी विपक्ष का पहला सांविधानिक दायित्व है और पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाजपा विधायकों को यह अधिकार है कि वे किसी शासकीय चूक पर, प्रशासनिक लापरवाही पर सरकार से जवाब-तलब करें। स्वस्थ चर्चा एवं आलोचना क्यों हिंसा का कारण बन जाती है ? इस तरह की हिंसा का वातावरण बनना भारतीय लोकतंत्र के आगे सबसे गंभीर चुनौती है। विडंबना यह है कि हमारे जन-प्रतिनिधियों के लिये लोकतांत्रिक प्रशिक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसा प्रशिक्षण सदस्यों को संसदीय कार्यों की बारीकियां ही नहीं सिखाते, बल्कि सदन के भीतर आचरण के विभिन्न पहलुओं से भी अवगत कराते हैं। इतना ही नहीं, सदनों के भीतर संसदीय दल के नेताओं ने भी अभिभावकीय भूमिका छोड़ दी है। इसलिए शाब्दिक तकरार शारीरिक दुर्व्यवहार तक पहुंचने लगी है। इन सबसे जनता की नजरों में जन-प्रतिनिधियों की प्रतिष्ठा को कितनी चोट पहुंच चुकी है, इसे बार-बार दर्ज कराने की भी आवश्यकता नहीं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ममता के विधायकों ने विधानसभा में खून का खेल खेला है, अपनी सत्ता एवं अधिकारों का जमकर दुरुपयोग किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा की ताजा हिंसक घटना ने एक बार फिर देश के तमाम राजनीतिक दलों को यह बात याद दिलायी है कि सफल एवं आदर्श लोकतंत्र वही है जिसमें सिर्फ शोर-गुल, हाथापायी एवं मारपीट से नहीं, कहकहों, गले मिलकर, शांति-सौहार्दपूर्ण वातावरण में विधायी कार्रवाही संचालित हो। साफ है, सत्ता और विपक्ष जब तक एक-दूसरे को विश्वास में नहीं लेंगे, बदले की भावना एवं संकीर्णताएं नहीं छोड़ेंगे तब तक पश्चिम बंगाल विधानसभा जैसी अप्रिय एवं त्रासद स्थितियां पैदा होती रहेंगी और इससे भारतीय लोकतंत्र बार-बार लहूलुहान होता रहेगा।

विधानसभा हो या फिर लोकसभा हो, व्यापक हिंसा एवं अराजकता होती रही है, लेकिन जिस तरह पश्चिम बंगाल की वर्तमान सरकार ने विधानसभा में गुंडागर्दी को संरक्षण दिया उसकी उम्मीद ममता बनर्जी से नहीं की जा सकती थी। क्योंकि यही ममता बनर्जी विपक्ष में रहते हुए वामपंथी शासन पर हिंसा करने के आरोप लगाते नहीं थकती थीं, अब वैसी ही हिंसा उनके शासन में भी हुई है। जो इन बुराइयों एवं हिंसा के खूनी खेल को लोकतांत्रिक व्यवस्था की कमजोरियां बताते हैं, वे भयंकर भ्रम में हैं। बुराई हमारे चरित्र में है इसलिए व्यवस्था बुरी है।

हमारा रूपांतरण होगा तो व्यवस्था का तंत्र सुधरेगा, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। इसलिए बेहतर होगा कि जिम्मेदार राजनीतिक पार्टियां लोकतंत्र को शुद्ध सांसें देने की पहल करें, अपने विधायकों, कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को लोकतंत्र एवं अहिंसा का प्रशिक्षण दे। चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाले संगठन द एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की चुनाव-दर-चुनाव रिपोर्ट बता रही है कि निर्वाचित सदनों का चरित्र क्यों बदल रहा है? क्यों हिंसक एवं अराजक हो रहा है? क्योंकि विधानसभाओं में दागी विधायकों की तादाद पचास प्रतिशत तक पहुंचने लगी है। ऐसे में, कैसे अपेक्षा की जा सकती है कि वहां मर्यादाएं एवं अनुशासन बहाल रहेगा ?

इन स्थितियों से गुरजते हुए, विश्व का अव्वल दर्जे का कहलाने वाला भारतीय लोकतंत्र आज अराजकता के चौराहे पर है। जहां से जाने वाला कोई भी रास्ता निष्कंटक नहीं दिखाई देता। इसे चौराहे पर खड़े करने का दोष जितना जनता का है उससे कई गुना अधिक राजनैतिक दलों व नेताओं का है जिन्होंने निजी व दलों के स्वार्थों की पूर्ति को माध्यम बनाकर इसे बहुत कमजोर कर दिया है। आज ये दल, ये लोग इसे दलदल से निकालने की क्षमता खो बैठे हैं। जब एक अकेले व्यक्ति का जीवन भी मूल्यों के बिना नहीं बन सकता, तब एक राष्ट्र एवं प्रांत मूल्यहीनता में कैसे शक्तिशाली बन सकता है ? अनुशासन के बिना एक परिवार एक दिन भी व्यवस्थित और संगठित नहीं रह सकता तब संगठित देश एवं प्रांत की कल्पना अनुशासन के बिना कैसे की जा सकती है ? हिंसा की संस्कृति भारत के लोकतंत्र की जड़ों में गहरी पैठती जा रही है। जब तक राजनीतिक दल बाहुबलियों और असामाजिक तत्वों को अपने से अलग नहीं करते तब तक लोगों का खून बहता ही रहेगा। बिना विचारों के दर्शन और शब्दों का जाल बुने यही कहना है कि लोकतंत्र के इस सुन्दर नाजुक वृक्ष को अहिंसा की माटी, नैतिकता का पानी और अनुशासन की ऑक्सीजन चाहिए।

राजनीतिक रंगमंच के रंगबाज

वर्तमान लोकतंत्र को आधुनिक काल में शासन के सर्वश्रेष्ठ विकल्प के रूप में देखा जा रहा है किंतु लोकतंत्रिय विचारों का इतिहास इतना ही पुराना है जितना कि राजनीतिक विवादों का इतिहास। इसी लोकतंत्रिय प्रणाली में एक विशिष्ट वर्ग को राजनिती के रंगमंच पर देखा जा रहा है जिसे पावर डिलीट क्लास कहा जाता है। यही पावर इलीट वर्ग जिसे अभिजन वादी वर्ग भी कहा जाता है लोमड़ी स्वभाव वाले अवसरवादी होते हैं कि कब हम शासक वर्ग को उखाड़ कर सत्तासीन हो जाए। सरकार और अभिजन वर्ग के मध्य आंतरिक द्वंद चलता रहता है जिसे हम अभिजन वर्ग का उत्थान और पतन का सकते हैं क्योंकि अभिजन वर्ग का राजनीतिक इतिहास कुलीन वर्गों का कब्रिस्तान होता है।

बहुत-बहुत धन्यवाद आपका पेसकर साहब। आपने मेरी फाइल को दाखिल दफ्तर करवा दिया। लोकतंत्र के राजनीतिक इतिहास में इसी को अभिजन वर्ग के संचरण का सिद्धांत भी कहते हैं। यही अभिजन वर्ग पूरी शासन सत्ता को अपनी उंगलियों पर नचाते हैं एक नेता उद्यमी की तरह भी होता है जिस तरह से एक उद्यमी आकर्षक विज्ञापनों के जरिए अपने अपने सामानों को भेजता है उसी तरह एक नेता अपनी आकर्षक नीतियों के विज्ञापन द्वारा जन समर्थन हासिल करने की कोशिश करता है कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि अभिजन वर्ग जिसे हम विशिष्ट वर्ग कहते हैं जनता को मूर्ख बनाकर उस पर शासन करने में सफल हो जाता है।

इसकी आलोचना करते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व दिवंगत राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने लिखा है कि आप संपूर्ण जनता को कुछ देर के लिए मूर्ख बना सकते हैं कुछ जनता को हमेशा के लिए मूर्ख बना सकते हैं लेकिन संपूर्ण जनता को सदैव के लिए मूर्ख नहीं बना सकते।

वैसे तो लोकतंत्र के अभिजन वर्ग ने जनमानस को माननीय आकांक्षा से नीचे गिरा कर बाजार की कृपा पर छोड़ दिया है। इस अभिजन वर्ग के अलावा राजनैतिक रंगमंच के खिलाड़ियों के क्रम में बहुल वादियों का भी विशिष्ट स्थान है जिसे ग्रुप थिअरी कहा जाता है। लोकतंत्र के राजनीतिक इतिहास में बहुलवादी राजनीति के असली खिलाड़ी होते हैं अभिजन वर्ग को इस खेल का रेफरी मात्र कहा जाता है यह समूह शासन सत्ता पर दबाव डालकर अभिजन वर्ग से अपने हित में नीतियों का निर्माण करा लेता है।

वैसे तो राजनैतिक रंगमंच का असली रंगबाज कौन है यह किसी से छुपा हुआ नहीं है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्रिक देश के लिए सहभागिता मूलक लोकतंत्र का होना अति आवश्यक है क्योंकि समाज के अंतिम व्यक्ति को भी सत्ता में भागीदारी मिलनी चाहिए इसी विकेंद्रीकरण को हम सहभागिता मूलक लोकतंत्र कहते हैं जिसकी भारत में नितांत आवश्यकता है।

स्वतंत्र स्तंभकार
सत्य प्रकाश सिंह
केसर विद्यापीठ इंटर कॉलेज
प्रयागराज उत्तर प्रदेश

अल्पसंख्यकवाद की अवधारणा खतरनाक है, इसे देश से खत्म कर देना चाहिए

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

महाराष्ट्र और कर्नाटक ने संविधान के ढीले-ढाले प्रावधानों का सहारा लेकर मज़हबी और भाषाई आधार पर अपने नागरिकों को बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक वर्गों में बांट रखा है। हमारी केंद्र सरकार ने उक्त याचिका का समर्थन करते हुए संवैधानिक प्रावधान का हवाला भी दे दिया है।

इधर सर्वोच्च न्यायालय में एक बड़ी मजेदार याचिका पेश की गई है, अश्विनी उपाध्याय के द्वारा ! उन्होंने अपनी याचिका में तर्क दिया है कि अल्पसंख्यकता के नाम पर कई राज्यों में बड़े पैमाने पर ठगी चल रही है। जिन राज्यों में जो लोग बहुसंख्यक हैं, वे यह कहते हैं कि हम लोग अखिल भारतीय स्तर पर अल्पसंख्यक हैं, इसलिए हमें अल्पसंख्यकों की सब सुविधाएं अपने राज्य में भी मिलनी चाहिए। जैसे जम्मू-कश्मीर में मुसलमान बहुसंख्यक हैं लेकिन उन्हें इसके बावजूद वहां अल्पसंख्यकों की सारी सुविधाएं मिलती हैं। लेकिन जम्मू-कश्मीर के हिंदुओं, यहूदियों और बहाईयों को, जो वास्तव में वहां अल्पसंख्यक हैं, उन्हें अल्पसंख्यकों की कोई सुविधा नहीं मिलती। यही हाल मिजोरम, नागालैंड, अरुणाचल, लक्षद्वीप, मणिपुर और पंजाब का है। इन राज्यों में रहने वाले धार्मिक बहुसंख्यकों को भी अल्पसंख्यक मानकर सारी विशेष सुविधाएं दी जाती हैं। अश्विनी उपाध्याय ने अपनी याचिका में अदालत से मांग की है कि अल्पसंख्यकता का निर्णय राज्यों के स्तर पर भी होना चाहिए ताकि वहां के अल्पसंख्यकों को भी न्याय मिले। तर्क की दृष्टि से उपाध्याय बिल्कुल ठीक हैं लेकिन बेहतर तो यह हो कि देश में से मजहब, भाषा और जाति के आधार पर समूहों को बांटा न जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए यह बेहद जरूरी है। दूसरे शब्दों में संख्या के आधार पर बना यह विशेष दर्जा राज्य स्तरों पर तो खत्म होना ही चाहिए, यह भी जरूरी है कि इसे अखिल भारतीय स्तर पर भी खत्म किया जाए। 1947 में भारत का बंटवारा इसी मजहबी संख्यावाद के कारण हुआ और अब देश के चुनाव और राजनीति का आधार यही जातीय संख्यावाद बन गया है। यही क्रम आगे चलता रहा तो 1947 में भारत के सिर्फ दो टुकड़े हुए थे लेकिन 2047 में भारत के सौ टुकड़े भी हो सकते हैं। यह बेहद खतरनाक प्रक्रिया है। महाराष्ट्र और कर्नाटक ने संविधान के ढीले-ढाले प्रावधानों का सहारा लेकर मज़हबी और भाषाई आधार पर अपने नागरिकों को बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक वर्गों में बांट रखा है। हमारी केंद्र सरकार ने उक्त याचिका का समर्थन करते हुए संवैधानिक प्रावधान का हवाला भी दे दिया है। संविधान में ऐसा करने की छूट है। लेकिन किसी भी राष्ट्रवादी सरकार को हिम्मत करनी चाहिए कि वह इस राष्ट्रभंजक संवैधानिक प्रावधान को खत्म करवाए और देश के सभी नागरिकों को उनकी जरूरत के मुताबिक (जाति और धर्म के आधार पर नहीं) आवश्यक विशेष सुविधाएं अवश्य दी जाएं।

निर्णय क्षमता को विकसित करना सफ़ल जीवन की कुंजी

जीवन में समय के साथ अपडेट रहने से निर्णय क्षमता विकसित करने में आसानी होती है

सफ़लता के लिए समय पर सही निर्णय लेना ज़रूरी - हम स्वयं पर भरोसा रख भविष्य के लिए बड़े निर्णय ले सकते हैं - एड किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर निर्णय एक ऐसी क्रिया है जो करीब -करीब हर व्यक्ति के जीवन में आती ही है। चाहे वह सर्वोच्च शिखर पर बैठा परम बौद्धिक क्षमता में निपुण व्यक्ति हो या अंतिम छोर की अंतिम पंक्ति में बैठा सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो !! हालांकि इसके अपवाद स्वरूप में मानसिक अस्वस्थ व्यक्ति है। उस निर्णय क्रिया में अपने अपने स्तर पर स्थितियों, परिस्थितियोंके अनुसार व्यक्तिगत सार्वजनिक, प्रशासनिक, सरकार, पार्टी, राजनीतिक दिशा, चुनाव सहित हर संस्था, संगठन शामिल हैं जिन्हें अनिवार्य रूप से इस क्रिया से दो चार होना पड़ता है यह रेखांकित करने वाली बात है !!

साथियों बात अगर हम निर्णय का बैकग्राउंड समझने के लिए उसकी परिभाषा की करे तो अनेक बुद्धिजीवियों ने विस्तार से समझाया है उससे निष्कर्ष निकलता है कि निर्णय लेना रचनात्मक, मानसिक, बौद्धिक, कौशलता का वह केंद्र बिंदु है जहां कार्यपूर्ति के लिए उपलब्ध विकल्पों या बिना विकल्पों के ज्ञान, विचार, भावना, कल्पना, जनहित में सटीक व सार्वजनिक सर्वोत्तम सिद्ध हो ताकि भविष्य में उसकेदूरगामी अनुकूलतम सकारात्मक परिणाम पारदर्शिता से देखे जा सके। सार्वजनिक निर्णय प्राय नीति, नियम, आदेश, निर्देश के रूप में व्यक्त होते हैं।

साथियों बात अगर हम व्यक्तिगत जीवन में निर्णय की करें तो यह भी करीब-करीब हर व्यक्ति के जीवन में अनेक स्थितियों में ऐसा पल आता है जहां हमें निर्णय लेना होता है बस !!! यही निर्णय हमारे जीवन की दिशा को तय करता है थोड़ी सी भी चूक दीर्घकालीन समस्या का कारण बन सकती है इसलिए ही निर्णय के लिए हमें अपने निर्णय क्षमता का विकास करना तात्कालिक ज़रूरी है क्योंकि निर्णय क्षमता को विकसित करना ही सफल जीवन की कुंजी है इसके लिए हमें जीवन में समय के साथ साथ अपडेट रहना ज़रूरी है जिसके किसी भी पल, स्तर पर हमें निर्णय करने में आसानी होगी क्योंकि दीर्घकालीन सफ़लता के लिए समय पर सही निर्णय लेना जरूरी है।

हालांकि हम अनेक अपनों से अनेक बातों पर सलाह मशवरा करते हैं परंतु निर्णय स्वयं लेना समय की मांग है क्योंकि स्वयं पर भरोसा रख भविष्य के बड़े निर्णय लेने के लिए हमें निर्णय क्षमता को विकसित करने को रेखांकित कर निम्न बातों पर ध्यान देना होगा (1)लक्ष्य का निर्धारण (2) विकल्पों का निर्धारण (4) समस्याओं का विश्लेषण और उपलब्ध जानकारी का अध्ययन (5) संपूर्ण कारकों की पहचान (6) नैतिक निर्णय लेने का कौशल (7) जोखिम व अनिश्चितता का अध्ययन (8) समय का तकाजा (9)दूरगामी परिणाम (10) निर्णय के विषय संबंधी आवधिक घटनाओं का पूर्वानुमान सहित अनेक ऐसे कारक हैं जिस पर एक नज़र डालकर निर्णय क्षमता में विकास और निर्णय लेने में आसानी को अंजाम दिया जा सकता है साथियों बात अगर हम निर्णय में भावुकता और असहजता की करें तो, हम जो भी काम करते हैं, उसमें हमारी भावनाएं अहम भूमिका निभाती हैं, इसलिए कोई भी निर्णय लेते वक्त अपनी भावनाओं की अनदेखी नहीं करें। अगर आप बहुत ही ज्यादा भावुक महसूस कर रहें हैं तो उस वक्त कोई भी निर्णय लेने से बचें। निर्णय लेने को कुछ देर के लिए टाल दें। अकसर भावनाओं की रौ में बहकर हम गलत निर्णय ले लेते हैं। ऐसा करने से बचें। जब आप भावनात्मक रूप से संतुलित महसूस करें, तभी शांत दिमाग और शांत मन से निर्णय लें। ऐसा करने से आपके फैसलों के गलत साबित होने की आशंका कम हो जाएगी।

साथियों कोई निर्णय लेते वक्त अगर आप उसके बारे में असहज़ महसूस कर रहें हैं तो फिर वह निर्णय नहीं लें। कोई भी निर्णय लेना मानसिक और शारीरिक रूप से थकावट भरा काम होता है। सिर्फ इस वजह से ही आप शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से थकावट महसूस कर सकते हैं। अगर कोई बात आपको पहलेसे ही इतना परेशान कर रही है तो बेहतर होगा कि आप खुद को इस कुचक्र में फंसाए ही नहीं। अगर किसी विषय के बारे में असहज महसूस कर रहें हैं तो उस निर्णय को कुछ देर के लिए टाल दें।

साथियों बात अगर हम निर्णय में विकल्पों और नज़रिए विचारों की करें तो, जब आप किसी निर्णय पर पहुंचते हैं, तो आपके दो तरह के विकल्प होने चाहिए। अगर एक विकल्प सफल न हो सके तो आप दूसरे विकल्प पर विचार कर सके। ऐसा तभी होगा जब आप अपने दिमाग को खुला रखेंगे और हर विचार पर गौर करेंगे। इसके साथ ही स्वयं पर भरोसा करना भी सीखें। अमरीकी अध्ययन के अनुसार निर्णय लेने की क्षमता को तभी विकसित किया जा सकता है, जब व्यक्ति को स्वयं पर भरोसा हो। आप कॉन्फिडेंट रहेंगे तो भविष्य के लिए बड़े निर्णय ले सकते हैं। अगर आप स्वयं के नज़रिए पर ध्यान देते हैं तो आप न केवल तनाव से बाहर निकल सकते हैं, बल्कि दूसरों के विचारों को भी बदल सकेंगे। दरअसल, जब तक आप स्वयं के नज़रिए पर ध्यान नहीं देंगे तो आप पर हमेशा अन्य लोगों के विचार ही हावी रहेंगे। इस तरह आप यह भी जज नहीं कर पाएंगे कि आपके लिए क्या सही है और क्या गलत।

साथियों बात अगर हम निर्णय और उसमें आने वाली बाधाओं की करें तो, निर्णय लेने की जटिलता तब बढ़ जाती है, जब आपके पास पर्याप्त सूचनाएं न हो। ऐसे में निर्णय लेने का काम एक कठिन टास्क होगा। इसके अलावा यदि आपके विचारों में स्थिरता नहीं है तो भी किसी तरह के निर्णय पर पहुंचना मुश्किल होगा। वर्किंग के दौरान किसी समस्या पर यदि आप नकारात्मक विचारों से घिर जाते हैं तो ऐसे में निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होगी। इसलिए उन फैक्टर्स पर ध्यान दें जो आपके निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर बनाते हैं।

साथियों निर्णय लेना आसान काम नहीं होता। फिर चाहे निर्णय छोटा हो या बड़ा। निर्णय लेने की हमारी क्षमता को कई चीजें प्रभावित करती हैं। अनूठी बात यह है कि अकसर हम इस बात से पूरी तरह अनभिज्ञ होते हैं। यह सच है कि हमारा प्रत्येक निर्णय हमारी जिंदगी को एक ही तरह से प्रभावित नहीं करता है, पर इसका मतलब यह भी नहीं है कि हम दैनिक जीवन में लिए जाने वाले छोटे-मोटे निर्णयों को लेकर उदासीन रवैया अपनाना शुरू कर दें।

होगा करना काम !

बंट गए विभाग अब ।
होगा करना काम ।।
दूर हो गयीं अड़चनें ।
अब तक जो तमाम ।।
करके शांत दिमाग ।
होगा देना ध्यान ।।
होंगे करने कार्य ।
बनना यदि महान ।।
मिल गया है पद ।
अब इच्छा अनुसार ।।
सही चीजों का करना ।
जोर-शोर प्रसार ।।
संभावना अनंत है ।
आए नया निखार ।।
समय-समय पर लेकिन ।
सहना भी प्रहार ।।

कृष्णेन्द्र राय

शार्ट न्यूज

किसानो को हिरासत में लिये जाने से खफा टिकैत धरने पर बैठे

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिये जाने के विरोध में किसान नेता राकेश टिकैत ने मुजफ्फरनगर की शहर कोतवाली में धरना दिया हालांकि जिला एवं पुलिस प्रशासन से बातचीत के बाद धरना समाप्त कर दिया गया। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सोमवार देर रात शहर के प्रकाश चौक स्थित होटल पर तितावी के दो ग्रामीणों और होटल मालिक के बेटों के बीच मारपीट हो गई थी। पुलिस दोनों पक्षों को जिला अस्पताल लेकर पहुंची। ग्रामीणों ने भाकियू कार्यकर्ताओं को कॉल कर मौके पर बुला लिया। दोनों पक्षों के बीच जिला अस्पताल में भी मारपीट हो गई थी। भाकियू कार्यकर्ता तितावी के दोनों ग्रामीणों को अपने साथ ले गए थे। इस प्रकरण में पुलिस ने 11 ग्रामीणों को हिरासत में लिया है। भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत मंगलवार सुबह नगर कोतवाली पहुंचे, उन्होंने ग्रामीणों के खिलाफ गलत कार्रवाई का आरोप लगाया। पुलिस ने जांच करने की बात कही। इसी प्रकरण में चौधरी राकेश टिकैत कोतवाली में समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए हैं। राकेश टिकैत के धरने पर बैठने के बाद सपा और रालोद ने भी अपना समर्थन उनके धरने को दे दिया है, धरने पर सपा नेता हरेंद्र मलिक सहित अनेक नेताओं ने पहुंच कर समर्थन दिया। इस बीच एसपी सिटी अर्पित विजयवर्गीय और एडीएम प्रशासन नरेंद्र बहादुर सिंह ने श्री टिकैत से बातचीत कर धरना खत्म करने का आग्रह किया जिसके बाद धरना खत्म कर दिया गया।

डंपर खड्ड में गिरा, चालक खलासी की मृत्यु

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के मौदहा क्षेत्र में मंगलवार को अनियंत्रित डंपर पेड़ से टकराने के बाद खड्ड में जा गिरी जिससे चालक व खलासी की मौके पर मौत हो गयी। पुलिस के मुताबिक महोबा जिले के बहिंगा ग्राम निवासी चरण सिंह (24) डंपर में गिट्टी लादकर महोबा से कानपुर जा रहा था, रास्ते में नींद आने के कारण चालक चरण सिंह ने अपने खलासी राहुल (20) को डंपर की स्टेयरिंग पकडा दी कि मौदहा क्षेत्र के राठ मोड के पास डंपर का संतुलन बिगड़ गया और वाहन पेड़ से टकारने के बाद खड्ड में जा गिरी जिससे चालक व खलासी की मौके पर ही मृत्यु हो गयी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर डंपर की केबिन पर फंसे शवों को काटकर निकाला। मृतक राहुल की दो सप्ताह पहले शादी हुई थी।

एंबुलेंस प्रकरण में डॉ अलका राय भाई समेत गिरफ्तार

मऊ। पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी एंबुलेंस प्रकरण में मऊ में स्त्री रोग विशेषज्ञ डा अलका राय और उनके भाई को बाराबंकी पुलिस ने मंगलवार सुबह यहां गिरफ्तार कर लिया। मुख्तार अंसारी एंबुलेंस प्रकरण मामले में सभी आरोपियों पर गैंगस्टर के तहत कार्रवाई की गयी है। एम्बुलेंस कांड में पूर्व में लगभग आठ माह जेल की सजा काट चुकी मऊ की महिला व स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अलका राय और उनके भाई शेषनाथ राय को मंगलवार भोर बाराबंकी पुलिस में हिरासत में ले लिया। दोनो को बाराबंकी ले जाया गया है। सोमवार को डा. राय ने मीडिया को दिए बयान में अपनी गिरफ्तारी की आशंका जताई थी और कहा था कि उन्हें नाहक ही फंसाया जा रहा है। बात करते करते उनकी आंखों में आंसू छलक उठे। डॉ अलका राय ने खुद को बेकसूर ? बताया और कहा कि वह आठ महीने जेल में रह करके आई हैं। वह भी उस प्रकरण में जिसके बारे में उन्हे कुछ नहीं पता है। जिस एंबुलेंस के लिए उन्हे जेल में रखा गया,उसकी जानकारी भी नहीं थी कि ऐसा कोई एंबुलेंस है। उन्होने कहा कि न ही बाराबंकी में उनका कोई हॉस्पिटल था और ना ही मेरा बाराबंकी से कोई नाता है। पिछले दो महीने से वह अपनी जिंदगी को पटरी पर लाने की कोशिश कर रही हैं । पहले 420 का मुकदमा लगा और अब गैंगस्टर एक्ट लगा दिया गया है।

भाजपा को हराने के लिये मुस्लिमों को करना होगा भूल सुधार : मायावती

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से सांठगांठ कर मुसलमानो को गुमराह करने का आरोप लगाते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने कहा कि भाजपा को हराने के लिये मुस्लिम समाज को अपनी भूल सुधारनी होगी। मायावती ने मंगलवार को ट्वीट किया यूपी में सपा व भाजपा की अन्दरूनी मिलीभगत जग-जाहिर रही है कि इन्होंने विधान सभा आमचुनाव को भी हिन्दू-मुस्लिम कराकर यहाँ भय व आतंक का माहौल बनाया, जिससे खासकर मुस्लिम समाज गुमराह हुआ व सपा को एकतरफा वोट देने की भारी भूल की, जिसको सुधार कर ही भाजपा को यहाँ हराना संभव। गौरतलब है कि बसपा अध्यक्ष ने पिछले रविवार को पार्टी की एक बैठक में भी भाजपा की जीत के लिये मुसलमानो को कसूरवार ठहराया था। उन्होने कहा था कि विधानसभा चुनाव के परिणामों से साफ हो चुका है कि समाजवादी पार्टी (सपा) के पास न तो उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने की और न ही भाजपा को सत्ता में आने से रोकने की काबलियत है। भाजपा का सत्ता से बेदखल करने की कुव्वत सिर्फ बसपा के पास है। विधानसभा चुनाव में बसपा को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था और उसे मात्र एक सीट पर संतोष करना पड़ा। बसपा अध्यक्ष ने रविवार को बुलायी गयी विशेष बैठक में अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर नियुक्त किया जबकि आजमगढ़ सीट पर संभावित लोकसभा उपचुनाव में शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को पार्टी उम्मीदवार घोषित किया था।

बलिया में सड़क हादसे में पिता पुत्र समेत तीन मरे

बलिया। उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के सिकन्दरपुर क्षेत्र में मंगलवार सुबह ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गयी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिकंदरपुर थाना क्षेत्र में हुई एक सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। पुलिस ने बताया कि सिकंदरपुर कस्बा के मोहल्ला मिल्की निवासी मनोज राजभर (32) अपने पांच वर्षीय पुत्र आलोक और भतीजे रोहित (16) के साथ अपने ससुराल मटूरी गांव जा रहे थे। बिल्थरारोड-सिकंदरपुर मार्ग पर नवरतनपुर चट्टी के पास वाहन को ओवरटेक करते समय सामने से आ रहे ट्रक से बाइक की जोरदार टक्कर हो गयी। इसमे बाईक सवार तीनों की मौके पर ही मौत हो गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर ट्रक व चालक को पकड़ लिया।

पुरानी रंजिश में घर से बुलाकर किसान की गोली मारकर हत्या

बागपत। बागपत के लुहारी गांव में घर से बुलाकर किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी हरीश सिंह भदौरिया ने मंगलवार को बताया कि मृतक का नाम जितेंद्र (46) पुत्र वेदप्रकाश है। भदौरिया ने बताया कि सोमवार देर रात जितेंद्र के साथ रहने वाला एक युवक उसे घर से बुलाकर ले गया था, लेकिन देर रात तक वह घर वापस नहीं लौटा। लुहारी गांव निवासी जितेंद्र खेती के अलावा क्षेत्र में किसानों से गेंहू खरीदने का भी काम करता था। लुहारी-कोताना मार्ग से गुजर रहे कुछ ग्रामीणों को जितेंद्र का शव पड़ा मिला, तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद कोतवाली पुलिस मौके पहुंची। सीओ के अनुसार जितेंद्र की पुरानी रंजिश में हत्या की गई है।

छेड़छाड़ से क्षुब्ध किशोरी ने फांसी लगाई, पड़ोसी ने छत पर दबोचा, विरोध पर दी थी धमकी

रसूलाबाद (कानपुर देहात)। कानपुर में रसूलाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव की किशोरी ने छेड़छाड़ से तंग आकर घर के अंदर फांसी लगाकर जान दे दी। मां की तहरीर के बाद पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। तहरीर में पड़ोस के युवक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया है। मां के अनुसार 14 साल की बेटी सोमवार शाम छत पर बिस्तर लगाने गई थी। उसे अकेला देखकर पड़ोसी शिव सिंह ने उसे गलत नियत से दबोच लिया और छेड़छाड़ की। उसके शोर मचाने पर आरोपित धमकी देकर भाग गया। मां के अनुसार उसने बेटी को बदनाम करने की धमकी दी थी। इसकी जानकारी बेटी ने परिवार को दी तो, परिवार के लोगों ने मंगलवार को पुलिस से शिकायत की तैयारी की थी।

सतीश महाना बने उप्र विधानसभा के अध्यक्ष, सदन ने दी बधाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा अध्यक्ष के पद पर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ विधायक सतीश महाना को निर्विरोध चुन लिया गया।

विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर रमापति शास्त्री ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ ग्रहण कराने के बाद विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को अंतिम पड़ाव तक पहुंचाते हुए उनके निर्वाचन की घोषणा की। गौरतलब है कि अध्यक्ष पद के लिये नामांकन की समय सीमा समाप्त होने तक सिर्फ महाना ने ही नामांकन किया था। इसके साथ ही उनका निर्विरोध चुना जाना तय हो गया था।

महाना के निर्वाचन की घोषणा किये जाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव एवं कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' सहित अन्य सभी दलों के नेताओं ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को सदन के आसन तक ले जाने की परंपरा का निर्वाह किया।

योगी और अखिलेश ने आठ बार से लगातार सदन के सदस्य चुने जा रहे महाना को बधाई दी। गौरतलब है कि योगी सरकार के पहले कार्यकाल में उद्योग मंत्री रहे महाना 18वीं विधानसभा के 23वें अध्यक्ष चुने गये हैं। वह मौजूदा तथा पिछली सात विधानसभाओं में कानपुर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

इस अवसर पर योगी ने महाना के नाम में ही 'महान' जुड़ा होने का जिक्र करते हुए भरोसा जताया कि उनके

जैसे अनुभवी नेता के नेतृत्व में सदन की कार्यवाही न सिर्फ सुचारु रूप से चलेगी, बल्कि सभी सदस्यों को समान रूप से आसन का संरक्षण भी मिल सकेगा।

उन्होंने कहा, जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हमारे जनप्रतिनिधियों पर आम जनमानस ने विश्वास प्रकट किया है। हमें ऐसे कार्य करने होंगे जिससे यह विश्वास कभी अविश्वास में न बदले।

योगी ने कहा, हमें अब युवाओं, आधी आबादी, किसानों, मजदूरों और दबे कुचले लोगों के लिए सोचना है,उनकी आवाज़ को आगे बढ़ाना है। मुख्यमंत्री ने कहा, विधानसभा अध्यक्ष पद पर महाना जी चयन ऐसे समय हुआ है, जब आज़ादी का अमृतकाल है। प्रधानमंत्री जी ने इस अमृतकाल मे कुछ लक्ष्य भी निर्धारित किये हैं। आप 25 करोड़ की आबादी वाले प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष बने हैं। इसके लिए आपको बहुत शुभकामनायें।

उन्होंने सभी सदस्यों को भी महाना के बार बार चुनाव जीतने का सूत्र बताते हुए जनहित के कामों पर ध्यान केन्द्रित करने की अपील की। योगी ने कहा, मैं सभी नये सदस्यों का हृदय से अभिवादन करता हूं। पांच वर्ष के कार्यकाल में आप यदि जनमानस के हित के कार्य करेंगे ,तो माननीय अध्यक्ष जी की तरह बार बार चुन कर आएंगे। मेरा विश्वास है कि आप अध्यक्ष के रूप में उत्तरप्रदेश विधानसभा का उत्कृष्ट नेतृत्व करेंगे, ऐसी शुभकामनाएं देता हूँ।

इस दौरान अखिलेश ने भी महाना को बधाई देते हुए कहा कि एक ही विधानसभा क्षेत्र से उनका आठ बार चुना जाना, इस बात का सबूत है कि वह क्षेत्र की जनता की आंखों के तारे हैं।

उन्होंने महाना के अनुभव का लाभ सदन के संचालन में मिलने का भरोसा जताते हुए कहा, यह एक बड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। हमें उम्मीद है कि जब विपक्ष के लोग सवाल उठाएंगे तो आप उन्हें पूरा मौका देंगे। अखिलेश ने कहा, आप 'राइट' से चुनकर आए हैं, मगर अब आपको 'लेफ्ट' की तरफ देखना होगा। आप रेफरी' हैं, तो हमें उम्मीद है कि आप कभी खेल का हिस्सा नहीं बनेंगे। आप जितना विपक्ष को मौका देंगे लोकतंत्र उतना मजबूत होगा।

लखनऊ-रायबरेली में बड़ा हादसा: सीवर लाइन में उतरे चार मजदूरों की दम घुटने से मौत

एजेंसी

लखनऊ। सीवर लाइन की सफाई के दौरान लखनऊ और रायबरेली में दो-दो मजदूरों की मौत हो गई। लखनऊ के सहादतगंज में 3 मजदूर सफाई के लिए सीवर लाइन में उतारे जहां दो की दम घुटने से मौत गई जबकि तीसरे को गंभीर हालत में एक नजदीक के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। वहीं, रायबरेली के मनिका रोड पर अमृत योजना के तहत निर्मित सीवर लाइन की सफाई के दौरान दो मजदूरों की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार लखनऊ के सहादतगंज में सफाई कर्मचारी बिना उपकरण के ही सीवर लाइन में उतर

गए थे, जिससे ये हादसा हो गया। सफाई कर्मचारियों के मौत के बाद उनके घर में कोहराम मच गया है। घटना के बाद महापौर ने गहरा दुख प्रकट किया और जिम्मेदार कर्मचारियों/अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्यवाही का आदेश दिए।

इससे पहले रायबरेली के मनिका रोड पर सीवर लाइन की सफाई के दौरान दो मजदूरों की मौत हो गई। लखनऊ में एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मजदूरों की मौत पर दुख जताया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हर संभव मदद देने के निर्देश दिए।

पुलिस ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव समेत प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और बचाव अभियान शुरू किया गया। इसके बाद दोनों कर्मियों को बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने कहा कि उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया जारी है। नगर कोतवाली प्रभारी राघवन सिंह के अनुसार मारे गए लोगों की पहचान जोगेश और संजू नागर के रूप में हुई है।

100 दिनों में 20 हजार सरकारी नौकरियां और 50 हजार रोजगार देगी योगी सरकार

लखनऊ। योगी सरकार यूपी के युवाओं को जीत का सबसे बड़ा रिटर्न गिफ्ट देने जा रही है। सरकार ने 100 दिनों में युवाओं को 20 हजार सरकारी नौकरियां और 50 हजार रोजगार के अवसर देने की घोषणा की है। सीएम योगी ने अगले 5 साल में यूपी में 5 करोड़ लोगों को स्वरोजगार देने का लक्ष्य तय किया है। उनका संकल्प युवाओं को आगे बढ़ाना और रोजगार देने के संकल्प को तेजी से पूरा करना है। भाजपा का दावा है कि योगी सरकार की रोजगार देने की नीतियों से उत्तर प्रदेश रोजगार सेंटर के रूप में विकसित हो रहा है। युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर देने में सरकार ने पूर्व के कार्यकाल में भी कोई कमी नहीं रखी। स्टार्टअप और औद्योगिक इकाइयों को बढ़ावा देकर युवाओं को रोजगार दिये। एमएसएमई और ओडीओपी योजना ने युवाओं की प्रतिभा और कौशल को रोजगार में बदलने का काम किया। कामगारों और श्रमिकों की स्किल मैपिंग के बाद उनको रोजगार भी दिये। दूसरी पारी में सरकार ने बिना भेदभाव और भ्रष्टाचार के युवाओं को सरकारी नौकरियों के अवसर देने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है। भर्तियों में ईमानदारी और शुचिता को प्राथमिकता पर रखने का निर्देश दिये हैं। युवाओं को रोजगार मिल सके इसके लिए जिला और मंडल स्तर पर स्टार्टअप्स को खोलने के लिए भी निर्देश दिये गये हैं। गौरतलब है कि पिछले कार्यकाल में योगी सरकार ढ़ाई करोड़ रोजगार और 5 लाख सरकारी नौकरियां युवाओं को दे चुकी है।

लखनऊ : युवा, किसान, महिला और बुजुर्ग पर आधारित होगा योगी सरकार 2.0 पहला बजट

लखनऊ। सर्वाधिक आबादी वाले उत्तर प्रदेश में योगी सरकार 2.0 का आगामी बजट किसान, युवा, महिलाओं और बुजुर्गों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। योगी सरकार 2.0 का यह पहला बजट 6.5 लाख करोड़ का हो सकता है। जो कि यूपी के लिए बेहद ही खास होगा। योगी सरकार 2.0 के पेश होने वाले पहले बजट को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आबकारी, वित्त और राजस्व विभाग के आला अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बैठक में आला अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मुख्य बिंदुओं को ध्यान रखकर नए बजट को तैयार करें। उन्होंने आगामी बजट पर अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए कहा कि विभाग और सभी विषयों को ध्यान में रखकर नया बजट तैयार करें। योगी सरकार 2.0 का ये आगामी बजट सुशासन, सुरक्षा और विकास पर आधारित होगा जिससे यूपी को नई ऊंचाईयां मिलेगी।

संकल्प पत्र पर आधारित होगा यूपी का आगामी बजट

योगी सरकार का पहला आगामी बजट संकल्प पत्र पर आधारित होगा। जिसमें किसानों को सिंचाई के लिए निशुल्क बिजली, उज्जवला योजना के तहत होली और दिवाली में 2 मुफ्त सिलेंडर, सीनियर सिटीजन महिलाओं को मुफ्त परिवहन यात्रा की सुविधा, रानी लक्ष्मीबाई योजना के तहत मेधावी छात्राओं को मुफ्त स्कूटी, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में एक लाख की मदद,उत्तर प्रदेश में 6 मेगा फूड पार्क स्थापित करने संग संकल्प पत्र के ज्यादा से ज्यादा बिंदुओं पर केंद्रित होगा।

चार दिन से लापता केंद्रीय विद्यालय के 11वीं के छात्र की ट्रैक पर मिली लाश, दोस्तों पर हत्या का आरोप

सहारनपुर। चार दिन पहले लापता हुए केंद्रीय विद्यालय के छात्र हत्या कर दी गई। छात्र का शव हरिद्वार में रेलवे ट्रैक पर मिला। आरोप है कि दो साथी छात्रों ने ही हत्या कर शव को ट्रैक पर फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी छात्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। उधर, परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

मामला थाना देहात कोतवाली क्षेत्र के गांव दाबकी गुर्जर का है। गांव निवासी सुशील कुमार का बेटा हर्ष सैनी (17) केंद्रीय विद्यालय सरसावा में 11वीं का छात्रा था। पुलिस के मुताबिक हर्ष 26 मार्च को घर से स्कूल जाने के लिए निकला था। इसके बाद वह घर नहीं

लौटा। हर्ष का पता नहीं चलने पर थाने में गुमशुदगी दर्ज करा दी।

शुक्रवार को हरिद्वार के ज्वालापुर थाने से फोन आया कि छात्र का शव मिला हैं। खबर मिलते ही परिजन हरिद्वार पहुंचे और शव की शिनाख्त की। हरिद्वार पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों को सौंप दिया।

उधर, मृतक छात्र के परिजनों का आरोप है कि दो साथी छात्र ही हर्ष को अपने साथ ले गए थे। फिर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर दोनों छात्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

साथ ही मामले की तफ्तीश भी शुरू कर दी है। एसपी सिटी राजेश कुमार ने कहा कि छात्र का शव हरिद्वार में रेलवे ट्रैक पर मिला था। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मृतक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे उसी के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
राजेश कुमार, एसपी सिटी।

कानपुर के 70 हजार लोग कर्ज लेकर लापता, बैंकों की मुश्किलें बढ़ीं

कानपुर। कोरोना काल में छोटे लोन के एनपीए होने से बैंक सबसे ज्यादा परेशान हैं। दो लाख तक की रकम सबसे ज्यादा डूबने की कगार पर है। करीब 70 हजार ग्राहकों ने लोन तक नहीं चुकाया। इसमें से अधिकांश लोन पर्सनल, ऑटो, कम्प्यूटर और सरकारी योजनाओं से जुड़े हैं।

पिछले दो साल में छोटे लोन के भुगतान की रफ्तार में बड़ी कमी आई है। हालांकि दिवाली बाद से स्थितियां सुधरी हैं जिससे साफ है कि अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही है। बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कानपुर में विभिन्न बैंकों के करीब 2.4 लाख लोनधारक दो लाख तक के दायरे में हैं। इनमें से करीब 70 हजार ने पिछली तीन से पांच

किस्तों का भुगतान नहीं किया है। समस्या इस बात की है कि पर्सनल लोनधारकों की संख्या सर्वाधिक है। गारंटी या सिक्योरिटी न होने की वजह से उनसे रिकवरी में परेशानी आ रही है। किसी ने नौकरी बदल ली तो किसी ने शहर। उनकी तलाश करना चुनौती बन गया है।

यही चुनौती विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत लाभार्थियों की है। 10 से 50 हजार रुपये तक के लाभार्थियों से कोई गारंटी नहीं ली जाती। लोन का भुगतान न होने से उनकी तलाश करना बड़ी मुसीबत बन गया है। अधिकांश किराये के घरों में रहते थे जिनमें से काफी लोगों ने किसी न किसी कारण से घर बदल लिया है। ठेले-खोमचे का स्थान भी बदल गया है। एसबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसकी केवल वजह उनकी लोन का रीपेमेंट करने की नीयत नहीं हो सकती बल्कि अन्य कारणों से भी वह घर या व्यापार स्थल बदल सकते हैं। कर्ज की वसूली के लिए बैंक कानूनी प्रक्रिया का पालन कर सकते हैं लेकिन ग्राहक से बदसलूकी नहीं कर सकते। वरिष्ठ कर सलाहकार संतोष गुप्ता ने बताया कि सिक्योर्ड लोन के मामले में बैंकों को गिरवी रखी गई संपत्ति को कानूनन जब्त करने का हक है। हालांकि नोटिस दिए बगैर बैंक ऐसा नहीं कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ग्राहक के खाते को नॉन-परफॉर्मिंग एसेट (एनपीए) में तब डाला जाता है जब 90 दिनों तक वह बैंक को किस्त का भुगतान नहीं करता है। अगर नोटिस पीरियड में ग्राहक भुगतान नहीं कर पाता है तो बैंक संपत्ति की बिक्री के लिए आगे बढ़ सकते हैं। संपत्ति की बिक्री से पहले बैंक को संपत्ति का उचित मूल्य बताते हुए नोटिस जारी करना पड़ेगा। उचित मूल्य का पता बैंक के वैल्यूअर लगाते हैं। अगर कर्जधारक को लगता है कि संपत्ति का दाम कम रखा गया है तो वह नीलामी को चुनौती दे सकता है।

सेना में भर्ती होने के लिए परिश्रम कर रहे लाखों युवा, प्रियंका ने राजनाथ सिंह को लिखा पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर सेना में युवाओं के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरु करने का आग्रह किया है। प्रियंका गांधी ने मंगलवार को कहा कि युवा सेना में भर्ती होने के लिए लगातार परिश्रम कर रहे हैं लेकिन भर्ती केंद्रों पर भर्तियां नहीं होने के कारण तैयारी करने वाले युवा निराश हो रहे हैं इसलिए उनकी खुशी के लिए तत्काल भर्ती प्रक्रिया आरंभ की जानी चाहिए। उन्होंने वायु सेना में 2020 में शुरु की गई भर्ती प्रक्रिया को भी पूरा करने का आग्रह किया और कहा ह्लसेना में भर्ती के लिए लाखों युवा हाड़तोड़ मेहनत कर देशसेवा के सपने के साथ तैयारी करते हैं। लेकिन ये युवा वायुसैनिक भर्ती जनवरी 2020 की एनरोलमेंट लिस्ट और परिणाम वायुसैनिक भर्ती 2021 तथा सालों से थल सेना में भर्ती न आने से परेशान हैं। प्रियंका ने राजनाथ को यह पत्र भेजने के बाद इसकी जानकारी ट्वीट कर देते हुए कहा कि आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी को पत्र लिखकर इस विषय में अविलंब सकारात्मक कदम उठाते हुए सेना भर्ती से जुड़े युवाओं की समस्याएं हल करने का अनुरोध किया।

दो करोड़ रुपये की ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर अरेस्ट

लखनऊ। एसटीएफ ने ब्राउन शुगर की तस्करी करने वाले दो बदमाशों को चिनहट में गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से दो करोड़ रुपये की ब्राउन शुगर बरामद करने का दावा किया जा रहा है। ये लोग नेपाल से ब्राउन शुगर खरीदते, फिर उसे दो गुनी कीमत पर यूपी के शहरों में बेच रहे थे। इन तस्करों के पास ढाई लाख रुपये, दो मोबाइल व बाइक बरामद हुई है। इस गिरोह के कुछ और सदस्यों के बारे में पड़ताल की जा रही है।

एसटीएफ के एएसपी सत्यसेन के मुताबिक पकड़े गये तस्करों में रामनगर, बाराबंकी निवासी जान मोहम्मद और दरगाह, बहराइच निवासी अकबर अली हैं। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के कुछ लोग चिनहट में नौबस्ता कला के पास मौजूद हैं। इस पर ही एक टीम वहां पहुंची और दोनों को पकड़ लिया।

नेपाल से लाते थे ब्राउन शुगर

एसटीएफ के मुताबिक अकबर अली ने बताया कि नेपाल के बांका जिले में रहने वाले पदम बहादुर से रुपये लेकर जान मोहम्मद 1200 प्रति ग्राम की दर से ब्राउन शुगर खरीदता था। फिर पदम बहादुर को ही वह ढाई हजार रुपये प्रति ग्राम की दर से बेचने के लिये ब्राउन शुगर देता था।

एटीएस ने 4 साल से फरार 25 हजार के इनामी मनीष को किया गिरफ्तार

एजेंसी

गोरखपुर। पाकिस्तानी हैंडलरों के पास हवाला के जरिये पैसा पहुंचाने वाले गैंग के एक और गुर्गे को सोमवार को एटीएस ने गोरखपुर से गिरफ्तार कर लिया। मानवेन्द्र उर्फ मनीष यादव नामक य आरोपी पिछले चार साल से एटीएस को चकमा दे रहा था। एटीएस के एडीजी ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम रखा था। वहीं इस गैंग के अन्य गुर्गे पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। उनमें गोरखपुर के रहने वाले मोबाइल कारोबारी भाइयों के नाम प्रमुख हैं।

मामला 24 मार्च 2018 का है। एटीएस के पास इनपुट था कि हवाला के जरिये भारी मात्रा में पैसा देशविरोधी गतिविधियों में लगाया जा रहा है। पाकिस्तानी हैंडलरों के कहने पर फर्जी दस्तावेज के आधार पर विभिन्न बैंकों में खाता खुलवाकर उनमें धोखाधड़ी करके पब्लिक के जरिये यह गैंग पैसा मंगवाता तथा उसे निकाल कर हवाला के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर को पहुंचाता है।

एटीएस ने इस मामले में गोरखपुर निवासी मोबाइल कारोबारी अरशद नईम व नसीम अहमद, मुकेश प्रसाद, मुशर्रफ अंसारी उर्फ निखिल राय उर्फ डब्बू, सुशील राय उर्फ अंकूर राय व दयानंद यादव को हिरासत में लिया। अरशद नईम व नसीम अहमद के पास से एटीएस ने 46 लाख रुपये भी बरामद किए थे। अन्य अभियुक्तों के कब्जे से विभिन्न बैंकों के पासबुक, चेकबुक,एटीएम कार्ड बरामद हुए थे। फर्द बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर 25 मार्च को लखनऊ एटीएस थाने में मुकदमा अपराध संख्या 03/18 धारा 420,467,468,471,120 बी और 121 ए के तहत इनके खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

ऐसे खुलीं टेरर फंडिंग की परतें

विवेचना के दौरान दिनेश कुमार सिंह उर्फ अजय कुमार सिंह उर्फ एके सिंह पुत्र स्वर्गीय विश्वनाथ सिंह निवासी गोरखपुर का नाम भी प्रकाश में आया था। जांच में पता चला कि दिनेश कुमार मुर्शरफ के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विभिन्न बैंकों में अपनी फोटो लगाकर विभिन्न नाम से बैंक खाता खुलवाता था तथा उन्हें मुर्शरफ अंसारी को दे देता था। खातों में जमा किए गए पैसे को निकाल कर हवाला के माध्यम से भेजा जाता था। जांच में पता चला था कि इस गिरोह ने 150 से अधिक बैंक खाते फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खोले थे और उनमें लाखों रुपये का लेन-देन हुआ था।

बैंक खातों से पैसा निकाल कर गिरोह के अन्य गुर्गों के माध्यम से दिल्ली भेजा जाता वहां से हवाला के जरिये बाहर। दिनेश कुमार इस मामले में फरार चल रहा था।

एटीएस ने पचास हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। दो सितम्बर 2021 को यूपी एटीएस ने उसे गोरखपुर से गिरफ्तार किया था।

शार्ट न्यूज

होंडा ने कर्नाटक में तीसरे कौशल संवर्धन केंद्र का किया उद्घाटन

बेंगलुरु। होंडा मोटरसाइकिल एवं स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने सरकारी मॉडल औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से कर्नाटक में तीसरे कौशल संवर्धन केंद्र का सोमवार को उद्घाटन किया। इस केंद्र में स्थानीय युवाओं को नौकरी उन्मुख तकनीकी कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कंपनी ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि उद्घाटन समारोह में कर्नाटक सरकार के औद्योगिक प्रशिक्षण और रोजगार विभाग के निदेशक योगेश्वर एस., औद्योगिक प्रशिक्षण और रोजगार विभाग के बैंगलोर संभागीय कार्यालय के संयुक्त निदेशक वैजागोंड, एचएसएसआई के क्षेत्रीय कार्यालय दक्षिण ग्राहक सेवा के उप महाप्रबंधक एम एस श्रीवास्तव उपस्थित रहे। एचएसएसआई ग्राहक सेवा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप पांडे ने इस अवसर पर कहा, स्थानीय युवाओं को कुशल बनाने और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करते हुए, हम भारतीय युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कौशल भारत अभियान का सक्रिय रूप से समर्थन कर रहे हैं। तेजी से विकसित हो रहे ऑटोमोबाइल उद्योग में निरंतर परिवर्तन ने कुशल तकनीकी जनशक्ति की मांग को बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा,कोविड प्रतिबंधों के कारण, छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण नहीं मिल सका। कर्नाटक में कंपनी का तीसरा कौशल संवर्धन केंद्र, बेंगलुरु में सभी सुरक्षा नियमों को सुनिश्चित करते हुए व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए बेहतर सुविधा प्रदान करेगा। इसके अलावा, हम देश के अन्य हिस्सों में और केंद्रों का उद्घाटन करना जारी रखेंगे।

चालू वित्त वर्ष में सूचीबद्ध एचसीओएस के 1,330 करोड़ के दावे निपटाए गए : सरकार

नयी दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले सूचीबद्ध संगठनों (इम्पैनल्ड हेल्थकेयर ऑर्गनाइजेशन्स) के 1,330 करोड़ रुपये के दावे निपटाए गए हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ''सैटलमेंट ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम'' (सीजीएचएस) के दावे एवं उनका निपटारा एक सतत प्रक्रिया है। मंडाविया ने बताया'' चालू वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले सूचीबद्ध संगठनों (एचसीओएस) के 1,330 करोड़ रुपये के दावे निपटाए गए हैं। भुगतान के लिए सूचीबद्ध एचसीओएस से 1,343 करोड़ रुपये के बिल प्राप्त हुए।''मंडाविया ने बताया कि दिल्ली / राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए सीजीएचएस पैकेज की दरें एक अक्तूबर 2014 को और अन्य शहरों के लिए 2015 में तय की गई थीं। उन्होंने कहा कि सीजीएचएस पैकेज की दरों की समीक्षा एक सतत प्रक्रिया है और समय समय पर जांच तथा नयी प्रक्रियाओं के लिए दर तय कर योजना में जोड़ी जाती है। उन्होंने बताया कि इन दरों को विशेषज्ञ समिति की सिफारिश के आधार पर तय किया जाता है। सीजीएचएस के लिए समीक्षित अनुमानों (आरई) 2021-22 में कुल 4,463.94 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं जिनमें 1,690.06 करोड़ रुपये का राजस्व, 23.88 करोड़ रुपये की पूंजी और 2,750 करोड़ रुपये के पेंशन एवं अन्य सेवानिवृत्ति लाभ (पीओआरबी) शामिल हैं।

देश में 35 औषधि रसायनों का घरेलू स्तर पर विनिर्माण शुरू: मांडविया

नयी दिल्ली। केंद्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि पहले आयात किए जाने वाले 35 औषधि रसायनों (एपीआई) का देश में ही पीएलआई योजना के तहत उत्पादन शुरू हो गया है। मांडविया ने यहां संवाददाताओं से कहा कि औषधि क्षेत्र के लिए शुरू की गई प्रोत्साहन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 35 एपीआई का घरेलू स्तर पर ही उत्पादन शुरू हो गया है। ये रसायन उन 53 एपीआई का हिस्सा हैं जिनके लिए भारत 90 फीसदी तक आयात पर निर्भर रहा है। उन्होंने कहा, देश भर में 32 विभिन्न विनिर्माण संयंत्रों से 35 दवा रसायनों का विनिर्माण किया जा रहा है। इससे आत्मनिर्भर भारत को प्रोत्साहन मिलेगा। मंत्री ने कहा कि इससे दवा बनाने में कच्चे माले के रूप में इस्तेमाल होने वाले इन रसायनों के लिये देश की आयात निर्भरता में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि औषधि क्षेत्र के लिए शुरू की गई पीएलआई योजना को फार्मा उद्योग से बढ़िया समर्थन मिला है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि आने वाले समय में बाकी एपीआई का भी देश में विनिर्माण शुरू हो जाएगा। सरकार ने पिछले साल फार्मा उद्योग के लिए 15,000 करोड़ रुपये की पीएलआई योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत प्रोत्साहन के लिए 55 कंपनियां पात्र पाई गईं जिनमें सन फार्मा, अरबिंदो फार्मा, डॉ रेड्डीज लैब, ल्यूपिन, सिप्ला और कैडिला हेल्थकेयर भी शामिल हैं।

एयरटेल ने इंडस टावर्स में वोडाफोन समूह से 4.7 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया

नयी दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने अपनी पूर्ण अनुषंगी इकाई के साथ मिलकर इंडस टावर्स में वोडाफोन समूह की इकाई यूरोप पैसेफिक सिक्योरिटीज से 4.7 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। इन शेयरों की खरीद 187.88 रुपये प्रति शेयर के भाव पर की गई है। एयरटेल ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''...कंपनी ने अपनी अनुषंगी इकाई नेटल इंफ्रास्ट्रक्चर इनवेस्टमेंट्स लि. के साथ मिलकर इंडस टावर में 12,71,05,179 इक्विटी शेयर (करीब 4.7 प्रतिशत हिस्सेदारी) वोडाफोन समूह की इकाई यूरो पैसेफिक सिक्योरिटीज लि. से खरीदे हैं। यह अधिग्रहण 187.88 रुपये प्रति शेयर के भाव पर किया गया है।'' पिछले सप्ताह भारती एयरटेल ने कहा था कि वह वोडाफोन समूह से इंडस टावर्स में 4.7 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,388 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करेगी। इंडस टावर्स (पूर्व में भारती इंफ्राटेल) विभिन्न मोबाइल फोन सेवा परिचालकों के लिये दूरसंचार टावर और संचार ढांचे की तैनाती और प्रबंधन करती है।

विराट कोहली फिर चुने गए देश के अग्रणी सेलिब्रिटी ब्रांड, रणवीर सिंह ने अक्षय को पछाड़ा

मुंबई। क्रिकेटर विराट कोहली ने भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ने और साल भर में अपनी हैसियत में गिरावट आने के बावजूद देश के सबसे मूल्यवान सेलिब्रिटी ब्रांड के तौर पर अपना स्थान बरकरार रखा है। सलाहकार फर्म डफ एंड फेल्प्स की तरफ से मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि कोहली का ब्रांड मूल्य वर्ष 2021 में गिरकर 18.57 करोड़ डॉलर रह गया, जबकि वर्ष 2020 में यह 23.77 करोड़ डॉलर था। विराट के बाद दूसरा स्थान अभिनेता रणवीर सिंह का है जिनका ब्रांड मूल्य 15.83 करोड़ डॉलर आंका गया है। रणवीर ने इस दौरान अक्षय कुमार को पीछे छोड़ा है जो अब 13.69 करोड़ डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ वह तीसरे स्थान पर हैं। अभिनेत्री आलिया भट्ट इस सूची में चौथे स्थान पर हैं जिनकी ब्रांड कीमत 6.81 करोड़ डॉलर है। इसके साथ ही वह महिला सेलिब्रिटी के बीच सबसे आगे हैं। दीपिका पादुकोण 5.16 करोड़ डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ सूची में सातवें स्थान पर हैं।सेलिब्रिटी ब्रांड सूची तैयार करने वाली फर्म डफ एंड फेल्प्स के प्रबंध निदेशक अविरल जैन ने कहा कि इस सूची में फिल्म उद्योग से जुड़ी शख्सियतों का दबदबा है लेकिन कोहली, सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा और पी वी सिंधु जैसे खिलाड़ी भी इसमें दमदार मौजूदगी रखते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में ब्रांड मूल्य में दर्ज किए गए उछाल के मामले में रणवीर, आलिया और क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी आगे रहे हैं। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में डफ एंड फेल्प्स की मूल्यांकन सलाहकार सेवा के प्रमुख वरुण गुप्ता ने कहा, ''कारोबार एवं ब्रांड ने इस साल भी परंपरागत मंचों के साथ ब्रांड प्रोत्साहन के लिए सोशल मीडिया एवं अन्य ऑनलाइन मंचों का भी खूब सहारा लिया है।'' रिपोर्ट कहती है कि टेलीविजन अब भी विज्ञापनों का सबसे बड़ा जरिया है लेकिन डिजिटल मीडिया तेजी से आगे बढ़ रहा है और वर्ष 2023 में विज्ञापन व्यय के मामले में सबसे आगे निकल सकता है।

भारत-यूएई व्यापार समझौता पहली मई से होगा लागू : वाणिज्य मंत्री गोयल

नयी दिल्ली/दुबई। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) आगामी पहली मई से लागू होगा। इसके तहत दोनों देशों के बीच तमाम वस्तुओं का व्यापार शुल्क मुक्त हो जाएगा।

यह द्विपक्षीय समझौता भारत और यूएई के बीच इस समय व्यापार में शामिल करीब-करीब हर प्रकार की वस्तुओं पर लागू होने वाला है। इनमें भारत के व्यापार की दृष्टि से 11,908 प्रकार की वस्तुएं (टैरिफ लाइन) और संयुक्त अरब अमीरात की ओर से 7581 प्रकार की वस्तुओं को वरीयता के आधार पर व्यापार के प्रावधान शामिल किया गया हैं।

बयान के अनुसार इससे भारत को अपनी 97 प्रतिशत वस्तुओं पर यूएई द्वारा प्रदान की जाने वाली तरजीही बाजार पहुंच से लाभ होगा, जो मूल्य के संदर्भ में यूएई को भारतीय निर्यात का 99 प्रतिशत हिस्सा है।

इस समझौते के तहत भारत अपने यहां आयात की जाने वाली 90 प्रतिशत वस्तुओं पर यूएई को वरीयता के आधार पर बाजार उपलब्ध कराएगा। सेवाओं में व्यापार के संबंध में भारत ने लगभग 100 उप-क्षेत्रों में संयुक्त अरब अमीरात को बाजार पहुंच की पेशकश की है, जबकि भारतीय सेवा प्रदाताओं के पास 11 व्यापक सेवा क्षेत्रों जैसे व्यावसायिक सेवाएं, संचार सेवाएं, निर्माण और संबंधित इंजीनियरिंग सेवाएं, वितरण सेवाएं, शैक्षिक सेवाएं, पर्यावरण सेवाएं, वित्तीय सेवाएं, स्वास्थ्य संबंधी और सामाजिक सेवाएं, पर्यटन और यात्रा संबंधी सेवाएं, मनोरंजक सांस्कृतिक और खेल सेवाएं और परिवहन सेवाओं के से लगभग 111 उप-क्षेत्रों तक पहुंच होगी।

दोनों पक्ष इस समझौते में औषधियों के

व्यापार के बारे में एक अलग परिष्टि जोड़ने पर सहमत हुए हैं। जिससे भारतीय औषधियों को वहां बाजार मिलने में आसानी होगी। इसके तहत भारत में बनायी गयी दवाओं को वहां के विशिष्ट मानकों को संतुष्ट करने के बाद 90 दिन के अंदर स्वत: पंजीकरण और विपणन का अधिकार की अनुमति मिल जाएगी।

भारत-यूएई सीईपीए के तहत दोनों पक्षों ने पांच साल में द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इस समय द्विपक्षीय व्यापार 60 अरब डालर का है जिसमें भारतीय निर्यात 26 अरब डालर का है। इस समझौते से भारत के रोजगार प्रधान रत्न-आभूषण, कपड़ा, चमड़ा, जूते चप्पल, खेल के सामान, प्लास्टिक, फर्नीचर, कृषि एवं लकड़ी के सामान, इंजिनियरिंग उत्पाद, चिकित्सा उपकरण और वाहन उद्योग को फायदा होगा।

दुबई में भारत-यूएई व्यापार समझौते पर व्यावसायियों की एक बैठक को सोमवार को संबोधित करते हुए श्री गोयल ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक समझौता है और इसके साथ एक नयी शुरूआत हो रही है। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के संबंधों में बुनियादी बदलाव लाने वाला समझौता है।

गोयल ने कहा, यह करार करते हुए हमारे मन में यह नहीं था कि हम यूएई की केवल एक करोड़ की आबादी के साथ जुड़ रहे हैं, बल्कि हम दोनों पक्षों का यही सोचना था कि यह सीईपीए दोनों देशों के व्यवसायियों कहीं बहुत बड़े अवसरों के द्वार खोलने वाला समझौता है।

भारत-यूएई सीईपीए पर गत 18 फरवरी को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अबूधाबी के युवराज, यूएई सशस्त्र बलों के उप सर्वोच्च कमांडर और कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष शेख मोहम्मद बिन जायद अल-नाहयान के बीच भारत-यूएई ऑनलाइन शिखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे।

भारत-यूएई सीईपीए पिछले एक दशक में किसी भी देश के साथ भारत द्वारा हस्ताक्षरित पहला गहरा और पूर्ण मुक्त व्यापार समझौता है। यह समझौता एक व्यापक समझौता है, जिसमें माल के व्यापार, उत्पत्ति के नियम, सेवाओं में व्यापार, व्यापार के लिए तकनीकी बाधाएं (टीबीटी), स्वच्छता और पादप स्वच्छता (एसपीएस) उपाय, विवाद निपटान, प्राकृतिक व्यक्तियों की आवाजाही, दूरसंचार, सीमा शुल्क प्रक्रिया, फार्मास्युटिकल उत्पाद, सरकारी खरीद, आईपीआर, निवेश, डिजिटल व्यापार और अन्य क्षेत्रों में सहयोग संबंधी क्षेत्र शामिल हैं।

शक्कर में खरीदी, खाद्य तेलों में गिरावट, दलहनों में नरमी, दाल- चावल में पूछपरख

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में खरीदी साधारण रही। खाद्य तेलों में गिरावट हुई। आज सोयाबीन रिफाइंड तथा पाम तेल सस्ता बिका। दलहन में नरमी की रंगत रही। वहीं मसूर सस्ती बिकी। दालों में ग्राहकी बताई गई। चावल में उठाव सुधार लिए रहा।

किराना बाजार

शक्कर में उठाव रहा। आज शक्कर में कामकाज 3490 से 3540 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 07 गाड़ी आवक हुई। नारियल में लिवाली रही इससे भाव मजबूत रहे। खोपरा गोला तथा हल्दी में उठाव बना रहा। साबूदाना में लिवाली सुधार लिए बताई गई।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में गिरावट दर्ज की गई। आज सोयाबीन रिफाइंड तथा पाम तेल सस्ता बिका। तिलहन में सोयाबीन में प्लान्टो की लिवाली रही।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में आज दलहन नरमी लिए रहे। आज मसूर नीची बिकी। दालों में लिवाली से भाव ऊंचे बने रहे। चावल में खरीदी सुधार लिए रही।

किराना

शक्कर 3490 से 3540 रुपये प्रति क्विंटल। गुड़ भेली 2950 से 3000, कटोरा 3000 से 3050, लड्डू 3250 से 3300, मालवी गुड़ 3450 से 3500 रुपये प्रति क्विंटल। नारियल 120 भरती 1750 से 1800, 160 भरती 1750 से 1700, 200 भरती 1900 से 1950, 250 भरती 2200 से 2250 रुपये।

खोपरा गोला 200 से 220 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2500 से 4400 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 110 से 167 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4300 से 5000, पैकिंग में 5400 से 5600 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6200 से 6300, सोयाबीन 6000 से 6400 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1600 से 1620, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1505 से 1510, सोयाबीन साल्वेंट 1475 से 1480, पाम तेल 1535 से 1540 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

तुअर निमाड़ी 5500 से 6400, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6400 से 6600, तुअर (कर्नाटक) 6500 से 6700, चना (कांटा) 5025 से 5050, मसूर 6700 से 6750

मूंग 7200 से 7400, मूंग हल्की 6000 से 6800,

उड़द 6800 से 7000, उड़द मीडियम 5500 से 6000, उड़द हल्की 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 6000 से 6500, तुअर दाल सवा नंबर 8400 से 8500, तुअर दाल फूल 8600 से 8800, तुअर दाल नई 9100 से 9800, आयातित तुअर दाल 8200 से 8400, मसूर दाल 8000 से 8300, मूंग दाल 8800 से 9100, मूंग मोगर 9200 से 9500, उड़द दाल 8000 से 8300, उड़द मोगर 9100 से 9500 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7000 से 7500, राजभोग 6400 से 6500, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1420 से 1430, मैदा 1390 से 1400, आटा 1320 से 1340, चना बेसन 3250 से 3300 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड और पॉम ऑयल गरम

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार की स्थिरता के बीच स्थानीय स्तर पर आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड और पॉम ऑयल में तेजी रही। इस दौरान दाल दलहन के साथ ही मीठे के बाजार में टिकाव रहा जबकि गेहूँ 10 रुपये चढ़ गया।

तेल-तिलहन = वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा 132 रिंगिट चढ़कर 6248 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.44 सेंट की तेजी के साथ 73.73 सेंट प्रति पौंड बोला गया

स्थानीय स्तर सूरजमुखी तेल 147 रुपये प्रति क्विंटल, पॉम ऑयल 146 रुपये और सोया रिफाइंड 176 रुपये प्रति क्विंटल महंगा गया। इस दौरान वनस्पति , मूंगफली तेल और सरसों तेल में टिकाव रहा।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार टिकाव रहा। इस दौरान गुड़ और चीनी के भाव में टिकाव रहा।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मूंग दाल, मसूर दाल, चना दाल, उड़द दाल, अरहर दाल और चना के भाव टिके रहे।

अनाज : अनाज मंडी में चावल में टिकाव रहा जबकि गेहूँ 10 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे

दाल-दलहन :चना 4650-4750,दाल चना 5750-5850, मसूर काली 8600-8700, मूंग दाल 8900-9000, उड़द दाल 9500-9600, अरहर दाल 8300-8400 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज :(भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल = 2600-2700 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3570-3670, चीनी एम. 3660-3760, मिल डिलीवरी 3450-3550 और गुड़ 3000-3100 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 19267 रुपये, मूंगफली तेल 19413 रुपये, सूरजमुखी तेल 19121 रुपये, सोया रिफाइंड 17875 रुपये, पाम ऑयल 16264 रुपये और वनस्पति तेल 17215 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

अडानी पावर का शेयर 52 हफ्ते के टॉप पर, छह दिन में उछल चुका है 40 परसेंट

नई दिल्ली। देश के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की कंपनी अडानी पावर का शेयर आज 17 फीसदी से अधिक छलांग के साथ 52 हफ्ते के टॉप पर पहुंच गया। इस शेयर में लगातार छठे दिन तेजी आई है और इस दौरान यह 40 फीसदी से अधिक चढ़ चुका है। कंपनी ने छह सहयोगी कंपनियों का विलय की योजना को मंजूरी दी थी। उसके बाद से इसके शेयरों में लगातार तेजी आ रही है। आज यह कारोबार के दौरान करीब 17 फीसदी उछाल के साथ 181 रुपये पर पहुंच गया जो इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। दोपहर बाद तीन बजे यह 16.37त्न की तेजी के साथ 177.05 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 67,700 करोड़ रुपये के ऊपर पहुंच गया। इस तरह कंपनी मार्केट कैप के लिहाज से देश की टॉप 70 कंपनियों में शामिल हो गई। इस लिस्ट में मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज करीब 1,773,546.14 करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ पहले नंबर पर है।

छह कंपनियों का होगा विलय

पिछले हफ्ते अडानी पावर के बोर्ड ने अडानी पावर महाराष्ट्र, अडानी पावर राजस्थान लिमिटेड, अडानी पावर मुंद्रा लिमिटेड, उडुपी पावर कॉर्प लिमिटेड, रायपुर एनरजन लिमिटेड और रायगढ़ एनर्जी जेनरेशन लिमिटेड के मर्जर की योजना को मंजूरी दी थी। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अडानी पावर का नेट प्रॉफिट 218.49 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले इस अवधि में कंपनी को 288.74 करोड़ का नुकसान हुआ था।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाइयों को मजबूत करने के लिए सामूहिक प्रयास कर रही है सरकार : राणे

नयी दिल्ली। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि इस क्षेत्र की इकाइयां देश की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार की गति बढ़ाने की एजेंट हैं और उन्हें अंगुली का सहारा देने तथा मजबूत करना बहुत जरुरी है।

श्री राणे ने कहा कि लंबे समय तक भारत में एमएसएमई क्षेत्र को सीमित संसाधनों के साथ जीना पड़ा, पर इस क्षेत्र ने देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार एमएसएमई इकाइयों के महत्व को देखते हुए उन्हें मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर सामूहिक प्रयास कर रही है। श्री राणे राष्ट्रीय राजधानी में भारत के एमएसएमई क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ाने के विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठि का उद्घाटन कर

रहे थे। इसका आयोजन अहमदाबाद के संगठन एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) ने एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से किया है। उद्घाटन सत्र को एमएसएमई मंत्रालय में राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने भी संबोधित किया।

राणे ने कहा,वर्तमान सरकार ने अब यह अच्छी तरह सुनिश्चित किया है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों को वित्तीय संस्थाओं से बिना बाधा के कर्ज मिले, उन्हें विकास और आधुनिकीकरण के लिए नयी प्रौद्योगिकी मिलें, उन्हें निर्यात बाजार मिलने में आसानी हो, उनके लिए बुनियादी सुविधाएं अच्छी हों, उन्हें प्रशिक्षण का लाभ मिलें, क्षमता बढ़ाने की सुविधा हो और उनमें कार्यरत श्रमिकों के कल्याण में वृद्धि हो।

उन्होंने कहा, सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र की इकाइयों के लिए नए अवसर उत्पन्न करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए मिल-जुलकर प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्यमंत्री ने कहा कि भारत के लिए आर्थिक क्षेत्र संबंधित फैसलों और रणनीतियों के मामले में यह एक उल्लेखनीय कालखंड हैं। देश उद्यमशीलता, स्टार्ट-अप और नवप्रवर्तन के प्रवेश तथा एमएसएमई इकाइयों को प्रोत्साहित कर अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है। आज सरकारी नीतियों में प्रगतिशील बदलाव सुधार हो रहे हैं।

ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ सुनिल शुक्ला ने कहा कि उनका संगठन मंत्रालय के साथ मिलकर संकुल विकास, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, अनुसंधान और नीतिगत सुझावों के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर रहा है।

इस सम्मेलन में भारत के अलावा सिंगापुर, पेरु, लाओस, रवांडा, म्यांमार, रूस, उज्बेकिस्तान, स्पेन और ईरान के विशेषज्ञ अपने देश के अनुभव प्रस्तुत करेंगे।

पांचवें दिन भी बढ़े ईंधन के दाम, दिल्ली में पेट्रोल 100 रूपये के पार

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन करने वाली कंपनियों ने मंगलवार को लगातार पांचवें दिन पेट्रोल और डीजल के दामों में बढोत्तरी की। इस इजाफे के साथ राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 100 रूपये प्रति लीटर के पार हो गया है।

दिल्ली में आज 80 पैसे के उछाल के साथ पेट्रोल की कीमत 100.21 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 70 पैसे बढ़कर 91.47 रूपये प्रति लीटर हो गया। जबकि सोमवार को पेट्रोल 99.41 रूपये और डीजल 90.77 रूपये प्रति लीटर था।

मुंबई में पेट्रोल के दाम 85 पैसे से बढ़कर 115.04 रूपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 75 पैसे की वृद्धि के साथ 99.25 रूपए प्रति लीटर हो गए हैं।

तेल कंपनियों ने 137 दिनों की स्थिरता के बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी शुरू कर दी है। जिससे अब तक बीते आठ दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमत सात बार बढ़ चुकी है। रूस के यूक्रेन पर हमला करने के कारण वैश्विक स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने की आशंका में इनकी कीमतों में उछाल आया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चा तेल इसके कारण 13 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। लंदन ब्रेंट क्रूड आज 1.31 प्रतिशत गिरकर 111.01 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 1.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.75 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की नित्य प्रतिदिन समीक्षा होती है और उसके आधार पर प्रतिदिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम

महानगर.....पेट्रोल.....डीजल (रूपए प्रति लीटर)

दिल्ली.....100.21.....91.47

कोलकाता .....109.68.....94.62

मुंबई .....115.04.....99.25

चेन्नई.....105.94.....96.00

दिल्ली में आज 80 पैसे के उछाल के साथ पेट्रोल की कीमत 100.21 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 70 पैसे बढ़कर 91.47 रूपये प्रति लीटर हो गया। जबकि सोमवार को पेट्रोल 99.41 रूपये और डीजल 90.77 रूपये प्रति लीटर था।

'रात के समय की अर्थव्यवस्था' को समर्थन के लिए समानांतर व्यवस्था की जरूरत

नयी दिल्ली। राजधानी के रेस्तरां मालिकों ने कहा है कि 'रात के समय की अर्थव्यवस्था' (नाइट-टाइम इकनॉमी) को समर्थन देने के लिए दिल्ली में रात में सिर्फ खान-पान की दुकानों को खोलने की अनुमति देना काफी नहीं होगा, बल्कि एक समानांतर व्यवस्था बनाने की जरूरत होगी।उन्होंने कहा कि खान-पान की दुकानों के साथ ही कार्यालयों तथा सिनेमाघरों को भी देर रात तक खोलने की व्यवस्था की जानी चाहिए, तभी ग्राहक बाजार में आएंगे।

रेस्तरां मालिकों ने साथ ही राज्य सरकार को देर रात में सुरक्षा को सुनिश्चित करने को एक योजना तैयार करने का भी सुझाव दिया है।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने हाल में पेश वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में क्लाउड किचन के लिए जमीन उपलब्ध कराने, प्रमुख खाद्य केंद्रों के पुनर्विकास और राज्य में फूड-ट्रक नीति शुरू करने जैसे उपायों की घोषणा की है। सरकार की नई आबकारी नीति के तहत होटल, क्लब और रेस्तरां में 'बार' को देर रात तक खोलने की अनुमति देने की योजना है।

इसी संबंध में दिल्ली के कनॉट प्लेस में एक लोकप्रिय खान-पान की दुकान में काम करने वाले करण श्रीवास्तव ने कहा कि दुकानें देर रात तक तभी खुली रहेंगी, जब कारोबार करने की कोई गुंजाइश होगी।

उन्होंने कहा कि सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि कार्यालय और सिनेमा हॉल भी देर रात तक खुले रहें ताकि ग्राहकों का आना जाना लगा रहे और खाना बर्बाद न हो।

वहीं आईटीओ इलाके में एक स्टॉल चलाने वाले मदन तनेजा ने कहा कि दुकानों को तभी फायदा होगा जब देर रात में भी ग्राहक आएंगे।

उन्होंने कहा, ''देर रात में आमतौर पर ज्यादा ग्राहक नहीं आते। इसलिए दुकानों को ज्यादा रात तक खोलने का कोई फायदा नहीं है।

शार्ट न्यूज

दिल्ली के सतनाम सिंह बने बॉक्सिंग चैंपियन, जीता पहला डब्ल्यूबीसी इंडिया फेदरवेट टाइटल

नयी दिल्ली। पुणे के अमेय नितिन और दिल्ली के सतनाम सिंह के बीच 10 राउंड के सनसनीखेज बॉक्सिंग मुकाबले के बाद सतनाम सिंह ने जीत दर्ज की। उन्होंने इस मुकाबले को जीतकर पहले डब्ल्यूबीसी इंडिया फेदरवेट टाइटल की बेल्ट अपने नाम कर ली। दोनों मुक्केबाजों के बीच मुकाबला बेहद करीबी था। लेकिन सतनाम ने इसमें बहुमत के फैसले से जीत दर्ज की। यह दोनों मुक्केबाजों के बीच रात में हुआ सबसे शानदार मुकाबला था। दोनों मुक्केबाजों के बीच पूरे 10 राउंड तक जबर्दस्त मुकाबला हुआ। शुरू से लेकर अंत तक यह हाई क्वॉलिटी का रोंगटे खड़े कर देने वाला रोमांचक और सनसनीखेज मुकाबला था। यह प्रोफेशनल बॉक्सिंग का जबर्दस्त मुकाबला था, जिसमें दोनों ही मुक्केबाजों अमेय और सतनाम ने एक-दूसरे को हराने की कोशिश करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। इस मुकाबले में दोनों मुक्केबाजों के प्रयास देखकर लगता था कि दोनों ही इस टाइटल की बेल्ट को अपने नाम करना चाहते थे। दोनों मुक्केबाजों के बीच यह मुकाबला कभी एक पलड़े तो कभी दूसरे पलड़े में झुकता रहा। हार और जीत का फैसला करना वाकई काफी मुश्किल काम था। सतनाम ने इस मुकाबले में ज्यादा लचीलापन संयम और स्टेमिना दिखाया। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाज पर काफी तगड़े प्रहार किए। इससे वह बहुमत के फैसले से नतीजे को अपने पक्ष में मोड़ने में सफल रहे। उन्होंने 91-99, 94-96 और 95-95 के अंतर से मुकाबले में जीत हासिल की। यह न केवल इस रात का सबसे कांटे का मुकाबला था, बल्कि यह पूरे यूएफबी फाइट क्लब सीजन 1 का दिलचस्प, रोमांचक और सनसनीखेज मुकाबला था।

यंग के शतक से न्यूजीलैंड ने नीदरलैंड को सात विकेट से हराया

माउंट माउंगानुई। ब्लेयर टिकनर (50 रन पर चार विकेट) तथा काइल जैमिसन (45 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी और फिर विल यंग (103 नाबाद) के शानदार नाबाद शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने यहां मंगलवार को पहले वनडे मैच में नीदरलैंड को सात विकेट से एकतरफा अंदाज में हरा दिया। मेहमान नीदरलैंड ने टॉस जीत कर बल्लेबाजी चुनी, लेकिन वह बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर पाया। न्यूजीलैंड की घातक गेंदबाजी के आगे नीदरलैंड की टीम 49.4 ओवर में 202 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में न्यूजीलैंड ने यंग के नाबाद शतक और हेनरी निकोल्स की अर्धशतकीय पारी के दम पर 38.3 ओवर में तीन विकेट पर 204 रन बना कर आसानी से मैच जीत लिया और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। यंग को मैच विजयी शतकीय पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 114 गेंदों पर नाबाद 103, जबकि निकोल्स ने तीन चौकों और एक छक्के के सहारे 79 गेंदों पर 57 रन बनाए। इससे पहले गेंदबाजी में टिकनर ने 10 ओवर में 50 रन पर चार और जैमिसन ने 9.4 ओवर में 45 रन पर तीन विकेट लिए। मैट हेनरी, कॉलिन डी ग्रैंडहोम और माइकल ब्रेसवेल को एक-एक विकेट मिला। नीदरलैंड की ओर से माइकल रिपन ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने बल्ले के साथ चार चौकों और एक छक्के की मदद से 97 गेंदों पर 67 रन बनाए और गेंदबाजी में आठ ओवर में 32 रन पर दो विकेट लिए। कप्तान पीटर सीलार ने भी तीन चौकों के सहारे 75 गेंदों पर 43 रन बनाए।

भारत, इंग्लैंड के बीच महिला एफआईएच प्रो लीग के डबल हेडर मैच स्थगित

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ की घोषणा के बाद हॉकी इंडिया ने पुष्टि की है कि इंग्लैंड महिला टीम को दो और तीन अप्रैल को एफआईएच प्रो लीग के डबल-हेडर मैचों के लिए भारत की अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी है, क्योंकि टीम के कई सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं, जबकि कुछ चोटों के कारण अनुपलब्ध हैं। भारतीय पुरुष और इंग्लैंड पुरुष टीम के बीच हालांकि मैच निर्धारित शेड्यूल के अनुसार ही खेले जाएंगे। मैदान पर उतरने वाली दो विश्व स्तरीय टीमों की बहुत उम्मीद थी, क्योंकि दुनिया भर के हॉकी प्रशंसक भारतीय महिला टीम और इंग्लैंड को एक-दूसरे से भिड़ते हुए देखने के लिए उत्सुक थे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबम ने भारत और इंग्लैंड महिला हॉकी टीम के मैचों के पुनर्निर्धारण पर टिप्पणी करते हुए कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इंग्लैंड महिला हॉकी टीम को भुवनेश्वर में सप्ताहांत के मैचों के लिए अपनी भारत यात्रा रद्द करनी पड़ी है। हम समझते हैं कि यह हर टीम के लिए चुनौतीपूर्ण समय है, क्योंकि हम सभी कोरोना महामारी से जूझ रहे हैं।

टी-20 प्रारूप में खेला जाएगा अंडर-19 महिला विश्व कप 2023

वेलिंगटन। जनवरी 2023 में आयोजित होने वाला पहला आईसीसी अंडर-19 महिला क्रिकेट विश्व कप टी-20 प्रारूप में खेला जाएगा। एक हफ्ते के अंदर बोर्ड की बैठक में मेजबान देश का फैसला किया जाएगा। आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। एलार्डिस ने न्यूजीलैंड में महिला विश्व कप 2022 के नॉकआउट मैचों से पहले ऑनलाइन मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, अंडर-19 विश्व कप जनवरी 2023 में निर्धारित है, जिसका प्रारूप टी-20 होगा। टूर्नामेंट के मेजबान का फैसला एक हफ्ते के अंदर बोर्ड की बैठक में किया जाएगा। आईसीसी के सीईओ ने यह भी कहा कि जुलाई 2022 में महिला क्रिकेट टूर्नामेंटों (2024-27) के अगले चक्र के मेजबानों की पुष्टि की जाएगी। उल्लेखनीय है कि आईसीसी ने अक्टूबर 2019 में बोर्ड की बैठक के दौरान पहला महिला अंडर-19 विश्व कप आयोजित करने का फैसला किया था। मूल रूप से अंडर-19 महिला विश्व कप जनवरी 2021 में होने वाला था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे दिसंबर 2021 तक स्थगित कर दिया। फिर जनवरी 2022 में एलार्डिस ने एक बयान में कहा था कि टूर्नामेंट काफी हद तक आयोजन के करीब था, लेकिन कोरोना महामारी ने अड़चन डाल दी।

केकेआर के खिलाफ बेंगलुरु को करना होगा अपनी गेंदबाजी में सुधार

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ बुधवार को होने वाले आईपीएल मुकाबले में अपनी गेंदबाजी में सुधार करना होगा। कोलकाता ने अपने पहले मुकाबले में गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स को एकतरफा अंदाज में छह विकेट से शिकस्त दी थी जबकि बेंगलुरु की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ दो विकेट पर 205 रन का विशाल स्कोर बनाने के बावजूद उसका बचाव नहीं कर पायी थी। बेंगलुरु को अगले मुकाबले में जीत की पटरी पर लौटना है तो उसे अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग में भी सुधार करना होगा। बेंगलुरु के गेंदबाजों ने मैच में 21 वाइड सहित 22 अतिरिक्त रन भी दिए थे। इस मुकाबले में कप्तान फाफ डु प्लेसिस (88) ने विस्फोटक अर्धशतक बनाया था जबकि पूर्व कप्तान विराट कोहली (नाबाद 41) तथा अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने तूफानी पारियां खेली थीं। लेकिन पंजाब ने पूरी हिम्मत के साथ लक्ष्य का पीछा करते हुए 19 ओवर में ही मैच जीत लिया था। कप्तान मयंक अग्रवाल ने 32, शिखर धवन ने 43, भानुका राजपक्षे ने 43 और लियाम लिविंगस्टोन ने 19 रन बनाये जबकि घरेलू क्रिकेट में अपना नाम बना चुके शाहरुख खान ने एक चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 24 और ओडीन स्मिथ ने मात्र आठ गेंदों में एक चौके और तीन आतिशी छक्कों की मदद से माबाद 25 रन बनाकर 19 ओवर में मैच निपटा दिया।

नेशनल पोकर सीरीज के फाइनल टेबल्स पर राजस्थान और गोवा के बाज़ीगरों ने बिखेरा रंग

नयी दिल्ली। भारत की सबसे विख्यात और नामी पोकर सीरीज नेशनल पोकर सीरीज इंडिया (एनपीएस) 2022 जिसकी शुरुआत 6 मार्च से हुई थी, अपने अंतिम चरण में पहुंचकर शानदार ढंग से समाप्त हुई। हाल में खेले गए फाइनल तीन टेबल्स का आयोजन मैजेस्टिक प्राइड, गोवा में हुआ। इसमें भारत के टॉप पोकर प्रतिस्पर्धियों के बीच काफी रोमांचक मैच हुए।इस टूर्नामेंट की मेजबानी पोकरबाज़ीडॉटकॉम पर हुई थी।

इसके समापन के साथ, जयपुर, राजस्थान की शगुन जैन चार गोल्ड मेडल्स और दो सिल्वर (50 पॉइंट्स) के साथ एनपीएस पोडियम (मेडल लीडरबोर्ड) में पहले स्थान पर रहीं और उन्होंने 10 लाख रूपये का पैकेज जीता। वहीं चूरू, राजस्थान के रोहित बेगवानी चार गोल्ड मेडल्स (40) पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे और उन्होंने 7.5 लाख रूपये का पैकेज जीता। पोडियम में तीसरे स्थान पर मुंबई के धवल दोषी रहे, जिन्हें 1 गोल्ड और 3 सिल्वर (25 पॉइंट्स) के साथ 2.5 लाख रूपये का पैकेज मिला। यह तीनों पोडियम फिनिशर्स विश्व में पोकर के सबसे बड़े मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिये लास वेगास जाएंगे।

दूसरी ओर, फाइनल टेबल्स के अंतर्गत भारत के शीर्ष खिलाड़ियों के बीच मुकाबला हुआ। पहली फाइनल टेबल थी - एनपीएस सुपर हाई रोलर। इसे गोवा के कार्तिक वेद ने जीता और गोल्ड हासिल किया। हल्दवानी, उत्तराखण्ड के विपिन पंटोला को सिल्वर मिला, जबकि तीसरा स्थान और ब्रॉन्ज मेडल गोवा के गोकुल राज ने जीता। इनामी राशि के रूप में उन्हें क्रमश: 22.09 लाख, 15.50 लाख और 9.97 लाख रूपये पुरस्कृत किए गए। दूसरे फाइनल टेबल एनपीएस मेन इवेंट 'में गोवा के चिराग सोढा ने गोल्ड और 44.84 लाख रूपये जीते। झारखण्ड के एक छोटे से कस्बे गुमला के रितेश कुमार ने दूसरा स्थान हासिल कर 39.34 लाख रूपये के पुरस्कार का हकदार बन सभी को हैरानी में डाल दिया। वहीं तीसरे स्थान पर दिल्?ली के आशुतोष बलोधी रहे, जिन्होंने ब्रॉन्ज मेडल और 20.90 लाख रूपये की राशि जीती।

इस इवेंट के अंतिम दिन, नेशनल पोकर सीरीज के सबसे लोकप्रिय इवेंट एनपीएस गोल्डन रश का आयोजन हुआ। 550 रूपये के बाय-इन वाले इस इवेंट में करीब 15,000 एंट्रीज आईं थीं। इसे चेन्नई के संकेश कुमार ए जैन ने जीता उन्हें 9 लाख रूपये और गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। सिल्वर मेडल और 7.01 लाख रूपये बेंगलुरू, कर्नाटक के अरबाज़ अहमद ने जीता, जबकि ब्रॉन्ज मेडल और 4.38 लाख रूपये का खिताब जालोर, राजस्थान के दिलीप कुमार को प्रदान किया गया।

सबसे ज्यादा मेडल पाने वाले शीर्ष 5 राज्य रहे - महाराष्ट्र (46 मेडल्स), नई दिल्ली (36 मेडल्स), राजस्थान (35 मेडल्स), उत्तर प्रदेश (27 मेडल्स) और हरियाणा (21 मेडल्स)। एनपीएस के दौरान 84 टूर्नामेंट्स में 252 मेडल्स दिये गये।

ट्विटर द्वारा केवल भारत के लिए एंड्रॉयड पर की जा रही है क्रिकेट टैब की टेस्टिंग

नयी दिल्ली। हर दिन लोग यह जानकारी लेने के लिए ट्विटर पर आते हैं कि इस समय देश में क्या घटनाएं घट रही हैं और उनकी दिलचस्पी के क्षेत्र में क्या नया हो रहा है। इस सर्विस पर लोग अपनी दिलचस्पी और जुनून के जिन अलग-अलग क्षेत्रों को फॉलो करते हैं, उसमें क्रिकेट भी एक है। दरअसल, भारत में ट्विटर पर 75 प्रतिशत लोगों की पहचान क्रिकेट फैंस के रूप में की गई है, जबकि इनमें से 58 फीसदी लोग क्रिकेट खेलते हैं। जनवरी 2021 से जनवरी 2022 के बीच ट्विटर पर 4.4 मिलियन भारतीयों ने क्रिकेट के बारे में 96.2 मिलियन ट्वीट्स साझा किए हैं।

इस सीजन में ट्विटर ने अपने फैंस को अपनी पसंदीदा दूसरी स्क्रीन से चिपके रहने का मकसद दिया है। इस हफ्ते की शुरुआत से इस सर्विस के तहत एक्सप्लोर पेज पर क्रिकेट टैब को टेस्ट किया जाएगा। यह भारत में उन कुछ लोगों के लिए प्रयोग होगा जो एंड्रॉयड पर ट्विटर का इस्तेमाल करते हैं। यह टैब एक इकलौता डेस्टिनेशन होगा, जो खोज के माध्यम की तरह काम करेगा। यहां आकर लोग यह खोज सकेंगे कि क्रिकेट में आजकल क्या नया हो रहा है। इसी के साथ उन्हें यहां क्रिकेट के बारे में प्रासंगिक, एक्सक्लूसिव और ट्विटर पर पहली बार नवीनतम जानकारी मिलेगी।

ट्विटर इंडिया के लिए प्रॉडक्ट के निदेशक शिरीष अंधारे ने प्रयोग के बारे में बताते हुए कहा, ट्विटर भारत में लाखों लोगों के लिए मेगाफोन बन गया है, जो भारत में होने वाली नई-नई गतिविधियों पर चर्चा करने के लिए ट्विटर पर आते हैं। हम इस सर्विस पर लगातार होने वाली बातचीत से सीखते हैं। वह हमें अपने यूजर्स के लिए इस सर्विस पर नया-नया कंटेंट पेश करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। चूंकि भारत में क्रिकेट के फैंस का बड़ा वर्ग भारत में अपनी टीम के होम स्टेडियम से कहीं ज्यादा दूर-दूर तक फैला है और हर फैन हर मैच को नहीं देख सकता और उसमें प्रत्यक्ष रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करा सकता।

अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय कलात्मक जिमनास्टिक महिला चैंपियनशिप का आगाज

अमृतसर। अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय कलात्मक जिमनास्टिक महिला और लयबद्ध जिमनास्टिक महिला चैंपियनशिप का उद्घाटन आज यहां विश्वविद्यालय परिसर के इंडोर मल्टीपर्पज हॉल में किया। गया। चैंपियनशिप में विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 500 जिमनास्ट वाली 100 टीमें भाग ले रही हैं। खेल निदेशक डॉ. सुखदेव सिंह ने मंगलवार को कहा कि खिलाड़ी के लिए खेल भावना एक महत्वपूर्ण तत्व है जो दोस्ती, सम्मान और व्यवस्था को प्रज्वलित और बनाए रखता है। उन्होंने कहा, हमें खेल भावना को प्रोत्साहित करना चाहिए, क्योंकि यह हमारे अंदर सकारात्मक गुणों का विकास करती है जो कटुता, घृणा और ईर्ष्या से बचाती है। स्पोर्ट्समैनशिप बिल्कुल सही है और जीवन के सभी पहलुओं में इसका अभ्यास किया जाना चाहिए। सिंह ने कहा कि कलात्मक जिम्नास्टिक और रिदमिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप का समापन 31 मार्च को होगा। उद्घाटन समारोह में खेल विभाग के सहायक निदेशक डॉ. कंवर मनदीप सिंह और विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मनिका-अर्चना की भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में

दोहा। मनिका बत्रा और अर्चना कामथ की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने मंगलवार को यहां क्वार्टर फाइनल में हांगकांग की सू वाई याम मिन्त्री और ली हो चिंग को 13-11, 8-11, 11-5, 13-11 से हराकर 2022 डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर टेबल टेनिस टूर्नामेंट के महिला युगल के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

मैच ने पहले गेम में ही रफ्तार पकड़ ली, जिसमें छठी वरीयता प्राप्त भारत जोड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए हांगकांग की जोड़ी को 13-11 से हरा दिया। मनिका और अर्चना हालांकि अगले गेम में मामूली बढ़त हासिल करने के बाद 8-11 से हार गईं। इसके बाद दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतरीन वापसी की और तीसरा गेम 11-5, जबकि चौथा गेम 13-11 से जीत लिया। भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में ताइपे की ली यू-झुन और चेंग आई-चिंग से भिड़ेगी।

इस बीच मनिका और जी साथियान की सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी कल रात स्पेन की मारिया जिओ और अल्वारो रॉबल्स से 1-3 (7-11, 11-9, 7-11, 5-11) से हार कर पहले दौर से बाहर हो गई।

इससे पहले शरत कमल और मानव विकास ठक्कर को पुरुष युगल में स्पेन के रॉबल्स और रोमानिया के ओविडिउ इओनेस्कु से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। शरत पुरुष एकल में 2-0 से बढ़त लेने के बाद जर्मनी के डांग किउ से अपना दूसरे दौर का मैच हार गए। चीनी मूल के जर्मन खिलाड़ी ने 7-11, 7-11, 11-5, 11-3, 11-7 से जीत हासिल की। वहीं साथियान 0-2 से पिछड़ते के बाद शानदार वापसी करते हुए स्वीडन के मटियास फाल्क को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। साथियान ने पांच गेमों के कड़े संघर्ष में 8-11, 3-11, 11-6, 11-7, 11-6 से जीत हासिल की। प्री-क्वार्टर फाइनल में उनका सामना स्वीडन के क्रिस्टियन कार्लसन से होगा।

इसके अलावा मनिका ने महिला एकल के राउंड ऑफ 32 में विश्व की 26वें नंबर की खिलाड़ी जर्मनी की शियाओना शान को हरा कर अगले दौर में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 48वें स्थान पर मौजूद मनिका ने 7-11, 11-6, 11-7, 11-9 से जीत हासिल की।

मनिका ने पहले गेम में हार के बाद शानदार वापसी की और उच्च रैंकिंग वाली शियाओना को पछाड़ा। वह अब प्री-क्वार्टर फाइनल में जर्मनी की यिंग हान से भिड़ेंगी, जो विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर हैं।

जयशंकर ने बिम्सटेक में लिया हिस्सा, आतंकवाद समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

कोलम्बो/नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कोलंबो में 18वीं बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया और अन्य मुद्दों के साथ आतंकवाद, हिंसक चरमपंथ और साइबर हमलों से निपटने के सामूहिक तरीकों पर चर्चा की। डॉ. जयशंकर ने आतिथ्य सत्कार के लिए अपने श्रीलंकाई समकक्ष जीएल पेइरिस को धन्यवाद देने के बाद ट्वीट कर कहा, हमने विशेष रूप से संपर्क, ऊर्जा और

समुद्री सहयोग के क्षेत्रों को तीव्र और विस्तारित करने की हमारी प्रतिबद्धता पर बल दिया। इस उद्देश्य के लिए हम सक्रिय व्यापार सहयोग और साझा परियोजनाओं को प्रोत्साहित करेंगे।

विदेश मंत्री ने प्रमुख मुद्दों के रूप में बंदरगाह सुविधाओं, नौका सेवाओं, तटीय जहाजरानी, ग्रिड कनेक्टिविटी और मोटर वाहनों की आवाजाही पर सहयोग का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, आतंकवाद, हिंसक चरमपंथ, अंतरराष्ट्रीय अपराध, साइबर हमलों और मादक पदार्थों की तस्करी का सामूहिक रूप से मुकाबला करना चाहिए। हम कल शिखर सम्मेलन में अपने चार्टर और मास्टर प्लान को अपनाने के लिए तत्पर हैं। गौरतलब है कि बिम्सटेक एक क्षेत्रीय बहुपक्षीय संगठन है। इसके सदस्य बंगाल की खाड़ी के तटवर्ती और आस-पास के क्षेत्रों के देश हैं और इसमें बंगलादेश, भूटान, भारत, नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार और थाईलैंड शामिल हैं।

विल स्मिथ ने ऑस्कर समारोह में रॉक को थप्पड़ मारने पर मांगी माफी

लॉस एंजेलिस। विल स्मिथ ने ऑस्कर के प्रस्तुतकर्ता क्रिस रॉक से समारोह में उन्हें थप्पड़ मारने के लिए माफी मांगते हुए कहा कि उनका बर्ताव 'अस्वीकार्य और अक्षम्य' है। विल ने सोमवार को इंस्टाग्राम पोस्ट संदेश में कहा, हिंसा किसी भी रूप में जहरीली होती है और यह चीजों को खराब करती है। बीती रात अकादमी पुरस्कारों में मेरा व्यवहार कतई स्वीकार योग्य नहीं है और यह अक्षम्य है। मुझपर किया किसी भी तरह का मजाक मुझे स्वीकार है और मैं इसे काम का हिस्सा मानता हूं, लेकिन मेरी जेडा (विल स्मिथ की पत्नी) की मेडिकल स्थिति पर मजाक मेरे लिए असहनीय हो गया और मैं उसे बर्दाश्त नहीं कर सका और मैंने भावात्मक रूप से अपनी यह प्रतिक्रिया दी।

मीडिया, शिक्षा पर नियंत्रण के लिए अमेरिका ने की तालिबान की निंदा

वाशिंगटन। अमेरिका ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार की अफगानी लोगों की आजादी और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया स्रोतों पर पाबंदी लगाने की कड़ी निंदा की है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया सूत्रों ने मंगलवार को जानकारी दी।

विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि वॉयस ऑफ अमेरिका, ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन और ड्यूश वेले जैसे मीडिया आउटलेट के अनुसार, तालिबान के नए, प्रतिबंधात्मक और अप्रकाशित दिशानिर्देशों के कारण उनके स्थानीय प्रसारण भागीदारों को देश में उनके प्रोग्रामिंग को प्रसारित करने से रोक दिया गया है।

वॉयस ऑफ अमेरिका, ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन और ड्यूश वेले जैसे मीडिया आउटलेट ने बताया है कि तालिबान के नए, प्रतिबंधात्मक और अप्रकाशित दिशानिर्देशों के कारण उनके स्थानीय प्रसारण भागीदारों को देश में उनके प्रोग्रामिंग को प्रसारित करने से रोक दिया गया है।

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय स्थानीय चैनलों को बंद कर दिया। बीबीसी के अलावा, वॉयस ऑफ अमेरिका, जर्मन कंपनी ड्यूश वेले और चीन ग्लोबल टेलीविजन नेटवर्क को बंद कर दिया। अमेरिका ने लड़कियों के लिए स्कूल खोलने के अपने फैसले से मुकरने पर तालिबान की निंदा की है। प्राइस ने बताया कि तालिबान अफगानिस्तान को गलत दिशा में ले जा रहा है और अपने द्वारा किए गए वादे को पूरा करने में भी असफल रहा है। तालिबान छात्राओं के स्कूल खोलने से मुकर गया। उन्होंने कहा, तालिबान नहीं चाहता है कि अफगान के लोगों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच वार्तालाप जारी रहे। प्रवक्ता ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मानवीय अधिकार है और तालिबान उनके अधिकारों को छीन रही है। तालिबान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से वार्तालाप की स्वीकृत नहीं दी है। उन्होंने कहा, हम तालिबान के खिलाफ कदम उठाने का आग्रह कर रहे हैं क्योंकि उसके द्वारा लगाई पाबंदियां अफगान के लोगों के अधिकारों का उल्लंघन है और हम हमेशा की तरह अफगान के लोगों के साथ खड़े हैं।

यूक्रेन में अमेरिकी सेना की तैनाती नहीं : बाइडेन

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन में अमेरिकी सेना की किसी भी संभावित तैनाती का खंडन करते हुए कहा कि उनके शब्दों का गलत अर्थ निकाला गया। उन्होंने पोलैंड में अमेरिकी सैनिकों द्वारा यूक्रेन के सैनिकों को प्रशिक्षित करने की बात कही थी। पोलैंड में 82वें एयरबोर्न डिवीजन की अपनी यात्रा के दौरान श्री बाइडेन ने कहा था कि अमेरिकी सैनिकों को यूक्रेनी बहादुरी के कई उदाहरण दिखाई देंगे, जब वे 'वहां' होंगे। बाइडेन ने अपनी पिछली टिप्पणियों के बारे में सोमवार को पूछे गए एक सवाल का जवाब में कहा, आप इस तरह से शब्दों की व्याख्या करते हैं। मैं सैनिकों से बात कर रहा था। हम सैनिकों को प्रशिक्षित करने में मदद करने के बारे में बात कर रहे थे। इसका मतलब है कि यूक्रेन के सैनिक जो पोलैंड में हैं। रूस द्वारा रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल पर उन्होंने कहा, इससे एक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया शुरू होगी। दुनिया बहुत कुछ जानना चाहती है। मैं उन्हें यह नहीं बता रहा हूं कि प्रतिक्रिया क्या होगी।

इमरान तीन अप्रैल को करेंगे विश्वास मत का सामना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान तीन अप्रैल को होगा। गृह मंत्री शेख राशिद ने मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी। उन्होंने कहा कि मतदान से तीन दिन पहले गुरुवार को प्रस्ताव पर बहस शुरू होगी। जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक गृह मंत्री ने कहा कि प्रस्ताव पर मतदान के आखिर तक श्री खान हिम्मत नहीं हारेंगे और संघर्ष करते रहेंगे।विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने सोमवार को नेशनल असेंबली में प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया।

रूस-यूक्रेन : सर्बिया अपने देश में वार्ता आयोजित करने को तैयार

बेलग्रेड। सर्बिया ने कहा है कि अगर यूक्रेन और रूस की सहमति हो तो वह अपने देश में दोनों देशों के बीच शांति वार्ता आयोजित करके लिए तैयार है। राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुकिक ने सोमवार को कहा कि यदि दोनों देशों के अधिकारी तैयार हैं तो वह अपने देश में वार्ता का आयोजन करवाने के लिए तैयार हैं। श्री वुकिक ने कहा, हम चाहते हैं कि जितनी जल्दी हो सके, शांति बहाल की जाए। यह दुनिया का सबसे बेहतरीन समाचार होगा। हम किसी चीज में हस्तक्षेप नहीं कर रहे और किनारे हो गए हैं, यदि किसी को लगता है कि बेलग्रेड वार्ता के लिए अच्छी जगह है तो हम अपने यूक्रेनी और रूसी दोस्तों को इसकी पेशकश करते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि पहले तालिबान और पूर्व अफगान प्रशासन के बीच बातचीत भी बेलग्रेड में ही हुई थी। उन्होंने, किसी को पता नहीं चला था कि कहां, या क्या हुआ।

अमेरिका ने कोरोना काल में भारत यात्रा के जोखिम का स्तर किया कम

वाशिंगटन। अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने 'कोविड-19 के निम्न स्तर' का संकेत देते हुए भारत यात्रा के लिए खतरे के स्तर को लेवल- 3 (उच्च जोखिम) से कम करके लेवल- 1 (कम जोखिम) कर दिया है। सीडीसी ने सोमवार को भारत के लिए 'लेवल 1 ट्रैवल हेल्थ नोटिस' जारी किया, जिसमें देश को महामारी के बीच सबसे कम यात्रा जोखिम स्तर पर रखा गया है। नोटिस में कहा गया है, सीडीसी ने कोविड-19 के कारण लेवल-1 यात्रा स्वास्थ्य नोटिस जारी किया है, जो देश में कोविड-19 के निम्न स्तर का संकेत देता है। यदि आपने पूरी तरह से एफडीए द्वारा अधिकृत टीके लगवाये हैं तो कोविड-19 के संक्रमण और गंभीर लक्षण विकसित होने का आपका जोखिम कम हो सकता है। नोटिस में कहा गया है, सुनिश्चित करें कि आप भारत की यात्रा करने से पहले कोविड-19 के टीके लगवा चुके हों। भले ही आपको कोविड-19 के सभी टीके लग चुके हों, फिर भी आपको कोरोना होने और फैलने का खतरा हो सकता है। दो वर्ष या उससे अधिक उम्र के हर व्यक्ति को इनडोर सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना चाहिए। भारत में सभी आवश्यकताओं और सिफारिशों का पालन करें। सीडीसी के पास विभिन्न देशों की यात्रा के लिए कोविड जोखिम के पांच स्तर हैं, जिनमें 'बहुत अधिक जोखिम' से लेकर 'कम जोखिम' और 'अज्ञात स्तर' शामिल हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति बोल्सोनारो अस्पताल में भर्ती

ब्रासीलिया। ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को 'बेचैनी' की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी जांच की जाएगी। जी 1 समाचार पोर्टल ने संचार मंत्री फैबियो फारिया के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि श्री बोल्सोनारो को कुछ बेचैनी महसूस होने के कारण जांच के लिए सोमवार शाम ब्रासीलिया के सशस्त्र बल अस्पताल में भेजा गया था। उनके रात भर अस्पताल में रहने की उम्मीद है। प्रथम महिला मिशेल बोल्सोनारो के अनुसार राष्ट्रपति अब अच्छा महसूस कर रहे है। जनवरी की शुरुआत में राष्ट्रपति को आंतों की समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उल्लेखनीय है कि ब्राजील के राष्ट्रपति 2018 में अपनी हत्या के प्रयास के बाद से स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

गीतकार नहीं पार्श्वगायक बनना चाहते थे आनंद बख्शी

पुण्यतिथि 30 मार्च

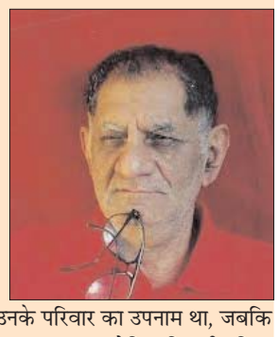

मुंबई। बॉलीवुड के दिवंगतगीतकार आनंद बख्शी ने लगभग चार दशकों तक अपने सदाबहार गीतों से श्रोताओं को दीवाना बनाया, लेकिन बहुत कम लोगों को पता होगा कि वह गीतकार नहीं बल्कि पार्श्वगायक बनना चाहते थे। पाकिस्तान के रावलपिंडी शहर में 21 जुलाई 1930 को जन्में आनंद बख्शी को उनके रिश्तेदार प्यार से नंद या नंदू कहकर पुकारते थे। 'बख्शी 'उनके परिवार का उपनाम था, जबकि उनके परिजनों ने उनका नाम आनंद प्रकाश रखा था। लेकिन फिल्मी दुनिया में आने के बाद आनंद बख्शी नाम से उनकी पहचान बनीं। आनंद बख्शी बचपन से ही फिल्मों में काम करके शोहरत की बुंलदियों तक पहुंचने का सपना देखा करते थे, लेकिन लोगों के मजाक उड़ाने के डर से उन्होंने अपनी यह मंशा कभी जाहिर नहीं की थी। आनंद बख्शी फिल्मी दुनिया में गायक के रूप में अपनी पहचान बनाना चाहते थे। वह अपने सपने को पूरा करने के लिए 14 वर्ष की उम्र में ही घर से भागकर फिल्म नगरी मुंबई आ गए, जहां उन्होंने रॉयल इंडियन नेवी मे कैडेट के तौर पर दो वर्ष तक काम किया। किसी विवाद के कारण उन्हें वह नौकरी छोडऩी पडीं। इसके बाद 1947 से 1956 तक उन्होंने भारतीय सेना में भी नौकरी की। बचपन से ही मजबूत इरादे वाले आनंद बख्शी अपने सपनों को साकार करने के लिए नए जोश के साथ फिर मुंबई पहुंचे जहां उनकी मुलाकात उस जमाने के मशहूर अभिनेता भगवान दादा से हुई। शायद नियति को यहीं मंजूर था कि आनंद बख्शी गीतकार ही बने। भगवान दादा ने उन्हें अपनी फिल्म 'भला आदमी' में गीतकार के रूप में काम करने का मौका दिया। इस फिल्म के जरिये वह पहचान बनाने में भले ही सफल नहीं हो पाए लेकिन एक गीतकार के रूप में उनके सिने कैरियर का सफर शुरू हो गया। अपने वजूद को तलाशते आनंद बख्शी को लगभग सात वर्ष तक फिल्म इंडस्ट्री में संघर्ष करना पड़ा। वर्ष 1965 में 'जब जब फूल खिले' प्रदर्शित हुई तो उन्हे उनके गाने 'परदेसियों से न अंखियां मिलाना', 'ये समां.. समां है ये प्यार का', 'एक था गुल और एक थी बुलबुल' सुपरहिट रहे और गीतकार के रूप में उनकी पहचान बन गई। इसी वर्ष फिल्म 'हिमालय की गोद में' उनके गीत 'चांद सी महबूबा हो मेरी कब ऐसा मैंने सोचा था' को भी लोगों ने काफी पसंद किया।वर्ष 1967 में प्रदर्शित सुनील दत्त और नूतन अभिनीत फिल्म मिलन के गाने 'सावन का महीना पवन करे शोर', 'युग युग तक हम गीत मिलन के गाते रहेंगे', 'राम करे ऐसा हो जाए' जैसे सदाबहार गानों के जरिये उन्होंने गीतकार के रूप में नई ऊंचाइयों को छू लिया। सुपर स्टार राजेश खन्ना के कैरियर को ऊंचाइयों तक पहुंचाने में आनंद बख्शी के गीतों का अहम योगदान रहा। राजेश खन्ना अभिनीत फिल्म आराधना में लिखे गाने 'मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू' के जरिये राजेश तो सुपर स्टार बने ही, साथ में किशोर कुमार को भी वह मुकाम हासिल हो गया जिसकी उन्हें बरसों से तलाश थी।आराधना की कामयाबी के बाद आर.डी.बर्मन आनंद बख्शी के चहेते संगीतकार बन गए। इसके बाद आनंद बख्शी और आर.डी.बर्मन की जोड़ी ने एक से बढ़कर एक गीत संगीत की रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आनंद बख्शी को मिले सम्मानों को देखा जाए तो उन्हें अपने गीतों के लिए 40 बार फिल्म फेयर अवार्ड के लिए नामित किया गया था लेकिन इस सम्मान से चार बार ही उन्हें नवाजा गया।

'चंडीगढ़ करे आशिकी' को करियर की महत्वपूर्ण फिल्म मानती है वाणी कपूर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर 'चंडीगढ़ करे आशिकी' को अपने करियर की महत्वपूर्ण फिल्म मानती है। वाणी कपूर जल्द ही फिल्म 'शमशेरा' में रणबीर कपूर के साथ नजर आयेगी। वाणी कपूर का कहना है कि उन्हें असल पहचान उनकी पिछली फिल्म 'चंडीगढ़ करे आशिकी' ने दी ही। इस फिल्म में उन्होंने एक ट्रांसजेंडर की भूमिका निभाई। वाणी कपूर ने कहा कि इस फिल्म ने उन्होंने इस धारणा को तोड़ा है कि वह सिर्फ एक खूबसूरत नायिका की भूमिका निभाने के लिए फिट हैं। वाणी कपूर ने कहा,मुझे लगता है कि 'चंडीगढ़ करे आशिकी' ने मेरे करियर में काफी मदद की है। इस फिल्म के जरिए मुझे एक आदर्श प्लेटफार्म मिला है जहां मैं सभी को यह दिखा सकी कि मैं किस तरह की अभिनेत्री बनना चाहती हूं। स्क्रीन पर अपने आप को साबित करने के लिए मैं किसी भी तरह का रिस्क उठाने के लिए तैयार

हूं क्योंकि मैं एक कलाकार के रूप में केवल कुछ रोल्स तक ही सीमित नहीं होना चाहती हूं, बल्कि मैं हर तरह का रोल करना चाहती हूं। वाणी कपूर ने कहा,मुझे लगता है कि 'चंडीगढ़ करे आशिकी' से पहले लोगों ने केवल यह सोचा था कि मैं एक खास तरह की भूमिका ही निभा सकती हूं, लेकिन फिल्म की रिलीज के बाद, मुझे बेहद अलग एवं दिलचस्प किस्म के रोल ऑफर मिलने लगे। मुझे अपना कॉलिंग कार्ड बनने के लिए ऐसी ही फिल्म की जरूरत थी और मैं प्रतिक्रिया से बेहद खुश हूं। यह मेरे जैसी अभिनेत्री के लिए वास्तव में उत्साहजनक है क्योंकि मैं स्क्रीन पर एक ही तरह की भूमिकाएं नहीं करना चाहती हूं, बल्कि मैं एक्सप्लोर करना चाहती हूं तथा अपने अभिनय में उत्कृष्टता को प्राप्त करना चाहती हूं। मैं यह चाहती हूं कि लोग मुझे एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में याद रखें जो स्क्रीन पर हर तरह का रोल कर सकती है।

चिरंजीवी के साथ गॉडफादर में काम करने का अनुभव शानदार रहा : सलमान खान

मुंबई। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान का कहना है कि फिल्म गॉडफादर में चिरंजीवी के साथ काम करने का उनका अनुभव बेहद शानदार रहा है। सलमान खान ने बताया कि वह चिरंजवी की अगली फिल्म %गॉडफादर% में एक स्पेशल रोल कर रहे हैं। उन्होंने बताया , चिरंजीवी के साथ काम करने का अनुभव बहुत शानदार रहा। मैं चिरू गारू को काफी लंबे समय से जानता हूं। वह दोस्त रहे हैं। वहीं उनके बेटे (राम चरण) भी दोस्त हैं। उन्होंने आरआरआर में फैंटास्टिक काम किया है। मैंने उन्हें उनके जन्मदिन पर और फिल्म की सफलता पर बधाई दी। मुझे उन पर गर्व है। वह बहुत अच्छा कर रहे हैं और यह देखकर बहुत गर्व महसूस होता है। लेकिन मुझे यह सोचकर आश्चर्य होता है कि हमारी फिल्में दक्षिण भरत में अच्छा प्रदर्शन नहीं करतीं।

दीप मनी के नए गाने तेरा होया दीवाना में नजर आयेगी अदा खान और हॉट इंडियंस की जोड़ी

मुंबई। अदा खान और हॉट इंडियंस विनोद भानुशाली द्वारा प्रस्तुत दीप मनी के नए गाने तेरा होया दीवाना में नजर आयेंगे। दीप मनी एक बार फिर तेरा होया दीवाना नामक पैपी ट्रैक ले कर आए हैं। विनोद भानुशाली की हिट्ज़ म्यूजिक द्वारा निर्मित इस गाने के म्यूजिक वीडियो में अदा खान और हॉट इंडियंस नज़र आयेंगे। वे एक साथ मिलकर ऑडियंस के समक्ष एक फन डांस सॉन्ग लेकर आए हैं जिसे एनएस चौहान ने लिखा है। दीप मनी द्वारा रचित और स्वरबद्ध किए गए इस गाने को स्टेनली मेनिनो डी कोस्टा ने निर्देशित किया है। यह गाना आप को निश्चित रूप से स्कूल के दिनों की याद दिलाएगा। विनोद भानुशाली का मानना है कि,तेरा होया दीवाना दीप मनी का एक और बेहतरीन ट्रैक है।

रणबीर-आलिया की फिल्म ब्रह्मास्त्र की शूटिंग पूरी हुयी

मुंबई। बॉलीवुड के रॉकस्टार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की बहुप्रतीक्षित फिल्म ब्रह्मास्त्र की शूटिंग पांच साल बाद पूरी हो गई है।

फिल्म ब्रह्मास्त्र के निर्देशक अयान मुखर्जी ने तीन दिवसीय वाराणसी शेड्यूल के बाद फिल्म रैप की घोषणा की।अयान मुखर्जी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, और अंत में ... इट्स आ रैप ! 5 साल जब हमने ब्रह्मास्त्र पर अपना पहला शॉट लिया, और हमने आखिरकार अपना आखिरी फिल्माया है ! बिल्कुल अविश्वसनीय, चुनौतीपूर्ण, जीवन भर की यात्रा !!! कुछ हाथ भाग्य कि हमने वाराणसी में %पार्ट वन: शिव% की शूटिंग समाप्त की - शिव भगवान की भावना से ओतप्रोत शहर, और वह भी सबसे पवित्र काशी विश्वनाथ मंदिर में, जो हमें पवित्रता, आनंद के वातावरण में समाप्त करने की अनुमति देता है. आशीर्वाद ! आने वाले रोमांचक दिन, अंतिम चरण आगे ! 09.09.2022 - हम आ गए !

आलिया ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, हमने 2018 में शूटिंग शुरू की थी और अब ... आखिरकार .. ब्रह्मास्त्र (भाग एक) का फिल्मांकन समाप्त हो गया है ! मैं इसके लिए यह कहना चाहती थी. इतना लंबा समय..यह एक रैप है !!!!!!!!

फिल्म का समर्थन कर रहे करण जौहर ने भी वाराणसी की शूटिंग का एक प्यारा सा वीडियो साझा किया और लिखा, और यह अद्भुत, रोमांचक, रोमांचकारी यात्रा... अत्यधिक मेहनत, समर्पण, प्यार और जुनून से भरी यात्रा का अंत हो गया है.. केवल आपके अनुभव के लिए बड़े पर्दे पर इसे उजागर करने के लिए !! ब्रह्मास्त्र भाग एक - शिव 09.09.2022 को सिनेमाघरों में आ रहा है !

गौरतलब है कि ब्रह्मास्त्र में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के अलावा अमिताभ बच्चन, नागार्जुन, मौनी रॉय की अहम भूमिका है।अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित और फॉक्स स्टार स्टूडियोज, धर्मा प्रोडक्शंस, प्राइम फोकस और स्टारलाइट पिक्चर्स द्वारा निर्मित, ब्रह्मास्त्र 09 सितंबर, 2022 को पांच भारतीय भाषाओं हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फराह खान ने 'द खतरा खतरा शो' के शीर्ष तीन आदर्श प्रतियोगियों के रूप में रणवीर, वरुण और शाहिद को चुना

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड की जानीमानी कोरियोग्राफर-निर्देशक फराह खान ने द खतरा खतरा शो के शीर्ष तीन आदर्श प्रतियोगियों के रूप में रणवीर सिंह , वरुण धवन और शाहिद कपूर को चुना है। फराह खान दर्शकों को मनोरंजन की साप्ताहिक खुराक प्रदान करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। फराह खान वूट पर एक बेहद मजेदार शो द खतरा खतरा शो के फ्राइडे स्पेशल एपिसोड की मेजबानी करने के लिए तैयार हैं। हर्ष लिम्बाचिया और कॉमेडियन भारती सिंह द्वारा होस्ट और निर्मित, इस शो में फराह खान विशेष होस्ट हैं। फराह खान ने इस शो के तीन आदर्श प्रतियोगियों के रूप में रणवीर सिंह, वरुण धवन और शाहिद कपूर को चुना।फराह खान ने फराह खान ने रणवीर,वरूण और शाहिद को असली खतरा मास्टर बताया क्योंकि यह सभी सितारे हर तरह का स्टंट कर सकते हैं तथा बेहद स्पोर्टी हैं।

मसूड़ों से आता है खून? इन घरेलू नुस्खों की मदद से पाएं इस समस्या से आराम

प्रिया मिश्रा

मसूड़ों से खून आना किसी बीमारी का संकेत भी हो सकता है। ऐसे में आपको इस समस्या को नजरंदाज करने की भूल नहीं करनी चाहिए। इसके लिए आप डॉक्टर से संपर्क करके दवा ले सकते हैं। लेकिन साथ ही, कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर भी आप मसूड़ों से खून आने की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

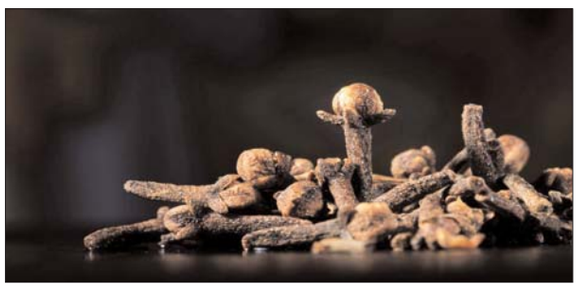

कई बार ब्रश करते समय मसूड़ों से खून निकलने लगता है। अक्सर हम इसे सामान्य समझ कर नजरंदाज कर देते हैं। लेकिन मसूड़ों से खून आना किसी बीमारी का संकेत भी हो सकता है। ऐसे में आपको इस समस्या को नजरंदाज करने की भूल नहीं करनी चाहिए। इसके लिए आप डॉक्टर से संपर्क करके दवा ले सकते हैं। लेकिन साथ ही, कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर भी आप मसूड़ों से खून आने की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ आसान घरेलू नुस्खे बताएंगे -

हल्दी

हल्दी को औषधीय गुणों का खजाना माना जाता है। यह हमारे स्वास्थ्य और स्किन के लिए तो फायदेमंद होती ही है। इसके साथ ही यह हमारी ओरल हेल्थ के लिए भी बहुत लाभकारी है। हल्दी में एंटी बैक्टीरियल और एंटी सेप्टिक गुण मौजूद होते हैं जिससे पायरिया को खत्म करने में मदद मिलती है। इसके लिए आधा चम?मच सरसों के तेल में आधा चम?मच हल?दी और चुटकीभर नमक मिलाएं। इस मिश्रण से मसूड़ों की उंगलियों से हल?की मालिश करें। रोजाना दिन में दो बार ऐसे करें।

लौंग का तेल

अगर आप मसूड़ों से खून आने की समस्या से परेशान हैं तो लौंग का तेल इस्तेमाल करें। लौंग के तेल में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं जिससे मसूड़ों से खून बहने की समस्या से राहत मिलती है। इसके लिए लौंग का तेल लें और उसमें रूई को भिगोकर अपने मसूड़ों पर लगाएं। कुछ देर बाद सादे पानी से कुल्ला कर लें। रोजाना ऐसा कारण से मसूड़ों से खून आने की समस्या खत्म होगी और दांत भी मजबूत होंगे।

नारियल का तेल

नारियल का तेल ना केवल हमारे बालों के लिए, बल्कि हमारी ओरल हेल्थ के लिए भी बहुत लाभकारी है। इसमें एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं जो मसूड़ों में सूजन और खून बहने की समस्या को दूर कर सकता है। इसमें मौजूद एंटी-माइक्रोबियल गुण दांतों को साफ रखने में मदद करते हैं। इसके लिए नारियल के तेल को 10 से 15 मिनट तक मुंह में घुमाते रहें। रोजाना ऐसा करने से मसूड़ों से खून आने की समस्या खत्म होगी और दांत भी साफ रहेंगे।

नमक का पानी

नमक के पानी का इस्तेमाल मसूड़ों से खून आने के कारगर घरेलू उपचारों में से एक है। नमक में एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो मसूड़ों में सूजन और संक्रमण को कम करने में फायदेमंद हैं। इसके लिए एक गिलास गर्म पानी में आधा चम्मच नमक मिलाएं और इससे कुल्ला करें। ऐसा दिन में दो से तीन बार करें। इससे आपको मसूड़ों से खून आने की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

शहद

शहद में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होते हैं जो मसूड़ों में सूजन और खून आने की समस्या से छुटकारा दिला सकते हैं। शहद को मसूड़ों पर लगाने से सूजन को कम करने मदद मिलती है।

दूध सा निखार पाने के लिए घर पर करें मिल्क फेशियल

मिताली जैन

फेशियल की शुरूआत होती है अपनी स्किन को क्लीन करने की। इसके लिए आप दूध से अपनी स्किन की क्लींजिंग करें। फेस को क्लीन करने के लिए सबसे पहले आप एक बाउल में थोड़ा सा कच्चा दूध व नींबू का रस डालकर मिक्स करें। अब इसे अपने चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें।

दूध को सेहत का साथी माना जाता है और बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी को इसका सेवन करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, दूध आपकी सेहत के साथ-साथ स्किन के लिए भी उतना ही लाभकारी है। दरअसल, दूध में कई प्रकार के मिनरल्स व विटामिन होते हैं, जो आपकी स्किन को पोषित करते हैं। आमतौर पर, महिलाएं अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए तरह-तरह के महंगे-महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट करवाती हैं। लेकिन अगर आप चाहें तो कच्चे दूध की मदद से भी अपनी स्किन को पैम्पर कर सकती हैं। साथ ही, चेहरे को अधिक ग्लोइंग बना सकती हैं और अनइवन स्किन टोन व अन्य कई स्किन प्रॉब्लम्स से छुटकारा पा सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको घर पर ही मिल्क फेशियल करने के कुछ आसान स्टेप्स के बारे में बता रहे हैं-

क्लींजिंग से करें शुरूआत

फेशियल की शुरूआत होती है अपनी स्किन को क्लीन करने की। इसके लिए आप दूध से अपनी स्किन की क्लींजिंग करें। फेस को क्लीन करने के लिए सबसे पहले आप एक बाउल में थोड़ा सा कच्चा दूध व नींबू का रस डालकर मिक्स करें। अब इसे अपने चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें। अब आप इसे अपने फेस पर 5-10 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। फिर पानी से स्किन को साफ करें।

करें स्क्रबिंग

क्लींजिंग के बाद अपनी स्किन को स्क्रब करें। यह डेड स्किन सेल्स को रिमूव करने में मदद करता है और इससे आपकी स्किन अधिक फर्म व ग्लोइंग बनती है। फेस के लिए स्क्रब बनाने के लिए आप कॉफी पाउडर में थोड़ा सा कच्चा दूध मिक्स करें और फिर इसे अपनी स्किन पर अप्लाई करके हल्के हाथों से स्क्रब करें। आप करीबन दो से चार मिनट के लिए अपनी स्किन को स्क्रब करें और फिर पांच से दस मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में, पानी की मदद से स्किन को साफ करें।

लगाएं फेस पैक

अपनी स्किन को एक्सफोलिएट करने के बाद आप कच्चे दूध की मदद से फेस पैक बना सकती हैं और अप्लाई कर सकती हैं। फेस पैक बनाने के लिए एक बाउल में एक बड़ा चम्मच कच्चा दूध लें और फिर उसमें एक चौथाई पका हुआ एवोकाडो मैश करके मिलाएं। अब इससे एक स्मूद पेस्ट बनाएं और अपनी स्किन पर लगाएं। इस पैक को अपने चेहरे और गर्दन पर 10-15 मिनट के लिए लगाएं और फिर अपनी स्किन को वॉश कर लें।

करें मसाज

अब अपनी स्किन को पैम्पर करने के लिए उसकी मसाज करें। यह आपके मिल्क फेशियल का आखिरी स्टेप है, जो आपको चेहरे को टोन और मॉश्स्चराइज करने में मदद करेगा। इसके लिए, आप एक बाउल में थोड़ा सा कच्चा दूध और शहद मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और करीबन 20 मिनट तक मसाज करें। फिर इसे दस मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में, चेहरे को वॉश करें।

गर्मियों से बचने के लिए बरतें कुछ सतर्कता, हमेशा ताजे मौसमी फल व सब्जियां हल्के हल्के खाएं

कमलेश पांडेय

चिकित्सकों का कहना है कि बढ़ते तापमान से निर्जलीकरण, त्वचा में जलन, बुखार, हीटस्ट्रोक आदि का खतरा होता है। इसलिए आपको ठीक से संतुलित आहार लेना चाहिए। आपको अपने आहार में मौसमी खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए।

हमारे शरीर पर खान-पान के अलावा मौसम और जलवायु का भी प्रभाव पड़ता है। इसलिए किसी एक मौसम में कोई एक दोष बढ़ता है तो कोई दूसरा शांत होता है। जबकि दूसरे मौसम में कोई अन्य दोष बढ़ता घटता रहता है। आयुर्वेद में भी बताया गया है कि आपकी सेहत और मौसम में गहरा संबंध है। इसलिए आयुर्वेद में हर मौसम के हिसाब से रहन-सहन और खान पान के निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों का यथेष्ठ पालन करके आप स्वस्थ और निरोग रह सकते हैं।

अब गर्मी दस्तक दे चुकी है। यह दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जाएगी। मानव शरीर के लिए यह मौसम ढेर सारी चुनौतियों को साथ लेकर आता है। इसलिए विभिन्न प्रकार की सावधानियां जरूरी हैं। इस मौसम में बाहर का वातावरण अपेक्षाकृत गर्म हो जाता है। जिसके चलते आपके शरीर को भी तापमान में बदलाव के साथ तालमेल बिठाना पड़ता है। चिकित्सकों का कहना है कि बढ़ते तापमान से निर्जलीकरण, त्वचा में जलन, बुखार, हीटस्ट्रोक आदि का खतरा होता है। इसलिए आपको ठीक से संतुलित आहार लेना चाहिए। आपको अपने आहार में मौसमी खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए। ऐसा इसलिए कि गर्मी के मौसम में एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली को बनाए रखने के लिए हाइड्रेटेड रहना चाहिए। यही वजह है कि हमने आपके लिए चिकित्सकों से बातचीत करके यहां कुछ स्वस्थ सुझाव दे रहे हैं जिनका अनुपालन करके आप अपने स्वास्थ्य को किसी भी प्रकार का नुकसान पहुंचाए बगैर इस गर्मी का आनंद ले सकते हैं।

अपने नाश्ते व भोजन में लें मौसमी फल व सब्जियां

इन दिनों अधिकांश सब्जियां और फल साल भर बाजार में उपलब्ध रहते हैं। फिर भी मौसमी फल, सब्जियों व अन्य उबले खाद्य पदार्थों का सेवन करने का अपना आकर्षण और स्वास्थ्य लाभ होता है। इसलिए आप इस मौसम में आम, आलूबुखारा, टमाटर, जामुन, तरबूज, संतरा, खीरा, खरबूजे, तोरी, कद्दू, नेनुआ, सहजन आदि का सेवन करें।

गर्मी के प्रकोप से बचने के लिए खुद को हाइड्रेटेड रखें

गर्मी में पानी पीना बेहद जरूरी है, क्योंकि यह आपके शरीर को फिर से हाइड्रेट करने में मदद करता है और इसे बेहतर तरीके से काम करने में काफी मदद करता है। इसलिए आप यह सुनिश्चित करें कि कम से कम 8-10 गिलास पानी पूरे दिन में पिएं और एक अच्छी तरह से हाइड्रेटेड शरीर को सुनिश्चित करें। यदि आपके पास हर समय पानी उपलब्ध नहीं हो सकता है, तो बेहतर स्वाद के लिए खस खस शर्बत, नींबू पानी, लेमनग्रास चाय, मिल्कशेक, गुलकंद, आम पन्ना, सत्तू, ताजा नारियल पानी, गन्ने का रस जैसे पेय पीने का प्रयास करें। आपको पता होना चाहिए कि सौंफ के पानी का सेवन शरीर को डिटॉक्सीफाई करता है, क्योंकि इसके अंदर कई उपयोगी फाइबर होते हैं जो शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालते हैं।

भोजन में भाग का आकार कम करें और प्रोटीन सामग्री बढ़ाएं

गर्मियों में भारी भोजन करने के बजाय हल्का भोजन करना अच्छा होता है, खासकर रात के समय में। वहीं, बेहतर पाचन के लिए और सूजन व एसिडिटी से बचने के लिए छोटा और बार-बार भोजन करें। आपके लिए यह जानना

जरूरी है कि गर्मी अस्वास्थ्यकर वसा और साधारण कार्ब्स का समय नहीं है। इसलिए प्रोटीन वह है जो आपको ठंडा रखता है, जिससे आपकी त्वचा और बालों को प्राकृतिक, स्वस्थ चमक मिलती है। हालांकि चिकन, उबली हुई मछली और बीन्स जैसे लीन मीट हल्के होते हैं।